हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

8 नवम्बर, 2001

खण्ड–3 अंक–1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 8 नवम्बर , 2001

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	1
अति वि ाश्ट व्यक्तियो का स्वागत	10
भाोक प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	10
तारांकित प्र ान एवम उतर	21

वाक आउट	28
तारांकित प्र ान एवम उतर (पुनरारम्भ)	29
अति वि ाश्ट व्यक्तियो का स्वागत	37
तारांकित प्र ान एवम उतर (पुनरारम्भ)	37
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेर पर रखे गए ताराकित प्र ानो के लिखित उतर	42
अतारांकित प्र ान एवम उतर	52
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव	60
हरियाणा राज्य मे गेहू करो के सबंध मे नई नीति बनाने संबधी	60
वकत्व	61
उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सबंधी नगर विकास राज्य मंत्री द्वारा	61
घोशणाए	
(क) अध्यक्ष द्वारा	75
(i) चेयरपर्सन्ज के नामो की सूचि	75

(ii) याचिक समिति	75
(iii) श्री चन्द्र भाटिया एम0एल0ए0 की रिहाई	75
(iv) अनुपस्थिति की अनुमति	76
(ख) सचिव द्वारा	76
(i) राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो सबधी	76
(ii) सविधान (इक्यांनवा सं ोधन) विधेयक, 2000 के अनुसमर्थन के सबंध मे राज्य सभा से प्राप्त दस्तावेज	77
नियम 30 के निलम्बन के लिए नियम 21 के अधीनप्रस्ताव	77
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	79
श्री कर्ण सिंह दलालत्र एम0एल0 द्वारा	
बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना	80
सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज पत्र	81

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 8 नवम्बर, 2001

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिह कादयान) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now the Chief Minister will make obituary references.

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): सम्मानित सदस्यगण, पिछलें अधिवे ान और आज के इस अधिवे ान के बीच के इस अर्से इस प्रदे ा के कई सम्मानित व्यक्तिगत हमके छोडकर इस संसार से चले गए है उनके प्रति सवेंदना व्यक्त करने का सदन को अवसर मिला है। डा0जे0पी. भार्मा हरियाणा विधान सभा के सदस्य थे।

डा0जे0पी. भार्मा हरियाणा विधान सभा के सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के सदस्य डा0जे0पी. भार्मा हरियाणा के 31 अक्तूबर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 14 अक्तूबर, 1938 को हुआ। उन्होने 1966 मे एम0एस0 की डिग्री प्राप्त की और वह 1971 तक मेडीकल

कालेज, लुधियाना मे एसोसिएट प्रौफेसर के पद पर कार्यरत रहे। मैडीकल ऐसोसिए ान के वे प्रदे ा के अध्यक्ष थे और 1990 मे जब मै हरियाणा प्रदे ा का मुख्यमंत्री था तब उनकी अध्यक्षता मे पूरे दे ा के डाक्टरो का सम्मेलन यमुनानगर मे बुलाया गया था। वे अच्छे डाक्टर थे। व्यक्तिगत तौर पर मेरा उनकसे बहुत अच्छा मिलनवर्तन था, वे एक नेक इंसान थे। आज एक अच्छे राजनैतिज्ञ, एक अच्छे डाक्टर, एक नेक इसांन संसार से चले गए। वर्श 2000 मे वह हरियाणा विधान सभा के लिये चुने गए।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

राव दलीप सिंह, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री राव दलीप सिंह के 13 जुलाई 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 4 अक्तूबर, 1931 को हुआ। वह विधि स्नातक थे। वह 1976, 1968, 1972 और 1977 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गऐ तथा जनवरी 1981 से मई 1982 तक मंत्री रहे। मुझे उनके साथ 1971–72 मे विधान सभा सदस्य रहने का अवसर मिला। व्यक्तिगत तौर पर मेरे उनसे घनिश्ठ सम्बन्ध थे। वे एक अच्छे राजनेता और नेक इसांन थे। पार्टी व्यक्तिगत

तौर हमारी पार्टी ने उनकी सेवाओ का भरपूर लाभ उठाया था। वे इस संसार से चले गये।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री रेलू राम पूनिया, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री रेलू राम पूनिया, तथा उनके परिवार के सदस्यो की 24 अगस्त, 2001 को हुई निर्मन हत्या पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री रेलू राम का जन्म 4 अप्रैल, 1952 को हुआ। व्यवसाय से कृशक श्री रेलू राम 1996 मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। वह कई सामाजिक संस्थाअ

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सेठ लछमन दास बजाज, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य सेठ लछमन दास बजाज के 21 सितम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 8 फरवरी, 1921 को हुआ। उन्होन स्वतन्त्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया। वह 1987 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह कई सामजिक संस्थाओ से सम्बद्ध रहे। उनकी सो ाल सर्विस का करनाल मे बडा भारी योगदान था। व्यक्तिगत तौर पर मेरे उनसे बहुत घनिश्ठ सम्बन्ध रहे है। वे एक अच्छे और नेंक इसांन के साथ साथ एक अच्छे राजनेता थे उसका सबूत यह है कि करनाल के साथ साथ वि ोश रूप से पूरे हरियाणा प्रदे ा मे उनकी कमी महसूस हुई है।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री चन्द्र भान, सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री चन्द्र भान के 27 सितम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

85 वर्शीय श्री चन्द्र भान स्नातक थे। उन्होने स्वतन्त्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और वह दो वर्श के लिए जेल गए। वह 1957 मे सयुक्त पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह कई सासमाजिक सस्थाओ से सम्बद्ध रहें।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री गगा राम, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री गंगा राम के 24 अक्तूबर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

वह 65 वर्श के थे। वह 1974 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह कई सामजिक संस्थाओ से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

श्री माधव राव सिधिया, सदस्य और भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री

यह सदन सदस्य और पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री माधव राव सिधियां, 30 सितम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। संवेदना प्रकट करता है।

श्री सिधिया का जन्म 10 मार्च, 1945 को हुआ। उन्होने आक्सफोर्ड वि विधायलय से स्नातकोतर की डिग्री प्राप्त की। वह 1971, 1977, 1980,1984,1989,1991,1996,1998, व 1999 मे लोक

सभा के सदस्य चुने गए। वह 1984 से 1989 तक केन्द्रीय राज्य मंत्री रहे तथा 1991–93 और 1995–96 के दौरान केन्द्रीय मंत्री रहे। युवा कल्याण और खेलो के स्तर को ऊंचा करने मे उन्होने बहुत यौगदान दिया। वह 1990 से 1993 तक भारतीय क्रिकेट कण्ट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष रहे। वे एक अच्छे एडमिनिस्ट्रेट थे और एक अच्छे राजनेता और नेक इंसान थे। आज पूरा दे ा उनकी कमी महसूस करता है।

उन्होने कई दे ाो का दौरा किया उन्होने इग्लैड, फ्रांस , अल्जीरिया, तुर्की, आस्ट्रलिया, सोवियत सघ, जापान, आस्ट्रलिया, ईराक, इण्डोनेि ाया, मलेि ाया,बीजिग और पि चम जर्मनी ने भारत के कई प्रतिनिधि मण्डलो का नेतृत्व किया।

उनके निधन से एक प्रख्यात सांसद एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

श्री बी0के0 नेहरू, भूतपूर्व राज्यपाल एवम रजनयिक

यह सदन भूतपूर्व राज्यपाल एवम राजनयिक श्री बी0के0 नेहरू 31 अक्तूबर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। संवेदना प्रकट करता है।

उनका जन्म 4 सितम्बर, 1909 को हुआ। उन्होने 1934 मे आई0सी0एस0 मे प्रवे ा किया। वह 1961 से 1968 तक

अमेरिका मे भारत के राजदूत और 1973 से 1977 तक ब्रिटेन मे भारत के उच्चायुक्त रहे। वह 1968 से 1973 तक असम और नागालैण्ड, 1972–73 के दौरान मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा 1981 से 1984 तक जम्मु और क मीर तथा 1984 से 1986 तक गुजरात के राज्यपाल रहे। वह पदम विभूशण से अलकृत थे। उन्होने विभिन्न पदो पर रह कर कु ालता से दे ा की सेवा की। वह 1988 से 2000 तक ट्रिब्यून समाचार पत्र समूह से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से एक कु ाल राजनयिक तथा योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

श्री कर्म सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन श्री कर्म सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी के 5 नवम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1919 मे हुआ। यह नेजाजी सुभाश चन्द्र बोस के आह्वान पर 20 वर्श की आयु मे आजाद हिन्द फौज मे भााामिल हो गये। वह सात वर्श सिंगापुर जेल मे रहे। नेताजी सुभाश चन्द्र बोस ने उनकी योग्यता और निश्ठा को देखते हुए उन्हे लैफिटनैट की उपाधि से विभूशित किया। वह 1948 से 1964 तक जगाधरी नगरपालिका के प्रधान रहे। श्री कर्म सिंह की दे ा

के प्रति की गई सेवाओ को देखते हुए उन्हे 1972 मे ताम्र पत्र से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से एक स्वतन्त्रता व सच्चे दे ाभग्त की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

श्री चूहड सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन श्री चूहड, स्वतन्त्रता सेनानी के 4 नवम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री चूहड सिंह 82 वर्श के थे। आजादी की लडाई मे उन्होने बढचढ कर भाग लिया और वह 14 वर्श जेल मे रहे। वह काफी समय नेताजी सुभाश चन्द्र बोस के साथ जापान और सिंगापुर मे रहे। आजादी के बाद वह भारतीय सेना मे भर्ती हो गए। वह 1968 मे सूबेदार के पद से सेवा निवृत्त हुए।

उनके निधन से एक स्वतन्त्रता व सच्चे दे ाभग्त की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

सयुक्त राज्य अमेरिका मे हुए आतकावादी हमले मे मारे गए लोग

यह सदन 11 सितम्बर, 2001 को सयुक्त राज्य अमेरिका के वर्ल्ड ट्रैड सैंटर तथा पैटागन मे आतंकवादी हमले मे मारे गए निर्दोश लोगो के प्रति गहरा भाोक प्रकट करता है।

वि व इतिहास मे आतकवाद की ऐसी भयकर घटना पहले कभी नही हुई। यह एक भार्मनाम एमव जघन्य अपराध तथा मानवता पर हमला था। इस घटना ने सारे वि व को स्तबध व भाोकाकुल कर दिया। आतकावाद एक ऐसी बुराई है, जो सारे वि व के लिए चुनौती है। सभी प्रकार के आतकंवद के विरूद्ध लडने के लिए अन्तर्राश्ट्रय स्तर पर सामूहिक प्रयास करने की आव यकता है। हम आ ाा करते है कि आतकावाद को जड से खत्म करने के लिए किये जा रहे प्रयासो के अच्छे परिणाम निकलेगे।

यह सदंन इस आतकवादी हमले की कडी निंन्दा करता है और भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

जम्मू क मीर विधान सभा पर हुए आतकवादी हमले मे मारे गए लोग

यह सदन 1 अक्तूबर, 2001 को जम्मू क मीर विधान सभा पर हुए आतकवादी हमले मे मारे गए निर्दोश लोगो के प्रति गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदंन इस आतकवादी हमले की कडी निंन्दा करता है और भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के भाहीद

यह सदन उन वीर सैनिको को अक्षुपूर्ण नमन करता है जिन्होने अपनी मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिये अदम्य साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया।

इस महान भाहीदो के नाम इस प्रकार है:—

1.	कमान्डैट सहदेव दहिया, रोहतक
2.	मेजर अमित आहूजा, अम्बाला
3.	लैफिटनैट कुलदीप सिंह, रोहतक
4.	सहायक कमान्डैट विकास भारद्धाज, कैथल
5.	सहायक मेजर बी0के0 यादव, गांव बासूदधा, रिवाडी
6.	सूबेदार मेजर जगमाल सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर
7.	हवलदार अमरजीत सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर
8.	हवलदार राज्यपाल सिंह, गांव बरवाला, पचकूला

9.	हवलदार ई वर सिह, गांव नगूरा, जीन्द
10.	हवलदार बलवान सिंह, रोहतक
11.	सिपाही सुनील कुमार, गांव खुबडू सोनीपत
12.	पैराटरूपर दरबारा सिंह, गांव डेरादेव, करनाल
13.	लांस नायक रामे वर, गांव कसौली, रिवाडी
14.	सिपाही राजवीर सिंह, गांव ढाणी साकंरी, हिसार
15.	सिपाही राजे ा, गांव रेनकंला, भिवानी
16.	नायक बतून सिंह, रोहतक
17.	सिपाही बनवारी लाल, गांव छिलरो, नारनौल
18.	सिपाही खेम सिंह, गांव भौडसी, गुडगांव
19.	सिपाही रामपाल, गांव उगाला, अम्बाला
20.	लांस लायक कुंवरपाल, गांव दमदमा, गुडगांव
21.	सिपाही राममेहर, गांव भुरावास, झज्जर
22.	सिपाही जितेन्द्र, गांव पटौदा, झज्जर
23.	सिपाही सिकन्दर सिह, गांव देवसर, भिवानी

24.	लांस नायक नि ाान सिंह, गांव बाखली, कुरूक्षेत्र
25.	सिपाही बदन सिंह, गांव मितरोल, फरीदाबाद
26.	सिपही सुरे ा भार्मा, गांव फासंवाला, कैथल
27.	सिपाही राजे ा कुमार, गांव गोरखपुर, फतेहबाद
28.	सिपाही राजकुमार, गांव खरगांन, झज्जर
29.	सिपाही सुखविन्द्र सिंह, गांव महिलांवाली, यमुनानगर
30.	सिपाही राजे ा कुमार, गांव नूना माजरा, झज्जर
31.	सिपही सुमन अली, गांव मकराना, भिवानी
32.	सिपाही मनजीत, गांव बिगोवा, भिवानी
33.	सिपाही दरबारा सिंह, गांव उपलाना, करनाल
34.	सिपाही राजबीर सिंह, गांव धामलवास, रिवाडी
35.	नायक बलबीर सिंह, गांव खरकडी, हिसार
36.	सिपाही दीन मोहम्मद, गांव कुमरहेडा, फरीदाबाद
37.	सिपाही गोपाल सिंह, गांव छायंसा, फरीदाबाद

यह सदन इस महान वीरो की भाहादत पर इन्हे भात भात नम करता है और इनको भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना व्यक्त करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै आपसे विनम्र निवेदन करूंगा कि इनके अलावा और भी जो सैनिक भाहीद हुए है जिनके नाम इस सूची मे भाामिल न हो सके या किसी दूसरे कारण से रह गये तथा किसी दूसरे माननीय सदस्य की जानकारी मे हो, वे नाम भी इस सूची मे भाामिल कर लिये जाये। इसके अतिरिक्त यह सदन के माननीय सदस्य श्री जगजीत सिंह सांगवान के चचेरे भाई श्री संदीप कुमार सपुत्र चौधरी अतर सिंह, गांव पैटावास कंला, जिला भिवानी के अकस्मात निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन सांसद श्री सुरेन्द्र सिंह की माता, श्रीमति भरतो देवी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री राम कि ान फौजी के पित, श्री धर्मपाल, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री रणवीर सिंह के पिता, श्री हरनन्द आर्य, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री दरयिाव सिंह के सुपुत्र , श्री अ ाोक कुमार, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बलवन्त सिंह मायना के भतीजे श्री मनजीत सिंह तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री भागी राम के भतीजे श्री ओमप्रका ा के दुख,द निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

सदन दिवंगतो के भाोक सत्पत परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

चौधरी भजन लाल (आदमपुर): अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के सदस्य

डा0 जे0पी0 भार्मा के अक्तूबर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 14 अक्तूबर, 1938 को हुआ। उन्होने 1966 मे एम0एस0 की डिग्री प्राप्त की और वह 1971 तक मैडीकल कांलेज, लुधियान मे एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत रहे। वर्श 2000 मे वह हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गऐ। इसके अलावा वे बहुत सी सस्थाओ के अध्यक्ष भी रही तथा बहुत सी मैडीकल संस्थाओ के भी अध्यक्ष रहे। उनके निधन से हरियाणा प्रांत को बडी भारी क्षति हुई है। वे बहुत ही योग्य व्यक्ति थे। उन्होने समाज की सेवा एज ऐ डाक्टर और एज ऐ जन प्रतिनिध के रूप मे पूरी निश्ठा के साथ की है।

उनके निधन से एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी के तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मै अपनी तरफ से अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री राव दलीप सिंह के 13 जुलाई, 2001 को हुए दुखत निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 4 अक्तूबर, 1931 को हुआ। वह विधि स्नातक थे। वह 1967, 1968, 1972 और 1971 मे हरियाणा विधान

सभा के सदस्य चुने गए तथा वे मेरी कैबीनेट से मंत्री भी रहे। वे बहुत की काबिल और योग्य व्यक्ति थे।

उनके निधन से एक योग्य विधायक एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी के तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य री रेलू राम पूनिया तथा उनके परिवार के सदस्यो की 24 अगस्त, 2001 को हुई निर्मम हत्या पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। श्री रेलू राम का जन्म 4 अप्रेल, 1952 को हुआ। व्यवसाय से कृशक श्री रेलू राम 1996 मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। वह कई सामजिक संस्थाओ से सम्बद्ध रहे। अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह मौका दिवंगत आत्माओ के परिवारो के प्रति भाोक प्रकट करने का है लेकिन मै एक बात जरूर कहना चाहूगा श्री रेलू राम और उनके परिवार के 7 सदस्यो की जो हत्या हुई है उसकी सी0बी0आई0 द्वारा जांच करवाई जानी चाहिए। क्योकि इस बात का हरियाणा प्रदे ा की जनता के मन मे मं ाा है कि एक अकेली लडकी 8 लोगो को नही मार सकती। इसलिए मेरी सरकार से विनती है कि इस बारे मे सी0बी0आई0 से जांच करवाई जानी चाहिए ताकी पिक्चर क्लीयर हो जाए उनके बारे मे कहने के लिए बहुत सारी बात है लेकिन वे बाते इस समय कहने का मौका नही है वह बात

बाद कहेगे। सी0बी0आई0 से जांच करवाने की बात कहने के लिए मैने इसलिए हिम्मत की है क्योकि उनका भाोक प्रस्ताव मे नाम है। उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचिंत हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी के तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी ओर से अपनी पार्टी की ओर से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य सेठ लछमन दास बजाज के 21 सितम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। उनका जन्म 8 फरवरी, 1921 को हुआ। उन्होने स्वतन्त्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया। वह 1967 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह कई सामजिक संस्थाओ से सम्बद्ध रहे। उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचिंत हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी के तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी ओर से ओर पार्टी की ओर से सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री चन्द्र भन के 27 सितम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। 85 वर्शीय श्री चन्द्रभान स्नातक थे। उन्होने स्वतनत्रता आन्दोलने मे सक्रिय भाग लिया और वह दो वर्श के लिए जेल गए। वह 1957 मे सयुक्त पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गए

वह कई सामाजिक सस्थाओ से सम्बद्ध रहे। उनके निधन से दे ा एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी के तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, मै अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री गंगाराम के 24 अक्तूबर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। वह 65 वर्श के थे। वह 1974 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य नही चुने गए थे बल्कि वह 1974 की बजाय 1977 मे सदस्य चुने गए थे। यह मेरी समझ मे टाईप मे गलती हुई है क्योकि 1974 मे तो कोई चुनाव ही नही हुए थे और न ही उस समय कोई बाई इलैक ान हुआ था।

वित्त मंत्री(प्रो0 सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, इनकी बात ठीक है वह 1977 के इलैक ान मे ही विधान सभा के सदस्य चुने गये थे। यह टाईप करने मे गलती हुई है।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचिंत हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी के तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, मै अपनी

और से और अपनी पार्टी की और से संदस सदस्य और पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री माधव राव सिधिया के 30 सितम्बर, 2001 को हुए दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। श्री सिंधिया का जन्म 10 मार्च, 1945 को हुआ। उन्होने आक्सफोर्ड वि ववविधालय से स्नातकोतर की डिग्री प्राप्त की। वह 1971, 1977,1980,1984,1989,1991,1996,1998, व 1999 मे लोकसभा के सदस्य चुने गए। वह 1984 से 1989 तक केन्द्रीय राज्य मंत्री तथा 1961–93 और 1995–96 के दौरान केन्द्रीय मंत्री रहे। युवा कल्याण और खेलो के स्तर को ऊंचा करने मे उन्होने बहुत योगदान दियां। वह 1990 से 1993 तक भारतीय क्रिकेट कन्ट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष रहे। उन्होन कई दे ाो का दौरा किया उन्होने इग्लैड, फ्रांस,अल्जीरिया, तुर्की, आस्ट्रिलया, सोबीयत संध, जापान, आस्ट्रिलया, ईराक, इण्डोनेि ाया, मलेि ाया, बीजिंग और पि चम जर्मनी मे भारत के कई प्रतिनिध मण्डलो का नेतृत्व किया।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचिंत हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी के तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

स्पीकर साहब, मे मुख्यमंत्री महोदय से एक निवेदन और करना चाहूगा कि श्री माधव राव सिंधिया जी के साथ जो चार महानुभाव पत्रकार थे उनकी भी इस हादसे मे मृत्यु हो गई है कृपा उनके नाम भी इन भाोक प्रस्तावो मे भाामिल कर लिए जाए।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी आप उनके नाम बता दे।

चौधरी भजन लालः नाम हम आपको कल दे देगे।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इन नामो के साथ जो दो पायलट थे उनका नाम और सिंधिया जी के जो पर्सनल सैक्रेटरी श्री रूपेन्द्र सिंह थे उनके भी नाम इन भाोक प्रस्तावो मे भाामिल कर लिए जाए।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै अपनी पार्टी की तरफ से भूतपूर्व राज्यपाल एवम राजनयिक श्री बी0के0 नेहरू के 31 अक्तूबर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 4 सितम्बर, 1909 को हुआ। उन्होने 1934 मे आई0सी0एस0 मे प्रवे ा किया। वह 1961 से 1968 तक अमेरिका मे भारत के राजदूत और 1973 से 1977 तक ब्रिटेन मे भारत के उच्चायुक्त रहे। वह 1968 से 1973 तक असम और नागालैण्ड, 1972–73 के दौरान मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा 1981 से 1984 तक जम्मु और क मीर तथा 1984 से 1986 तक गुजरात के राज्यपाल रहे। वह पदम विभूशण से अलकृत थे। उन्होने विभिन्न पदो पर रह कर कु ालता से दे ा की सेवा की। वह 1998 से 2000 तक ट्रिब्यून समाचार पत्र समूह से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से एक कु ाल राजनयिक तथा योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मै अपनी तथा पार्टी की तरफ से श्री कर्म सिह, स्वतत्रता सेनानी के 5 नवम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 1919 मे हुआ। यह नेजाजी सुभाश चन्द्र बोस के आह्वान पर 20 वर्श की आयु मे आजाद हिन्द फौज मे भाामिल हो गये। वह सात वर्श सिंगापुर जेल मे रहे। नेताजी सुभाश चन्द्र बोस ने उनकी योग्यता और निश्ठा को देखते हुए उन्हे लैफिटनैट की उपाधि से विभूशित किया। वह 1948 से 1964 तक जगाधरी नगरपालिका के प्रधान रहे। श्री कर्म सिंह की दे ा के प्रति की गई सेवाओ को देखते हुए उन्हे 1972 मे ताम्र पत्र से सम्मानित किया गया। उनके निधन से एक स्वतन्त्रता व सच्चे दे ाभग्त की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से श्री चूहड सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी के 4 नवम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री चूहड सिंह 82 वर्श के थे। आजादी की लडाई मे उन्होने बढ चढ कर भाग लिया और वह 14 वर्श जेल मे रहे। वह काफी समय नेताजी सुभाश चन्द्र बोस के साथ जापान और सिंगापुर मे रहे। आजादी के बाद वह भारतीय सेना मे भर्ती हो गए। वह 1968 मे सूबेदार के पद से सेवा निवृत हुए।

उनके निधन से एक स्वतन्त्रता व सच्चे दे ाभग्त की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, मे अपनी पार्टी की तरफ से 11 सितम्बर, 2001 को सयुक्त राज्य अमेरिका के वर्ल्ड ट्रैड सैंटर तथा पैटागन मे आतकवादी हमले मे मारे गए निर्दोश लोगो के प्रति गहरा भाोक प्रकट करता हू।

वि व इतिहास मे आतंकवाद की ऐसी भंयकर घटना पहले कभी नही हुई। यह एक भार्मनाम एवम जघन्य अपराध तथा मानवता पर हमला था। इस घटना ने सारे वि व को स्तबध व भाोकाकुल कर दिया। आतंकवाद एक ऐसी बुराई है, जो सारे वि व के लिए चुनौती है। सभी प्रकार के आंतकवाद के विरूद्ध के लिए अंतर्राश्ट्रीय स्तर पर सामूहिक प्रयास करने की आव यकता है हम आ ाा करते है कि आंतकवाद को जड से खत्म करने के लिए किये जा रहे प्रयासो के अच्छे परिणाम निकलेगे।

मै अपनी तथा पार्टी की तरफ से इस आतकवादी हमले की कडी निंन्दा करता है और भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

(i) अति वि ि श्ट व्यक्तियो का स्वागत

श्री अध्यक्षः मानव्यर, झारखण्ड विधान सभा के अध्यक्ष श्री इन्द्र सिंह नामधारी और उनकी पत्नी यहा पर हाउस की कार्यवाही देखने के लिए आए है और वी0ई0पी0 गैलरी मे बैठे है । मै अपनी तरफ से व हाउस की तरफ से उनका स्वागत करता हू। (थम्पिंग)

भाोक प्रस्ताव (पुररारम्भ)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै अपनी और पार्टी की और से 1 अक्तूबर, 2001 को जम्मू क मीर विधान सभा पर हुए आतकंवादी हमले मे मारे गए निर्दोश लोगो के दुखद निधन पर गहरा भोाक प्रकट करता हू।

मै अपनी तथा पार्टी की तरफ से इस आतकवादी हमले की कडी निंन्दा करता है और भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, केवल इस घटना की ही नही जम्मु क मीर तथा दे ाो के दूसरे हिस्सो मे जहां जहां भी आतवकवादी हमले करके निर्दोश लोगो को मारा गया है उन सभी

को भी इसमे भाामिल किया जाए तथा कडे भाब्दो मे इन हमलो की निदां की जाए, ऐसा मेरा प्रस्ताव है।

अध्यक्ष महोदय, अपनी और अपनी पार्टी की ओर से उन वीर सैनिको को अक्षुपूर्ण नम करता हू जिन्होने अपनी मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया। इस महान भाहीदो के नाम इस प्रकार हैः—

कमान्डैट सहदेव दहिया, रोहतक,मेजर अमित आहूजा, अम्बाला,लैफिटनैट कुलदीप सिंह, रोहतक,सहायक कमान्डैट विकास भारद्धाज, कैथल,सहायक,मेजर बी0के0 यादव, गांव बासूदधा, रिवाडी, सूबेदार मेजर जगमाल सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर, हवलदार अमरजीत सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर, हवलदार राज्यपाल सिंह, गांव बरवाला, पचकूला, हवलदार ई वर सिह, गांव नगूरा, जीन्द, हवलदार बलवान सिंह, रोहतक, सिपाही सुनील कुमार, गांव खुबडू सोनीपत, पैराटरूपर दरबारा सिंह, गांव डेरादेव, करनाल, लांस नायक रामे वर, गांव कसौली, रिवाडी, सिपाही राजवीर सिंह, गांव ढाणी साकंरी, हिसार, सिपाही राजे ा, गांव रेनकंला, भिवानी, नायक बतून सिंह, रोहतक, सिपाही बनवारी लाल, गांव छिलरो, नारनौल, सिपाही खेम सिंह, गांव भौडसी, गुडगांव, सिपाही रामपाल, गांव उगाला, अम्बाला, लांस लायक कुंवरपाल, गांव दमदमा, गुडगांव, सिपाही राममेहर, गांव भुरावास, झज्जर, सिपाही जितेन्द्र, गांव पटौदा, झज्जर, सिपाही सिकन्दर

सिह, गांव देवसर, भिवानी, लांस नायक नि ाान सिह, गांव बाखली, कुरूक्षेत्र, सिपाही बदन सिंह, गांव मितरोल, फरीदाबाद, सिपही सुरे ा भार्मा, गांव फासंवाला, कैथल, सिपाही राजे ा कुमार, गांव गोरखपुर, फतेहबाद, सिपाही राजकुमार, गांव खरगांन, झज्जर, सिपाही सुखविन्द्र सिंह, गांव महिलांवाली, यमुनानगर, सिपाही राजे ा कुमार, गांव नूना माजरा, झज्जर, सिपही सुमन अली, गांव मकराना, भिवानी, सिपाही मनजीत, गांव बिगोवा, भिवानी, सिपाही दरबारा सिंह, गांव उपलाना, करनाल, सिपाही राजबीर सिंह, गांव धामलवास, रिवाडी, नायक बलबीर सिंह, गांव खरकडी, हिसार, सिपाही दीन मोहम्मद, गांव कुमरहेडा, फरीदाबाद, सिपाही गोपाल सिंह, गांव छायंसा, फरीदाबाद,

मै अपनी और अपनी पार्टी की ओर से इन महान वीरो की भाहादत पर इन्हे भात भात नमन करता हू और इनके भार्ोक सतप्ंत परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै यहा पर एक बात और कहना चाहता हू कि भाहीदो के परिवारो को दी जाने वाली 10 लाख रूपये की रा ि ा देनी सरकार ने बन्द कर दी है जो कि बन्द नही करनी चाहिए थी। अध्यक्ष महोदय, मै अपनी और अपनी पार्टी की और श्री सांसद श्री सुरेन्द्र सिंह की माता, श्री मती भरतो देवी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री रामकि ान फौजी के पिता, श्री धर्मपाल, हरियाणा ह सदन सांसद श्री सुरेन्द्र सिंह की

माता, श्रीमति भरतो देवी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री राम कि ान फौजी के पित, श्री धर्मपाल, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री रणवीर सिंह के पिता, श्री हरनन्द आर्य, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री दरयिाव सिंह के सुपुत्र , श्री अ ाोक कुमार, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बलवन्त सिंह मायना के भतीजे श्री मनजीत सिंह तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री भागी राम के भतीजे श्री ओमप्रका ा के दुखद निधन पर गहरा भााोक प्रकट करता है।

मै अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगतो के भााोक सत्पत परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मेरी एक और प्रार्थना है कि इस सदन के मैम्बर डा0 जय प्रका ा भार्मा का निधन हो गया है मै आपसे यह निवेदन करता हू कि आज की हाउस की कार्यवाही कल तक के लिए ऐडजार्न करनी चाहिए क्योकि वे सिटिंग मैम्बर थे।

श्री कृश्ण पाल गुर्जर (मेवला महारजपु): पिछले विधान सभा के सत्र खत्म होने के बाद और विधान सभा के इस सत्र के आरम्भ होने से पहले हमारे बीच मे से कोई महान विभूतिया चली गई है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के सदस्य डा0जे0पी. भार्मा हरियाणा के 31 अक्तूबर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 14 अक्तूबर, 1938 को हुआ। उन्होने 1966 मे एम0एस0 की डिग्री प्राप्त की और वह 1971 तक मेडीकल कालेज, लुधियाना मे एसोसिएट प्रौफेसर के पद पर कार्यरत रहे। वर्श 2000 मे वह हरियाणा विधान सभा के लिये चुने गए। अध्यक्ष महोदय, डा0जे0पी. भार्मा जी बहुत ही हंसमुख स्वाभाव के और मिलनसार व्यक्ति थे। वे सभी सदस्यो के साथ मिल जुलकर रहते थे आज वे हमारे बीच मे नही रहे है।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री राव दलीप सिंह के 13 जुलाई 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 4 अक्तूबर, 1931 को हुआ। वह विधि स्नातक थे। वह 1976, 1968, 1972 और 1977 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गऐ तथा जनवरी 1981 से मई 1982 तक मंत्री रहे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री रेलू राम पूनिया, तथा उनके परिवार के सदस्यो की 24 अगस्त, 2001 को हुई निर्मन हत्या पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री रेलू राम का जन्म 4 अप्रैल, 1952 को हुआ। व्यवसाय से कृशक श्री रेलू राम 1996 मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। वह कई सामाजिक संस्थाओ से सम्बद्ध रहे। अध्यक्ष महोदय, रेलू पुनिया जी का ज्यादातर समय फरीदाबाद मे गुजरा है। वह बहुत ही नीचे स्तर से उठकर हरियाणा विधान सभा मे पहुचे थे। यह एक मिसाल है।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य सेठ लछमन दास बजाज के 21 सितम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 8 फरवरी, 1921 को हुआ। उन्होन स्वतन्त्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया। वह 1987 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह कई सामजिक संस्थाओ से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से यह सदन सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री चन्द्र भान के 27 सितम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

85 वर्शीय श्री चन्द्र भान स्नातक थे। उन्होने स्वतन्त्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और वह दो वर्श के लिए जेल गए।वह कई सासमाजिक सस्थाओ से सम्बद्ध रहें।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री गंगा राम के 24

अक्तूबर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

वह 65 वर्श के थे। वह 1974 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह कई सामजिक संस्थाओ से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री माधव राव सिधियां, 30 सितम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, माधव राव सिंधिया एक स ाक्त राजनेता थे जिन्होने हिन्दुस्तान की राजनीति से अपनी जगह बना ली थी। उनहोने जिनते काम किए है उनके बारे मे व्याख्यान करना बहुत ही मु कल है। उनके निधन से सिर्फ काग्रेस को ही नही पूरे हिन्दुस्तान को नुकसान हुआ है। श्री सिधिया का जन्म 10 मार्च, 1945 को हुआ। उन्होने आक्सफोर्ड वि विधायलय से स्नातकोतर की डिग्री प्राप्त की। वह 1971, 1977, 1980,1984,1989,1991,1996,1998, व 1999 मे लोक सभा के सदस्य चुने गए।

अध्यक्ष महोदय, उनके बारे मे मै आपके माध्यम से सदन को एक बात और बताना चाहता हू कि उन्होने अपने राजनीतिक जीवन की भ्रुरूआत जंनसंघ से की थी। वह 1984 से 1989 तक केन्द्रीय राज्य मंत्री रहे तथा 1991–93 और 1995–96 के दौरान केन्द्रीय मंत्री रहे। युवा कल्याण और खेलो के स्तर को ऊंचा करने मे उन्होने बहुत यौगदान दिया। वह 1990 से 1993 तक भारतीय क्रिकेट कण्ट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष रहे।

उन्होने कई दे ाो का दौरा किया उन्होने इग्लैड, फ्रांस , अल्जीरिया, तुर्की, आस्ट्रलिया, सोवियत सघ, जापान, आस्ट्रलिया, ईराक, इण्डोनेि ाया, मलेि ाया,बीजिग और पि चम जर्मनी ने भारत के कई प्रतिनिधि मण्डलो का नेतृत्व किया।

अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ उस जहाज मे असिटैन्ट पायलट रितु मलिक, श्री सिधिया के सैक्रेटरी और चार पत्रकारो की असामयकि मुत्यु हो गई थी। रितु मलिक रोहतक की रहने वाली उनके निधन से एक प्रख्यात सांसद एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भ्राोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भ्राोक प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से भूतपूर्व राज्यपाल एवम राजनयिक श्री बी0के0 नेहरू 31 अक्तूबर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भ्राोक प्रकट करता है। संवेदना प्रकट करता है। उनका जन्म 4 सितम्बर, 1909 को हुआ।

उन्हौने 1934 मे आई0सी0एस0 मे प्रवे ा किया। वह 1961 से 1968 तक अमेरिका मे भारत के राजदूत और 1973 से 1977 तक ब्रिटेन मे भारत के उच्चायुक्त रहे। वह 1968 से 1973 तक असम और नागालैण्ड, 1972–73 के दौरान मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा 1981 से 1984 तक जम्मु और क मीर तथा 1984 से 1986 तक गुजरात के राज्यपाल रहे। वह पदम विभूशण से अलकृत थे। उन्होने विभिन्न पदो पर रह कर कु ालता से दे ा की सेवा की। वह 1988 से 2000 तक ट्रिब्यून समाचार पत्र समूह से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से एक कु ाल राजनयिक तथा योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भााक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भााक प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से श्री कर्म सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी के 5 नवम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भााक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1919 मे हुआ। यह नेजाजी सुभाश चन्द्र बोस के आह्वान पर 20 वर्श की आयु मे आजाद हिन्द फौज मे भाामिल हो गये। वह सात वर्श सिंगापुर जेल मे रहे। नेताजी सुभाश चन्द्र बोस ने उनकी योग्यता और निश्ठा को देखते हुए उन्हे लैफिटनैट की उपाधि से विभूशित किया। वह 1948 से 1964

तक जगाधरी नगरपालिका के प्रधान रहे। श्री कर्म सिंह की दे ा के प्रति की गई सेवाओ को देखते हुए उन्हे 1972 मे ताम्र पत्र से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से एक स्वतन्त्रता व सच्चे दे ाभग्त की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ श्री चूहड, स्वतन्त्रता सेनानी के 4 नवम्बर, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री चूहड सिंह 82 वर्श के थे। आजादी की लडाई मे उन्होने बढचढ कर भाग लिया और वह 14 वर्श जेल मे रहे। वह काफी समय नेताजी सुभाश चन्द्र बोस के साथ जापान और सिंगापुर मे रहे। आजादी के बाद वह भारतीय सेना मे भर्ती हो गए। वह 1968 मे सूबेदार के पद से सेवा निवृत्त हुए।

उनके निधन से एक स्वतन्त्रता व सच्चे दे ाभग्त की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, मै अपनी पार्टी की और से 11 सितम्बर, 2001 को सयुक्त राज्य अमेरिका के वर्ल्ड ट्रैड सैंटर तथा पैटागन मे आतंकवादी हमले मे मारे गए निर्दोश लोगो के प्रति गहरा भाोक प्रकट करता है।

वि व इतिहास मे आतकवाद की ऐसी भयकर घटना पहले कभी नही हुई। यह एक भार्मनाम एमव जघन्य अपराध तथा मानवता पर हमला था। इस घटना ने सारे वि व को स्तबध व भाोकाकुल कर दिया। आतकावाद एक ऐसी बुराई है, जो सारे वि व के लिए चुनौती है। सभी प्रकार के आतकंवद के विरूद्ध लडने के लिए अन्तर्राश्ट्रय स्तर पर सामूहिक प्रयास करने की आव यकता है। हम आ ाा करते है कि आतकावाद को जड से खत्म करने के लिए किये जा रहे प्रयासो के अच्छे परिणाम निकलेगे।

यह सदंन इस आतकवादी हमले की कडी निंन्दा करता है और भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी पार्टी की और से 1 अक्तूबर, 2001 को जम्मू क मीर विधान सभा पर हुए आतकवादी हमले मे मारे गए निर्दोश लोगो के प्रति गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदंन इस आतकवादी हमले की कडी निंन्दा करता है और भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, अपनी और अपनी पार्टी की ओर से उन वीर सैनिको को अक्षुपूर्ण नम करता हू जिन्होने अपनी मातृभूमि की

एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया।

इस महान भाहीदो के नाम इस प्रकार है:—

कमान्डैट सहदेव दहिया, रोहतक,मेजर अमित आहूजा, अम्बाला,लैफिटनैट कुलदीप सिंह, रोहतक,सहायक कमान्डैट विकास भारद्धाज, कैथल,सहायक,मेजर बी0के0 यादव, गांव बासूदधा, रिवाडी, सूबेदार मेजर जगमाल सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर, हवलदार अमरजीत सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर, हवलदार राज्यपाल सिंह, गांव बरवाला, पचकूला, हवलदार ई वर सिह, गांव नगूरा, जीन्द, हवलदार बलवान सिंह, रोहतक, सिपाही सुनील कुमार, गांव खुबडू सोनीपत, पैराटरूपर दरबारा सिंह, गांव डेरादेव, करनाल, लांस नायक रामे वर, गांव कसौली, रिवाडी, सिपाही राजवीर सिंह, गांव ढाणी साकंरी, हिसार, सिपाही राजे ा, गांव रेनकंला, भिवानी, नायक बतून सिंह, रोहतक, सिपाही बनवारी लाल, गांव छिलरो, नारनौल, सिपाही खेम सिंह, गांव भौडसी, गुडगांव, सिपाही रामपाल, गांव उगाला, अम्बाला, लांस लायक कुंवरपाल, गांव दमदमा, गुडगांव, सिपाही राममेहर, गांव भुरावास, झज्जर, सिपाही जितेन्द्र, गांव पटौदा, झज्जर, सिपाही सिकन्दर सिह, गांव देवसर, भिवानी, लांस नायक नि ाान सिह, गांव बाखली, कुरूक्षेत्र, सिपाही बदन सिंह, गांव मितरोल, फरीदाबाद, सिपही सुरे ा भार्मा, गांव फासंवाला, कैथल, सिपाही राजे ा कुमार, गांव गोरखपुर, फतेहबाद, सिपाही राजकुमार, गांव खरगांन,

झज्जर, सिपाही सुखविन्द्र सिंह, गांव महिलांवाली, यमुनानगर, सिपाही राजे ा कुमार, गांव नूना माजरा, झज्जर, सिपही सुमन अली, गांव मकराना, भिवानी, सिपाही मनजीत, गांव बिगोवा, भिवानी, सिपाही दरबारा सिंह, गांव उपलाना, करनाल, सिपाही राजबीर सिंह, गांव धामलवास, रिवाडी, नायक बलबीर सिंह, गांव खरकडी, हिसार, सिपाही दीन मोहम्मद, गांव कुमरहेडा, फरीदाबाद, सिपाही गोपाल सिंह, गांव छायंसा, फरीदाबाद,

मै अपनी और अपनी पार्टी की ओर से इन महान वीरो की भाहादत पर इन्हे भात भात नमन करता हू और इनके भाोंक सतप्ंत परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी और अपनी पार्टी की और श्री सांसद श्री सुरेन्द्र सिंह की माता, श्री मती भरतो देवी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री रामकि ान फौजी के पिता, श्री धर्मपाल, हरियाणा ह सदन सांसद श्री सुरेन्द्र सिंह की माता, श्रीमति भरतो देवी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री राम कि ान फौजी के पित, श्री धर्मपाल, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री रणवीर सिंह के पिता, श्री हरनन्द आर्य, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री दरयिाव सिंह के सुपुत्र , श्री अ ाोक कुमार, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बलवन्त सिंह मायना के भतीजे श्री मनजीत सिंह तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य

श्री भागी राम के भतीजे श्री ओमप्रका ा के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

मै अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगतो के भाोक सत्पत परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

श्री बंसी लाल (भिवानी): अध्यक्ष महोदय, लीडर आफ दि हाउस ने जो भाोक प्रस्ताव रख है उसका मै समर्थन करता हू। हमारे सदन के ही एक मौजूदा मैंबर श्री डा0जे0पी. भार्मा हरियाणा के 31 अक्तूबर, 2001 को संसार से चले गए। वे एक योग्य डाक्टर, बडे कर्मठ कार्यकर्ता और लोक मे लोकप्रिय थे उन्होने समाज सेवा बहुत की। बहुत सी कमेटियो लोगो की होती है वे उनके मैबर रहे, अध्यक्ष भी रहे। मै अपने आपको इस प्रस्ताव के साथ श्री जे0पी0 भार्मा के भाोक प्रस्ताव मे ऐसोसिएट करता हू।

श्री राव दलीप सिंह भूतपूर्व मंत्री रहे। वे चार पांच बार इस सदन के सदस्य रहे। वे बहुत योग्य समझदार व भाील स्वभाव के व्यक्ति थे। उनके जाने से भी हमने योग्य व्यक्ति, अच्छा प्र ाासक खो दिया है। मै उनके परिवार के प्रति भी सवेंदना प्रकट करता हू।

श्री रेलू राम पूनिया, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य रहे, उनकी बडी निर्मन हत्या पूरे कुटुम्ब के साथ हुई। मै

उनके परिवार या रि तेदार जो भी हो उनके प्रति अपनी सवेदंना प्रकट करता हू।

सेठ लछमन दास बजाज,हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य रहे। उनके और उनके परिवार वालो के प्रति भी मै सहानुभूति प्रकट करता हूं।

श्री चन्द्र भान सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के थे और मेरा ख्याल है कि वे मेरे जिले लोहारू से एम0एल0ए0 रहे। मै उनके परिवार के सदस्यो के प्रति सवेदना प्रकट करता हू।

श्री गंगा राम हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य उनके निधन पर भी मै उनके परिवार के सदस्यो के प्रति सवेदना प्रकट करता हू।

श्री माधव राव सिधियां पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे। अध्यक्ष महोदय, माधव राव सिंधिया एक आउट स्टैडिंग पर्सनैलिटी थे। वे ग्वालियर के महाराजा थ। नौ बार लोकसभा के लिए चुने गए। जब उन्होने चुनाव लडने भाुरू किया उसके बाद वे कभी हारे नही और तीन बार केन्द्रीय मंत्री रहे। रेलवे मंत्री, सिविल ऐविए ान मंत्री रहे। उनका काम करने का अपना ही एक तरीका था। वे बहुत ही ईमानदार और स्टैडर्ड के व्यक्ति थे। वे हिन्दस्तांन के क्रिकेट कण्ट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष रहे। उन्होने बहुत दे ाो की यात्रा की। जो दे ा प्रस्ताव मे दिखाये गए है उनसे कही ज्यादा दे ाो

की उन्होने यात्रा की। श्री सिंधिया ने जाने से पूरे दे ा को बडा भारी नुकसान हुआ है। क्योकि एक बहुत ही स्टैडर्ड का नेता चला गया। भगवान उन्हे लम्बी जिंदगी देता तो एक दिन दे ा के प्रधानमंत्री बनते। उनके निधन से मुझे बहुत दुख हुआ क्योकि मेरे उनसे व्यक्तिगत ताल्तुकात थे। हमने साथ काम भी किया है उनके निधन से जो क्षति हुई है उसे काग्रेस पार्टी तो क्या कोई आदमी भी ऐसा नही जो उसकी पूर्ति कर सके। मै दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू। उनके साथ चाार पत्रकारो की असामयकि मुत्यु हो गई थी। उनके प्राईवेट सैक्रेटरी भी मारे गये। उनके परिवार के प्रति भी मै हार्दिक सवेंदना प्रकट करता हू। पत्रकारो और प्राईवेट सैक्रेटरी के नाम भी इस भाोक प्रस्ताव मे भाामिल कर लिए जाएं।

अध्यक्ष महोदय, श्री बी0के0 नेहरू भूतपूर्व राज्यपाल एवम राजनयिक थे। श्री बी0के0 नेहरू आई0सी0एस0 आफिसर थे वे एक योग्या व्यक्ति थे । वे बहुत लम्बे अर्से तक एडमिनिस्ट्रेंटर भी रहे और बहुत लम्बे अर्से तक कई मुल्को मे एम्बैस्डर भी रहे और बहुत लम्बे अर्से तक राज्यपाल भी रहे। हरियाणा का उनसे गहरा सम्बन्ध है क्योकि जब वे आई.सी.एस. मे आये तो उनकी सबसे पहली पोस्टिंग एस.डी.एम. सिरसा की हुई थी। हरियाणा के गवर्नर श्री बी0के0एन0 चक्रवर्ती भी एक आई.सी.एस. आफिसर थे। जब श्री बी0के0 नेहरू यहा आते थे तो श्री चक्रवती जी के पास ठहरते थे क्योकि दोनो आई0सी0एस0 आफिसर थे। जब श्री

चक्रवती जी हरियाणा के गवर्नर बने तो श्री बी0के0 नेहरू यहा पर आये और उन्होने कहा कि हम सिरसा मे वह कोठी देखना चाहते है जिसमे हम रहते थे। वह दोनो मिया बीबी सिरसा मे उस कोठी को देखने गये। श्री नेहरू ट्रब्यून ट्रस्ट के चेयरमैन भी रहे। मै उनके भाौक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक भाोक प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै एक सुझाव देना चाहता हू। इस भाोक प्रस्ताव मे श्री निहाल सिंह तक्षक जो दादरी हल्के के भागवी गांव मे रहने वाले थे और कास्टीच्यूट एसैम्बली के सदस्यो भी रहे और पेप्सू मे मंत्री भी रहे उनका नाम इस भाोक प्रस्ताव मे भाामिल कर लिया जाये।

श्री अध्यक्षः ठीक है भाामिल कर दिया जायेगा।

श्री बसी लालः धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा श्री एस0एन0 निजलिंग्प्पा जी जो तीन बार कर्नाटक राज्य मुख्यमंत्री रहे उनका नाम भी इस भाोक प्रस्ताव मे भाामिल कर लिया जाये।

श्री अध्यक्षः ठीक है भाामिल कर दिया जायेगा।

श्री बसी लालः धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय। श्री कर्म सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी परिवार के प्रति मै अपनी संवेदना प्रकट करता हू।

श्री चूहड, स्वतन्त्रता सेनानी परिवार के प्रति मे अपनी संवेदना प्रकट करता हू। सयुक्त राज्य अमेरिका मे जो 11 सितम्बर को आतंकवादी हमले हुआ वह अपने आप मे एक बहुत बडी दुर्घटना है। इसमे लगभग पांच हजार आदमी मारे गए। अध्यक्ष महोदय, जब हिन्दुस्तान सरकार अमेरिका से कहती थी कि पाकिस्तान का ामीर और पजांब मे आतंकवादी भेजता है तो वे कहते है कि पक्का सबूत नही मिला है । यह दुर्घटना तो हुई यह एक खराब बात है परन्तु पूरी दुनिया को यह पता लग गया कि आतकंवादी है लेकिन जो लोग इस दुर्घटना मे मारे गये उनके परिवार के लोगो के प्रति मै अपनी संवेदना प्रकट करता हू।

जम्मू क मीर मे आंतकवादियो के हमले मे जो लोग मारे गये है उनके परिवारो के लोगो के प्रति मै अपनी संवेदना प्रकट करता हू।

हरियाणा मे भाहीद जो मारे गये है उन महान भाहीदो के नाम इस प्रकार है:–

कमान्डैट सहदेव दहिया, रोहतक,मेजर अमित आहूजा, अम्बाला,लैफिटनैट कुलदीप सिंह, रोहतक,सहायक कमान्डैट विकास भारद्धाज, कैथल,सहायक,मेजर बी0के0 यादव, गांव बासूदधा, रिवाडी, सूबेदार मेजर जगमाल सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर, हवलदार अमरजीत सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर, हवलदार राज्यपाल सिंह, गांव बरवाला, पचकूला, हवलदार ई वर सिह, गांव

नगूरा, जीन्द, हवलदार बलवान सिंह, रोहतक, सिपाही सुनील कुमार, गांव खुबडू सोनीपत, पैराटरूपर दरबारा सिंह, गांव डेरादेव, करनाल, लांस नायक रामे वर, गांव कसौली, रिवाडी, सिपाही राजवीर सिंह, गांव ढाणी साकंरी, हिसार, सिपाही राजे ा, गांव रेनकंला, भिवानी, नायक बतून सिंह, रोहतक, सिपाही बनवारी लाल, गांव छिलरो, नारनौल, सिपाही खेम सिंह, गांव भौडसी, गुडगांव, सिपाही रामपाल, गांव उगाला, अम्बाला, लांस लायक कुंवरपाल, गांव दमदमा, गुडगांव, सिपाही राममेहर, गांव भुरावास, झज्जर, सिपाही जितेन्द्र, गांव पटौदा, झज्जर, सिपाही सिकन्दर सिह, गांव देवसर, भिवानी, लांस नायक नि ाान सिंह, गांव बाखली, कुरूक्षेत्र, सिपाही बदन सिंह, गांव मितरोल, फरीदाबाद, सिपही सुरे ा भार्मा, गांव फासंवाला, कैथल, सिपाही राजे ा कुमार, गांव गोरखपुर, फतेहबाद, सिपाही राजकुमार, गांव खरगांन, झज्जर, सिपाही सुखविन्द्र सिंह, गांव महिलांवाली, यमुनानगर, सिपाही राजे ा कुमार, गांव नूना माजरा, झज्जर, सिपही सुमन अली, गांव मकराना, भिवानी, सिपाही मनजीत, गांव बिगोवा, भिवानी, सिपाही दरबारा सिंह, गांव उपलाना, करनाल, सिपाही राजबीर सिंह, गांव धामलवास, रिवाडी, नायक बलबीर सिंह, गांव खरकडी, हिसार, सिपाही दीन मोहम्मद, गांव कुमरहेडा, फरीदाबाद, सिपाही गोपाल सिंह, गांव छायंसा, फरीदाबाद।

मै इस सबके परिवारो के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय

से प्रार्थना करना चाहूगा के भाहीदो के परिवार को दी जाने वाली ग्रांट कुछ कम कर दी गई है। अब उसको बढा दे तो अच्छा होगा। मुख्यमंत्री महोदय इन भाहीदो के परिवारो को मिलने वाली ग्रांट को जितना बढा सकते है उतनी बढा दे। अध्यश्र महोदय, मै संासद सुरेन्द्र सिंह की माता श्रीमति भरतो देवी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री रामकि ान फौजी के पित, श्री धर्मपाल के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू तथा मै यहा पर यह भी कहना चाहूगा कि जुगाड और टेक इंजन के साथ ट्राली लगाकर सवारियो ढोते थे उनको हाई कोर्ट ने अपने आदे ा के तहत बन्द कर दिया था जिसकी वजह से जुगाड और टोके थाने मे बन्द कर दिए थे लेकिन कुछ एक दिनो से ये फिर चलने लग गए है ये जुगाड और टोक राह चलते आदमियो को मार जाते है जैसे कि रामकि ान फौजी का भाई जख्मी हो गया और उसकी पिता की मृत्यु हो गई इसलिए अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूगा कि इस जुडाड और टोको को बन्दर कर दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, मै हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री रण्बीर सिंह के पित हरनन्द आर्य, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री दरियाव सिंह के सुपुत्र श्री अ ाोक कुमार, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बलवन्त सिंह मायना के भतीजे श्री मनजीत सिह तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री भागी राम के भतीजे श्री ओमप्रका ा के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू तथा दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता हू।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यागण, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव हाउस मे रखा है और दिवंगत आत्माओ के प्रति विभिन्न पार्टियो के नेताओ ने जो विचार प्रकट किए है मे भी अपने आपको उनकी भावनाओ के साथ जोडता हू। पिछले सै ान और इस सै ान के बीच मे इस संसार से हमारे बीच मे से बहुत सी महान विभूतिया चली गई है। सबसे पहले मै अपनी ही विधान सभा के सदस्य डा0 जय प्रका ा भार्मा के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। उनका निधन 31 अक्तूबर, 2001 को हुआ। वे हरियाणा विधान सभा की रूल्ज कमेटी के सदस्य थे एक अच्छे विधायक थे और अच्छे डाक्टर थे वे लोग मे लोकप्रिय थे तथा वे अपने अमूल्य सुझाव देते थे।

15.00 बजे।

उनके अपनी बात रचनात्मक ढंग से कहने की खूबी थी। राव दलीप सिंह, भूतपूर्व मंत्री के 13 जुलाई, 2001 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक है। वह एक अनुभवी विधायक और योग्य प्र ाासक थे। उनके निधन से हरियाणा ने एक अनुभवी नेता और योग्य प्र ाासक खो दिया है।उनके परिवार के प्रति भी सवेंदना प्रकट करता हू।

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री रेलू राम पूनिया, रहे, उनकी बडी निर्मन हत्या पूरे कुटुम्ब के साथ हुई।

श्री रेलू राम पूनिंया जी कई सामाजिक संस्थाओ मे कार्यरत थे और उनके निधन से हमने कए सामाजिक कार्यकर्ता खो दिया है।

सेठ लछमन दास बजाज,हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के निधन पर भी मुझे गहरा दुख है। वे 1987 मे मेरे साथ हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये थे। वे एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता थे उनके निधन से हरियाणा प्रदे ा ने एक योग्य समा सेवक खो दिया।

श्री चन्द्र भान सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व ,श्री गंगा राम हरियाणा विधान सभा के निधन पर भी मुझे गहरा दुख है।

श्री माधव राव सिधियां पूर्व केन्द्रीय मंत्री के असामयिक निधन पर मुझे गहरा भाोक है। वे एक अनुभवी लोकसभा सदस्य थे तथा कु ाल केन्द्रीय मंत्री भी रहे। उन्होने अपने जीवन मे 9 बार संसदीय चुनाव लडा और कभी हार का मुह नही देख। वे 1971 से लगातार अब तक लोक सभा सदस्य के रूप मे चुने गये। उन्होने कई दे ाो मे भारत के प्रतिनिधि मण्डलो का नेतृत्व किया। वे एक प्रख्यात सांसद और योग्य प्र ाासक रहे।

भूतपूर्व राज्यपाल एवम श्री राजनयिक श्री बी0के0 नेहरू के निधन पर मुझे बहुत गहरा भाोक है। वह एक कु ाल प्र ाासक थे। वे अमेरिका मे भारत के राजूदत और ब्रिटेन मे भारत के उच्चायुक्त जैसे उच्च पदो पर आसीन रहे। इसके अलावा वे असम,

नागालैड, मेघालय, मण्पिूर, ि़त्रपुरा, जम्मु और क मीर तथा गुजरात के राज्यपाल रहे। उनके निधन से दे ा ने एक कु ाल राजनयिक और योग्य प्र ाासक खो दिया है।

श्री कर्म सिंह तथा श्री चूहड सिंह स्वतंत्रता सेनानियो के निधन पर मुझे गहरा भाोक है। ये दोनो ही स्वतन्त्रता सेनानी नेता जी सुभाश चन्द्र बोस के साथ संबधित रहे और इन्होने अपनी पूर्ण योग्यता से दे ा की सेवा की, ऐसे स्वतन्त्रता सेनानियो के निधन से दे ा उनसे वचिंत हो गया है।

इसके अतिरिक्त 11 सितम्बर, 2001 को अमेरिका मे हुए आतंकवादी हमले मे मारे गये निर्दोश लोगो के लिए मुझे गहरा भाोक है। उनमे काफी सख्या मे भारतीय लोग भी थे। इस घटना ने आतकांवाद को एक चर्म सीमा पर ला दिया है और ऐसी घटना संसार मे आज तक नही हुई। मुझे उन लोगो के मारे जाने पर गहरा दुख है।

इसके अतिरिक्त 1 अक्तूबर, 2001 को जम्मू और क मीर विधान सभा पर हुए आंतकवादी हमले मे मारे गए निर्दोश लोगो के निधन पर भी मुझे गहरा भाोक है और हम सभी आतकंवाद हमले मे मारे गए निर्दोश लोगो के निधन पर गहरा भाोक है और हम सभी आतंकवाद की कडी निंन्दा करते है।

मै उन वीरो सैनिको के निधन पर उनको अश्रुपूर्ण नमन करता हू जिनका नाम मुख्यमंत्री जी ने लिया, जिन्होने अपनी

मातृभूमि की रक्षा, एकता और अखण्डता के लिए अदम्य साहस तथा वीरता का परिचय दिया।

इसके अलावा सांसद श्री सुरेन्द्र सिंह की माता, श्रीमति भरतो देवी जी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री रामकि ान फौजी के पिता, श्री धर्मपाल जी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री रण्वीर सिंह के पित, श्री हरनन्द आर्य जी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री दरियाव सिंह के सुपुत्र, श्री अ ाोक कुमार जी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बलवन्त सिह मायना के भतीजे श्री मनजीत सिह जी तथा हरियणा विधान सभा के सदस्य श्री भागी राम के भतीजे श्री ओप्रका ा जी के दुखद निधन पर मुझे गहरा भााक प्रकट है। इसके अतिरिक्त विधायक श्री जगजीत सिह सांगवान के चचेरे भाई श्री संदीप कुमार जी और विधायक श्री रामफल कुण्डु के समधी श्री हरस्वरूप जी के अकस्मात निधन पर भी मुझे गहरा भााक है। इनके अतिरिक्त माननीय विधायक श्री धर्मबीर द्वारा राईफल मैन विक्रम सिंह, गांव हलवास, भिवानी, राईफल मैन राम चन्द्र, गांव मडोरी खुर्द, भिवानी और लांस नायक सिकन्द्र सिंह, गांव देवसर, भिवानी दिए गये भाहीदो के नाम भी इस सूची मे भाामिल किए जाते है और सारे सदन की सवेदना मै सभी भााक संतप्त परिवारो को भिजवा दूगा। मेरा सभी से अनुरोध है कि सभी दिंवगतो आत्माओ की भाांति के लिए खडे होकर दो मिनट का मौन रखे।

(इस समय सदन ने सभी दिवगतो आत्माओ के सम्मान मे खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

ताराकित प्र ान एवम उतर

श्री अध्यक्ष: आनरेबल, मैम्बर्ज, अब सवाल होगे। कैप्टन अजय सिंह।

Construction of Bye-Pass in Rewari

705. Capt. Ajay Sing Yadav: Will the Chief Minister be pleased to stat whether there is any proposal under considration of the Government to construct a bye pass in Rewari City, if so, the time by which it is likely to be completed?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): नही, श्री मान जी।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे विनती है कि क्वै चन आवर भारू करने से पहले आप मेरी बात सुने। आप मेहरबानी करके आज का हाउस कल तक के लिए एडजर्न करे क्योकि इसी महान सदन के सिटिंग सदस्य श्री जय प्रका ा भार्मा का निधन हुआ है। जब चौधरी देवी लाल जी के निधन पर गहरा भाोक प्रस्ताव सदन मे प्रस्तुत हुआ था तो उनके भाोक प्रस्ताव पर हुई चर्चा के बाद एडजर्न हुआ था इसलिए मेरी आपसे वितनी है कि एक सिटिग सदस्य का निधन हुआ है तो आज हाउस एडजर्न किया जाना चाहिएं। आप आज का एजेडा कल के लिए मुलतवी कर दे।

श्री अध्यक्षः कैप्टन अजय सिंह, आप अपनी सप्लीमैंटरी पूछे।(ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, जे0पी0 भार्मा इस हाउस के सिटिंग सदस्य थे और उनके निधन हो गया है तो आज हाउस एडजर्न होना चाहिएं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, मैने आपको सप्लीमैटरी पूछने के लिए कहा है इसलिए आप अपनी सप्लीमैटरी पूछे। (ाोर) Otherwise, I call next member to ask his question.

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, इस महान सदन के एक सम्मानित सिटिंग सदस्य का निधन हुआ है इसलिए आज भााोक प्रस्ताव के बाद हाउस एडजर्न होना चाहिए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, यदि आप सप्लीमैटरी नही पूछना चाहते तो आप बैठ जाए। उनकी अन्तिम यात्रा मे हम सब भाामिल हुए थे। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै खडा हू आप मेरी बात सुने। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप क्वै चन आवर के बाद अपनी बात कह लेना। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आज क्वै चन आवर नही हो सकता और वैसे भी आज नान ओफि ियल–डे है, इसलिए आज सरकारी कार्य नही हो सकता।

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठ जांए।

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, क्वै चन आवर तो नाम औफि ियल डे को भी होता है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, नान औफि ियल डे को हाउस बुलाया ही नही जाता। कम से कम मैने अपने वक्त मे कभी भी नान औफि ियल डे को सै ान नही बुलाया। (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, इस महान सदन के सिंटिग सदस्य श्री जय प्रका ा भार्मा का निधन हो गया है। उनकी अन्तिम यात्रा मे आप भी भाामिल हुए और हम भी भाामिल हुए। क्या सिटिंग सदस्य का निधन होने पर हाउस एडजर्न नही हो सकता। यदि आप हाउस एडजर्न कर दे तो इसमे कोई हर्ज वाली बात भी नही है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडडाः स्पीकर साहब, यदि आज हाउस एडजर्न कर दिया जाए तो यह सभी के लिए बहुत अच्छी बात है और यह हाउस की गरिमा की बात है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, हाउस के एक सम्मानित सिटिंग सदस्य का निधन हुआ है इसलिए आज भाोक प्रस्ताव के बाद हाउस एडर्जन करना चाहिए। (ाोक)

डा0 रघुबीर सिंह कादंयानः अध्यक्ष महोदय, हमारा निवेदन है कि इस हाउस के सिटिगं सदस्य श्री जय प्रका ा भार्मा जी का निधन हुआ है इसलिए आप आज की कार्यवाही एडजर्न कर दे।

श्री अध्यक्षः आपने जो भी बाते करनी है वे क्वै चन आवर के बाद करे, अब आप बैठ जाए, अब आप बैठ जाए। (ाोर एवम विघ्न) कैप्टन साहब, आप सवाल पूछनें के लिए तैयारी करके नही आयो या सवाल पूछना ही नही चाहते। (ाोर एवम विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, श्री जय प्रका ा जी हाउस के सिटिंग एम0एल0ए0 थे इसलिए उनके निधन पर आज की कार्यवाही स्थगित कर दी जाये और आज का बिजनैस कल के लिए रख ले। (ाोर एवम विघ्न)

(इस समय इडियन नै ानल कांग्रेस पार्टी के बहुत से सदस्य खडे होकर बोलने लग गए।)

श्री अध्यक्षः अब आप सभी बैठे। पहले क्वै चन आवर समाप्त होने दे, उसके बाद आप अपनी बात कह ले। (ाोर एवम विघ्न) कैप्टन साहब, आप सप्लीमैटरी नही पूछना चाहते तो मै अगला सवाल टेक अप करता हू। (ाोर एवम विघ्न) कैप्टन

साहब, आप सप्लीमैटंरी पूछ नही रहे इसलिए मै अगले सवाल को टेकअप करता हू।

प्रो0 सम्पत सिंह (वित्त मंत्री): स्पीकर साहब, यह बडी ही अ ाोभनीय बात है कि वे हाउस की कार्यवाही को चलने नही दे रहे। मुख्यमंत्री जी श्री जयप्रका ा भार्मा जी के निधन पर खुद वहां पर गए और आप भी गए थे। बहूत ही सम्मानित तरीके से श्री जयप्रका ा भार्मा जी का अन्तिम संस्कार हुआ है। उनकी मृत्यु का सभी को दुख है। हम लोगो को भी इन लोगो को भी इन लोगो से फालतू दुख है। वे एक बहुत ही काबिले और अच्छे इन्सान थे। इसलिए मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि आप इनको कहे कि वे हाउस की कार्यवाही को सही ढंग से चलने दे। (ाोर एवम विघ्न)

(इस समय माननीय सदस्य कैप्टन अजय सिंह यादव वैल मे आ गए।)

कैप्टन अजय सिंह यादव: स्पीकर साहब, यह हाउस की परम्परा रही है जब किसी सिंटिग एम0एल0ए0 की डैथ हो जाए तो हाउस को स्थगित किया जाता है।.....

श्री अध्यक्ष: कैप्टन साहब, आपने जो भी बात करनी है वह अपनी सीट पर जा कर कहे। (ाोर एवम विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव: स्पीकर साहब, पहले आप हमारी बात तो सुने.....

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप अपनी सीट पर से नही बोल रहे और दूसरे सदस्य भी बगैर परमि ान के बोल रहे है इसलिए ये जो भी कह रहे है इसलिए ये जो भी रहे है वह कुछ भी रिकार्ड न किया जाये।

(इस समय काग्रेस पार्टी के सभी सदस्य वैल के अन्दर आ कर धरने पर बैठ गए।)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इन सभी सम्मानित सदस्यो को इस सदन की गरिमा बरकरार रखनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आप अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे है। सदन को चलाने की जिम्मेवारी आपकी बनती है यदि किसी मैम्बर ने कोई बात कहनी है तो वह आपसे अनुरोध करके और आप द्वारा परमि ान दिए जाने के बाद ही कह सकता है। संबधित मैम्बर के अनुरोध करने पर यह आपने देखना है कि उनकी बात आप माने या टाले। लेकिन ये कांग्रेस के भाई कोइ दबाव डाल कर काम करवाने की परम्परा डाल रहे है, यह ठीक नही है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सभी सम्मानित सदस्य जिस ढंग से आचरण कर रहे है क्या यह सदन की गरिमा के अनुरूप है। चौधरी भजन लाल जी आप अपनी सीट पर बैठे। (ाोर एवम विघ्न)

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, ज्यादा नही तो कम से कम एक घण्टे के लिए हाउस को ऐडजर्न कर दे। (ाोर एवम विघ्न)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः डा0 साहब, कभी आप तो बुद्धि से काम ले लिया करे। अध्यक्ष महोदय, ये एक साथ दो खडे हो गए। आप चौधरी भजन लाल जी को बैठाए तो मै अपनी बात कहू। (ाोर एवम विघ्न)

चौधरी भजन लालः लो मै बैठ जाता हू। (ाोर एवम विघ्न)

(इस समय विपक्ष के नेता भी वैल मे धरने पर बैठ गए।)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यो को कम से कम मेरा इस बात के लिए म ाकूर तो होना चाहिए कि चौधरी भजन लाल धरने पर बैठना नही चाहते थे लेकिन मैने इनको धरने पर बैठा दिया। (हंसी)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप सप्लीमैटरी नही पूछते तो मै अगले सवाल को टेकअप करता हू। नैक्सट क्वै चन श्री जय प्रका ा।

Supply of Electircity

737. Shri Jai Parkash: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any deficiency between the demand and supply of electricity in the State as at persent; if so, if details there of; togetherwith the steps taken or proposed to be taken to remove such deficiency; and

(b) whether any assessment has been made by the State Government regarding the requirement of electircity by the year 2005; if so, the details thereof?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): एक विवरण के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

(क एवम ख) वर्तमान समय मे बिजली की उपलब्धता तथा मांग मे कोई वि ोश अंतर नही है परन्तु जब कभी सिस्टम मे आऊटेजिज हो तो बिजली इकाईयो को कमी कभी अतिरिक्त बिजली खरीदनी पडती है।

केन्द्रीय विधुत प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा आयोजित भारत के 16वे विधुतीय बिजली सर्वेक्षण के अनुसार हरियाणा मे वर्श 2001–2002 से 2004–05 के दौरान बिजली की वार्शिक मांग निम्न प्रकार से अनुमानित की गई है।

वर्श	अनुमानित बिजली की आव यकता/यूनिट	अनुमानित ि ाखर

	करोडो मे।	मांग/मैगांवाट मे।
2001–02	1746	3322
2002–03	1890	3596
2003–04	2044	3888
2004–05	2209	4203

बिजली की उपलब्धता मे सुधार के लिए राज्य मे निम्नलिखित मुख्य नई बिजली परियोजना के क्रियान्यवान पर जोर दिया जा रहा है:–

1. ताऊ देवी लाल थर्मल स्टे ान पानीपत के 210 मैगावाट की छठी यूनिट को दिनांक 20.9.2001 से वाणिज्यिक रूप से चालू कर दिया गया है।

2. पावर ट्रैडिग कारपोरे ान/पी0टी0सी0 से मौसमी बिजली की अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए बिजली खरीदी गई।

3. पि चमी यमुना नहर पन बिजली परियोजनार का दूसरा चरण 14.4 मैगांवाट मार्च, 2003 तक पूर्ण किया जाना है।

4. ताऊ देवी लाल थर्मल स्टे ान पर प्रत्येक 250 मैगावाट की दो यूनिटे जोडकर विस्तार करने तथा 2004–05 तक

चालू करने के लिए 30 प्रति ात इक्विटी के साथ प्र ाासनिक स्वीकृति दे दी गई है।

5. हरियाणा विधुत प्रसारण निग्म ने मैसर्ज आई0पी0सी0एल0 के साथ इस परियोजना से उत्पादित 360 मैगावाट सारी बिजली क्रय करने के लिए एक मैमोरेण्डम आफ अन्डरस्टेडिंग पर दिनांक 24.10.01 को हस्ताक्षर किए है यह परियोजना 2005–06 तक पूर्ण होनी सम्भावित है।

6. यमुनानगर थर्मल परियोजना चरण 1 एवम 2/1000 मैगावाट को 10वी पंचवर्शीय योजना के दौरान भाुरू किया जाना सम्भावित है।

7. 500 मैगावाट हिरमा थर्मल परियोजना उडीसा से वर्श 2006–07 तक बिजली का क्रय किए जाने की सम्भावना है।

8. 704 मैगावाअ बिजली एन0टी0पी0सी0 परियोजना अर्थात रिहन्द चरण 2 नार्थ करणपुरा बारह कहल गांव तथा कोले डैम परियोजना से 10वी एवम 11वी पंचवर्शीय योजना के दौरान पूरी की जानी सम्भावित है।

9. एल0एच0पी0सी0 परियोजना अर्थात दुलहटी हाईडल पावर परियोजना टिहरी स्टेज–1, धोली गंगा जलीय विधुत परियोजना तथा नाथपा झाकडी परियोजना से 100 मैगावाट बिजली 10वी तथा 11वी योजना अवधिर के दौरान पूर्ण की जानी समभावित है।

10. हिसार थर्मल परियोजना/500 मैगावाट/ को 11वी योजना अवधि के भाुरू मे प्रारम्भ किया जाना है।

उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य राज्यो मे निजी बिजली उत्पादन करने वालो द्वारा विभिन्न पन बिजली परियोजना से बिजली खरीदने के लिए भी प्रयास किए जा रहे है जिससे 10वी योजना अवधि के दौरान भी फायदा होगा। एन0टी0पी0सी0 के फरीदाबाद के गैस पर आधारित बिजली घर का दूसरा चरण/432 मैगावाट को 10वी योजना मे भाामिल कराने के लिए प्रयास किए जा रहे है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कृपा करके आप सभी आनरेबल मैम्बर्ज अपनी अपनी सीटो पर बैठ जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह पूरा सदन आपकी इस बात के लिए सराहना करता है कि आप इस सदन की कार्यवाही को बहुत ही सही तरीके से तथा डेमोक्रेटिक ढंग से चला रहा है। आपने सदन की हर बात को माना है। आज ही बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी की मीटिंग थी। हर चीज के लिए टाईम तय होता है और कार्यक्रम बनता है। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः हमने इसको नही माना था। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः क्या आपने उसमे वाकआउट किया था?

चौधरी भजन लालः मैने उस वक्त भी इस बात को उठाया था।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः चौधरी भजन लाल जी, आप यह बताईये कि क्या आपने कोई डाईसैटिंग नोट इस बारे मे दिया? है। (विघ्न) आपने इस बारे मे कुछ भी लिख कर नही दिया इसमे आपको डाईसैटिंग नोट देना चाहिए था। क्या आपने इस बारे मे कुछ लिख कर दिया था?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी कह रहे है वह ठीक नही है। बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी के बारे मे आपको सामने ही सारी बात हुई थी और मैने उस वक्त भी यह कहा था कि हाउस ऐडजर्न कर दे।

श्री अध्यक्षः 23 मई, 1996 को कर्नल रामप्रका ा दहिया की डैथ हो गई थी उस वक्त भी हाउस चल रहा था लेकिन हाउस ऐडजर्न नही किया गया था।

आवाजेः वे उस समय एम0एल0ए0 नही थे क्योकि उन्होने ओथ नही ली थी।

श्री अध्यक्षः यह तो इन्टरप्रैटै ान नही हुई। जब जनता ने उनको एम0एल0ए0 चुन दिया था तो वे एम0एल0ए0 बन गए। (विघ्न एवम ाोर) इसमे कौन सी बात है कि उन्होने ओथ नही लो। (विघ्न एवम ाोर) आप सभी लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठे। चौधरी भजन लाल जी, हाउस का टाईम बहुत कीमती है

प्रदे ज्ञ का पैसा खर्च होता है। सरकार को और भी बहुत से काम करने है इसलिए आप हाउस का समय व्यर्थ मे बर्बाद न करे। (विघ्न एवम ाोर)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै इनसे यह कहना चाहूंगा कि वि ोश रूप से हमारे जो पक्ष के लोग है वे इनमे ज्यादा स्वर्गीय जय प्रका ा जी का सम्मान करते है। स्वर्गीय जय प्रका ा जी के सम्मान मे हमने हरियाणा दिवस जैसे अहम कार्यक्रम को भी स्थगित कर दिया था। इनकी भाान बहुत ही बढ जाती अगर ये दो नम्बर को अपने बन्द का कार्यक्रम स्थगित कर देते। (विघ्न एवम ाोर) यदि वे अपसे उस बन्द के कार्यक्रम को स्थगित कर देते तो इनकी यह फजीहत तो न होती। (विघ्न एवम ाोर) (ोम भोम की आवाजे)

श्री अध्यक्षः आप सभी लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठे। (ाोर), चौधरी भजन लाल जी, आप सभी लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठे। आप सभी खुद तो बन्द मे लगे हुए थे और आज हाउस की कार्यवाही को स्थगित करने की बात कर रहे है। आपने तो आपने बन्द के कार्यक्रम को भी रद्द नही किया था। (विघ्न एवम ाोर) आपकी पार्टी के साथी और दूसरे लोग बन्द मे लगे हुए थे।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै इनको यह बताना चाहूंगा कि उनके पर्थिव भारीद पर पुश्प अर्पित करने के

बाद मैने कोई भी कार्यक्रम नही किया जबकि ये बन्द मे लगे रहे है। (विघ्न) जब तक जीवित है संसार के सारे काम चलते ही रहते है (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आपने अपने कार्यक्रम को रद्द किया होता और उसके बाद आप हाउस ऐडजर्न करने की बात करते तो ठीक बात होती। (ाोर एवम व्यवधान) (इस समय वैल मे बैठे सभी सदस्य वैल मे से उठ कर अपनी अपनी सीटो पर बैठे गए)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आज हाउस ऐडजर्न करने मे क्या दिक्कत है? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः इस प्रकार की बात करके आप उनके सम्मान की बात नही कर रहे है (विघ्न एव भाोर)

श्री अध्यक्षः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सभी सम्मानित सदस्यो और विपक्ष के नेता भी यह है, को बतान चाहूगा कि भाोक का जहा स्थान होता है उसको वही मनाया जाता है। (ाोर एवम व्यवधान) यह तो भगवान की माया है कि किस वक्त किस आदमी को अपने पास बुला जे। अध्यक्ष महोदय, इनका तो यह हाल है कि अपनी गाडी से किसी गांव के पास से जा रहे थे ओर वहा पर 20–20 बुजुर्ग आदमी ता ा खेल रहे थे और इन्होने वहा पर अपनी कार रोक ली और उनमे से किसी एक को पूछने लगे कि ताऊ पता चला कि थम बीमार थे तो उनमे से वह बुजुर्ग

कहता है कि भले आदमी तने दिख नही रहा है हम ता ा खेल रहे है। (ाोर एवम व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मै एक बात और बताना चाहता हू कि एक जगह दो बीरबानी लड रही थी। (ाोर एवम व्यवधान) आप मेरी बात तो सुने। (ाोर एवम व्यवधान) जब दोनो बीरबानी आपस मे लड रही थी तो उनमे से एक से दूसरी को कहा कि तेर खसम मरे, तेरा भाई मरे, तेरी औलाद मरे। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से यह बताना चाहूगा कि जो दूसरी बीरबानी थी उसने पहली वाली को कोई गाली नही दी। उसने पहली वाली को कहा कि तेरे घर कांग्रेसी आवे। उसने कोई मगजमारी नही रही। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे एक मिसाल है कि कांग्रेस जंहा जाती है वहां मौत तो होती है। (हंसी) (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी, आप सप्लीमैटरी पूछे।

चौधरी जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से जानना चाहता हू कि आज हरियाणा मे बिजली की कितनी डिमाण्ड है और कितनी बिजली सप्लाई की जा रही है। इस बारे मे कैटेगरीकली बताने का कश्ट करे। (ाोर एवम व्यवधान)

एक आवाजः अध्यक्ष महोदय, आपके खिलाफ नोटिस है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप जो भी नोटिस लाना चाहते है वह लाए। (ाोर एवम व्यवधान) आप यह जो कर रहे है इस सबके बावजूद हम आपको सदन से बाहर निकालेगे नही। हम आपकी सारी बात सुनेगे। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपको यहा बैठने का कोई राईट नही है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, क्या आपको बिना इजाजत खडे होने का अधिकार है। (ाोर एवम व्यवधान) आप अपनी सीट पर बैठ जाए।(ाोर एवम व्यवधान)

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से श्री जय प्रका ा जी को बताना चाहूगा। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सब अपनी सीटो पर बैठे जांए। मंत्री जी जवाब दे रहे है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री रामपाल माजंराः अध्यक्ष महोदय, जय प्रका ा जी ने बिजली के बारे मे कैटेगरीकली बताने को कहा है। (ाोर एवम व्यवधान)

स्पीकर सर, चौधरी देवी लाल जी का नारा था कि लोकराज लोकलाज से चलता है। इसी के अनुसार हमारी सरकार प्रदे ा के लोगो को बिजली दे रही है। (विघ्न) स्पीकर साहब,

इनके पेट मे मरोड इसलिए ही हो रही है क्योकि बिजली की सप्लाई प्रदे ा मे निरन्तर हो रही है। जितनी खाधपात्र की पैदावार हरियाणा प्रदे ा मे इस बारे मे हुई है वह इस बात कर सबूत है कि हरियाणा प्रदे ा मे किसानो को भरपूर बिजली मिली है। ये लोग इसलिए वैल मे आकर बैठ गए कि कही इस सवाल का जवाब न आ जाए। लेकिन इनको ध्यान रखना चाहिए कि अभी तो चौधरी भजन लाल जी ने इनको वैल मे ही ठोका है आगे तो वे इनको मोरी मे भी ठोक देगे। (विघ्न) स्पीकर साहब, मै माननीय साथी जय प्रका ा जी को बताना चाहूगा कि हरियाणा प्रदे ा मे इस बारे मे जो कदम उठाए गए है जो स्टैप्स लिए गए है वह बहुत ही क्रांतिकारी है। ये कदम विकास की गति को बनाएगे। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से ताऊ देवी लाल थर्मल पावर स्टे ान पानीपत की 210 मैगावाट की छठी यूनिट का काम 20.9.2001 को भाुरू कर दिया गा है। इस तरह से बिजली की अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए पावर एन0टी0पी0सी0 से परचेज की जाती है इसी तरह से डब्ल्यू0वाई0सी0 हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्रौजेक्ट 14.4 मैगावाट को 2003 मे पूरा कर दिया। इसी प्रकार से हरियाणा प्रदे ा मे पानीपत थर्मल प्लांट की सातवी और आठवी यूनिट की ऐडमिनिस्ट्रेटिव एप्रुवल दे दी गयी है। तीस प्रति ात की जो भोयर इक्विटी स्टेट ने देनी थी उसके बारे मे भी एक एम0ओ0यू0 साईन हो गया है और पी0एफ0सी0 ने इसकी फाईनैसिंग के लिए हां कर दी है। इसी तरह से पानीपत मे मैसर्ज आई0पी0सी0एल0 के साथ सारी

पावर परचेज करने के लिए भी एक एम0ओ0यू0 साईन यिका है। उनसे 360 मैगावाट बिजली पैदा करेगा। इस प्रकार से हिरमा थर्मल पावार प्रौजैक्ट उडीसा मे लगेगा जो 2006 और 2007 मे कम्पलीट होगा। इस तरह से एन0टी0सी0 का 704 मैगावाट का प्रौजेक्ट रेनीसान्स स्टेज मे सैर्किड स्टेज मे नार्थ करणपुर मे लगेगा। इसी प्रकार से गहलोग कौल डैम प्रोजेक्ट असपैक्टिड है इस ीतरह से एच0पी0एस0ई0 का दादु ाही हाडइल इलैक्ट्रिक प्रौजेक्ट जम्मु क ामीर मे है। हिमाचल के हाडइल इलैक्ट्रिक प्रौजेक्ट को दसवे और ग्यारवे प्लान मे पूरा किया जाएगा। इस तरह से हरियाणा प्रदे ा की सरकार पूरे प्रदे ा के किसानो को, मजदूरो को ओर कंज्यूमर्ज को पूरी बिजली देने के प्रयासरत है और दे रही है। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, आप हमे बताए कि डा0 जे0पी0 भार्मा की मृत्यु के कारण आज की सीटिंग एडजर्न कर रहे है या नही

Mr. Speaker: It is the practice now, that the Haryana is adjourned only when it is necessary to enable members to take in the funeral prpcession of a sitting member irrespective of the fact whether the deceased held the office of a minister or not:-

"On the opening day of session it is customary to make obiotuary references to the passing away of sitting members etc, if death have been take place in the preceding inter session held, but the House is not adjourned."

वाक आउट

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, क्या आप क्वै चन पूछना चाहते है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हम इस कार्यवाही को ही नही मानते है।

श्री अध्यक्षः अगर आप क्वै चन नही पूछते तो फिर गुप्ता जी अपनी सप्लीमैट्री पूछेगे। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर आप ऐसा ही करना चाहते है और हमारी बात को नही सुनना चाहते तो हम इसके विरोध मे सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय कांग्रेस पार्टी के सदन मे उपस्थित सभी माननीय सदस्य से वाक आउट कर गए।)

ताराकित प्र ान एवम उतर (पुनरारम्भ)

श्री जय प्रका ा गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपनी रिप्लाई मे बताया है कि इन्होने प्रदे ा मे बिजली की आपूर्ति के लिए अनेक कदम उठाए है। मै इसके लिए इनकी सहारना करता हू। मै आपके द्वारा इनसे जानना चाहूगा कि वर्श 2005 तक प्रदे ा मे कितने मैगावाट बिजली बनने लगेगी?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की एक सर्वे किया गया है जो यह बताता है कि वर्श 2004–05 मे बिजली की जो डिमांड होगा वह कितनी होगी। इस दौरान जो बिजली की रिक्वायरमैट होगी वह 2209 करोड यूनिट होगी और पीक सीजन मे 4203 करोड यूनिट होगी। जैसा कि मैने अपनी रिप्लाई मे बताया है कि इस डिमांड को मीट आउट करने के लिए हमने कई प्रौजैक्टस टेकअप किए है। इनकी सहायता से हम इस डिमांड को मीट आउट कर सकेगे। इस बारे मे मुख्यमंत्री जी ने अपनी हर सभा को कहा है कि तीन वर्श के बाद तो हरियाणा प्रदे ा मे बिजली का इतना बफर मे उत्पादन होगा कि हरियाणा दूसरे पडौसी राज्यो को बिजली दे सकेगा।

श्री कृश्ण लाल: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से सी0पी0एस0 महोदस से पूछना चाहूगा कि पानीपत थर्मल पावर प्लांट का 110 मैगावाट का सैकेड यूनिट जनवरी 1999 से बंद है उसका लोड फैक्टर 110 मैगावाट से बढाकर 118 मैगावाट करने का ठेका जर्मनी की ए0बी0बी0 कम्पनी को दिया गया था और यह ठेका 350 करोड रूपये मे दिया गया था। आज वह बंद है एक मैगावाट का प्लांट लगाने के लिए चार से साढे चार करोड रूपये खर्च आता है और सिर्फ 8 मैगावाट लोड फैक्टर बढाने के लिए ठेका 350 करोड रूपये मे दिया गया था, उसके बावजूद वह यूनिट पिछले दो साल से बंद है, वह यूनिट प्रतिदिन 25 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन करती थी और वह आज के दिन बंद है। क्या

सी0पी0एस0 महोदय बताने की कृपा करेगे कि क्या किसी कंपनी को इसके लिए टाईअप किया है, यदि हा तो उसका ब्यौरा दे? इसके साथ ही साथ यह भी बताए कि क्या पानीपत थर्मल प्लांट की 7वी और 8वी यूनिट 250–250 की टोटल इस पांच सौ मेगावाट के नये प्लांट के लगने से क्या उस थर्मल पांवर प्लांट की कोई नयी एचीवमैट होगी, इसका भी ब्यौर दे?

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी ने जो प्र ान किया है कि एक यूनिट बद है वह बिल्कुल ठीक है क्योकि 118 मैगावाट के प्लांट का पहले जर्मनी की ए0बी0बी0 कम्पानी को कंट्रैक्ट दिया गया था। इसी प्रकार से इसकी आपरे ान कैपेसिटी को बढाने की योजना भी थी और उसकी टमर्ज एंड कडी ान्ज भी थी कि इसकी कैपेसिटी आगे 30 से बढाकर 70 प्रति ात कर दी जायेगी। 300 करोड रूपये का यह टैडर था, उस पर काम रूक गया आपस मे सिक्योरिटी पैकेज पर कंपनी कंट्रैक्ट के साथ सरकार का कंट्रैक्ट टूट गया। जो एम0ओ0यू0 था, कंट्रैक्ट था उसका प्रोफार्मा डिसप्यूटिड था। यह ठेका चौधरी बसी लाल जी के रिजाइम मे दिया गया था, उसी को ठीक करके 21.5.1999 को वापस करना था लेकिन यह हो नही पाया, हमारी सरकार आने के बाद 17.4.2000 को नये सिरे से कार्य भाुरू हुआ, यह सोचा गया कि भारत सरकार से बात करके उनको बीच मे लेकर यह कार्य भाुरू किया जाए। चीफ सैक्रेटरी ने भी इस पर कोई ध्यान नही दिया और बाद मे चीफ सैक्रेटरी के

लैवल पर इस बारे मे 16.3.2000 को मीटिग हुई उस मीटिंग मे यह केस आर्बिट्रे ान मे चला गया, आर्बिट्रे ान मे जाने के बाद इसमे एक कडी ान यह थी कि न तो जर्मनी का और न ही हमारे स्टेट का इसमे कोई आदमी होगा। इस बात को लेकर नयी कमेटी मुकर्रर हुई और उसकी एक मीटिंग हरियाणा की तरफ से और एक मीटिंग सिंगापुर की तरफ से भी हो चुकी है। इस कमेटी मे हमारी तरफ से रिटायर्ड जज श्री एम0सी0 जैन लगे है इस के लिए हमारी सरकार प्रयासरत है। इसी प्रकार से इन्होने यह पूछा कि ताऊ देवी लाल थर्मल पावर स्टे ान की 250–250 मैगावाट की 7वी 8वीं यूनिट कब काम करना भुरू कर देगी। मै बताना चाहता हू कि अभी तक हरियाणा का नाम इंडिया मे सुपर थर्मल पांवर प्लाट मे नही है जब से दोनो यूनिट आ जाएगी, ढाई तीन वर्शो मे वह यूनिट आ जाएगी तक यह हरियाणा प्रदे ा का पहला सुपर थर्मल प्लांट बन जाएगा। इसका काम ढाई तीन वर्शो मे पूरा कर लिया जाएगा।

Extension of Lal Dora

708. Shri Jagjit Singh: Will the Chief Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to extend the Lal Doras of the Village in the State; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialised?

नगर एवम ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल):

(क) जी, नही।

(ख) उपर्यूक्त (क) के दृश्टिगत समय सीमा का प्र ान ही उत्पन्न नही होता।

श्री जगजीत सिह सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मै आपमे माध्यम से माननीय मंत्री महोदय को कुछ सुझाव देना चाहता हू। आबादी लगातार बढ रही है। यह बहुत ही लोक महत्व प्र ान है इसके उपर कम से कम आधा घण्टा चर्चा करे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आप प्र ान पूछे।

श्री जगजीत सिंह सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मै प्र ान ही पूछ रहा हू। मै निवेदन करना चाहता हू कि इससे जनता बहुत दुखी है इस पर आप गौर फरमाए। जो भी कमेटी बना सकते है वह बनाए या इस पर चर्चा वगैरहा करे।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा यहां पर उल्लेख करना उचित समझूगा कि लाल डोरा बढाने के बारे मे तत्कालीन राजस्व मंत्री की अध्यक्षता मे दिनांक 22.5.1997 को एक बैठक हुई थी जिसमे आम राय यह हुई थी कि राज्य मे चकंबदी का काम लगभग 98 प्रति ात पूरा हो गया है और लाल डोरा बढाने की आव यकता नही है। स्पीकर साहब, 1908 से बन्दोबस्त का कार्य भाुरू हुआ उससे यह तय हुआ था कि गांव को एक

इकाई माना गया थ। बन्बोस्त का कार्य 1908 मे भुरू हुआ और 1918–19 मे पूरा हु आ। उसके बाद हरियाणा प्रदे ा मे चकंबदी का कार्य भुरू किया गया और लाल डोरा का स्थान फिरनी ने लिया। माल महकमे मे यह कहा कि गांव वासी गांव के लाल डोर के बाहर फिरनी मे भी अगर अपनी भूमि का निर्माण करना चाहता है तो वह कर सकता है।जो माननीय साथी ने सवाल किया है उसमे किसी वि ोश गांव का जिकर नही किया गया है अगर किसी वि ोश गांव की दिक्कत है तो वे उस पर प्रका ा डाले। जैसा कि मैने पहले बताया कि हरियाणा प्रदे ा मे चकबन्दी का 98 प्रति ात कार्य पूरा हो चुका है और दो प्रति ात बकाया है। जंहा तक लाल डोरा बढाने की बात है मै पहले ही कर चुका हू कि अब लाल डोरा का स्थान फिरनी ने ले लिया है।

Allotment of Industrial Plots

738. Shri Krishal Lal: Will the Chief Minister be pleased to state whether any industrial plots have been alloted for setting up of Industrial Units in the State by the HSIDC during the period form 1st July, 1996 to 23rd June, 1996 and 24th June, 1999 to 31st March, 2001 separately, if so, the details thereof ?

मुख्यमंत्री श्री ओमप्रका ा चौटालाः हां श्रीमान जी, हरियाणा राज्य औधोगिक विकास निगम द्वारा 407 औधोगिक प्लाट 1 जुलाई, 1996 से 23 जून, 1999 तथा 2830 प्लाट 24 जून, 1999 से 31 मार्च, 2001 की समय अवधि मे आवाटित किए गए है।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से पूछना चाहता हू कि इंडस्ट्रियल प्लांट्स अलाट करने का क्या क्राईटेरिया है, दूसरा एक जुलाई, 1996 से 23 जून, 1999 तक 407 प्लाटस अलाट किए गये थे और 24 जनवरी 31 मार्च, 2001 तक 2830 प्लाट्स अलाट किये गये है इतना अन्तर कैस आया उसका ब्यौरा दे? इन प्लाट्स को अलाट करते समय क्या पोल्यु ान की रोकथाम के बारे मे वि ोश ध्यान रखा गया है?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): स्पीकर साहब, जो इस लिस्ट मे द ार्शिया गया है वे केवल इंडस्ट्रियल प्लांट्स द ार्शिये गये है। बल्कि हुड्डा की तरफ से 977 औधोगिक प्लाट्स अलाट किये गये है जो पूरे 4207 प्लाट्स बैठते है जो कि 9–10 गुणा पहले से ज्यादा है। जंहा तक माननीय सदस्य ने प्लाट्स अलाट करने के बारे मे क्राईटेरिया के बारे मे सवाल किया है और यह कहा है कि किस प्रकार से प्लाट्स अलाट किये जाते है तो मै उनको बताना चाहता हू कि पहले कि सरकार के समय जब प्लाट्स अलाट किये जाते थे तो उस समय प्लाट्स को नीलाम करने का प्रोवीजन था जिसमे नीलाम करने से ज्यादा पैसा जाया होता थ ओर लोग प्लाट्स को कम लेते थे उसके बाद प्रदे ा मे प्रोहीबी ान था, लां एण्ड आर्डर की स्थिति खराब थी और टांसपोर्टे ान नही हो पाती थी, सडको की हालत बुरी थी। जब वर्तमान सरकार प्रदे ा मे बनी तो उस प्रोवीजन मे कुछ सिम्पलीफिके ान की गई और इंडस्ट्रियल प्लाट्स अलाट करने की

एक पोलिसी बनाई गई। प्लाट्स अलाट करने का एक पोलिसी बनाई गई। प्लाट्स अलाट करने का एक क्राईटेरिया बनाया गया। सबसे पहले प्लाट अलाट करने के लिए वह देखा जाता है कि उकी वायब्लिटी है या नही वह उसका इंतजाम कर सकता है या नही, उसकी वितीय स्थिति कैसी है, बैक बैंलेस है या नही उसका कोई फायनैस करने को तैयान है या नही। क्या वह मार्केट मे विपणन की व्यवस्था कर सकता है या नही। इस तरह प्लाअ अलाट करने के लिए कई प्र न बनाये गये है जो पार्टी उन प्र ानो का उतर ठीक प्रकार से दे देती है उसको प्लाट अलाट कर दिये जाते है इसमे एक प्रोवीजन यह भी रखा हुआ है कि प्लाट जिसके नाम पर अलाट हो जाता है वह उस प्लाट को आगे पट्टे पर भी दे सकता है, आगे ट्रांसफर करने की पोलिसी भी बनाई हुई है।

अध्यक्ष महोदय, इंडस्ट्रियलिस्टस हमारे यहा आए, उन्होने प्लाट लिये। पिछली सरकारी ने जो प्लांटस दिए थे उनको इंडस्ट्रियलिस्टस ने सरैडर कर दिया था उनके सरैडर करने के बाद उन सरकारो ने कुछ नही किया लेकिन हमारी सरकार के आने के बाद इंडस्ट्रियल प्लांट्स पर 40 प्रति ात काम चल रहा है। यह ठीक है कि उनको प्रौडैक ान भ्रारू करने के लिए 3 साल मिलते है। इन्होने यह कहरा कि क्या पोल्यु ान की रोकथाम का ध्यान रखा गया है तो मै इनको बताना चाहूगा कि हां पोल्यु ान की रोकथाम ध्यान रखा गया है इंडस्ट्रियलिस्टस को पोल्यु ान कंट्रोल बोर्ड से एन0ओ0सी0 लेना होता है उसके बाद ही उनको

प्लाट मिलता है। यानि हरियाणा सरकार ने उधोगो क्षेत्र मे जो पोलिसी बनाई है और प्लाट देने की जो नीतिया बनाई है उसे उधोगपतियो ने स्वीकार किया है और लोग खु ाी से औधोगिक क्षेत्रो मे आए और उन्होने प्लाट लिए।

Amont Relaeased by H.R.D.F

770. Shri Nage Singh Rathi: Will the Chief Minister be pleased to state the total amount sanctioned/released by the H.R.D.F Board for the development works in Bahaduragarh constituencey during the period from 11-5-1996 to 24-7-1999 and 25-7-1999 to 20-8-2001?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): श्रीमान जी, एच0आर0डी0एफ0 स्कीम के तहत ग्रामीण विकास कार्यो के लिए बहादुरगढ हल्का मे 11.5.1996 से 24.7.1999 तक की अवधि के दौरान 24.79 लाख रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई जिसमे से 17.69 लाख रूपये की रा ि ा जारी की गई तथा 25.7.1999 से 20. 8.2001 तक की अवधि के दौरान बहादुरगढ हल्का ग्रामीण विकास कार्यो के लिए 435.39 लाख रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई जिसमे से 423.64 लाख रूपये की रा ि ा जारी की गई।

श्री नफे सिंह राठी: अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही बढिया काम एच0आर0डी0एफ0 के तहत हरियाणा सरकार ने किया है, इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय बधाई के पात्र है। (इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) पिछली सरकार के समय मे जहा विकास कार्यो मे भेदभाव हुआ कतरा था, सवा तीन साल की

चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के भाासन काल मे बहादुरगढ मे विकास कार्यो पर केवल 17 लाख 69 हजार रूपये लगाए गए जबकि चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी की सरकार के इस 2 साल के भाासन काल मे बहादुरगढ मे 4 करोड 35 लाख 39 हजार रूपये मुख्यमंत्री महोदय ने दिए। (इस समय मेजे थपथापाई गई) उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सी0पी0एस0 महोदय से जानना चाहूगा कि अपोजी ान के जो साथी बैठे है उनके क्षेत्रो किलोई, बरवाला, तो ााम, आदमपूर और बेरी मे इन दो सालो के दरमियान एच0आर0डी0एफ0 स्कीम के तहत कितनी रा ि ा दी गई?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): उपाध्यक्ष महोदय, सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम एक क्रान्तिकारी प्रोग्राम है इस कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री महोदय सभी कांस्टीच्यूएंसीज मे जाकर लोगो की समस्यांए सुनते है। उपाध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को बताना चाहूगा और वि ोश तौर से मै विपक्ष के नेता को बताना चाहूगा कि वे जहा से प्रतिनिधित्व करते है अर्थात आदमपुर मे वे जानना चाहेगे कि ' सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम के तहत कोई पैसा लगा या नही तो मै उनको बताना चाहूगा कि आदमपुर मे एक करोड 67 लाख 30 हजार रूपये दिया गया, इसी प्रकार बरवाला मे जहा के विधायक बैठे नही है वहां 2 करोड 59 लाख 11 हजार रूपये दिए गए है, किलाई मे 1 करोड

88 लाख 28 हजार रूपये दिये गये है तथा इसी प्रकार बेरी मे 1 करोड 62 लाख रूपये दिए गए है। (विघ्न)

डिप्टी स्पीकर साहब, तो ाम हल्के के लिए 2 करोड 49 लाख 84 हजार रूपये दिये गये है जो कि अपने आप मे एक रिकार्ड है। माननीय मुख्यमंत्री श्री ओमप्रका ा चौटाला जी की नजर मे सारा हरियाणा प्रदे ा एक हैं और हरियाणा प्रदे ा का विकास करना उनका परम घ्येय है। डिप्टी स्पीकर साहब, जब विपक्ष के भाई सत्त मे थे उस समय सारे हरियाणा प्रदे ा के विकास का पैसा आदमपुर हल्के मे लगाया जाता था या इनके अन्य किसी मंत्री के हल्के मे लगाया जाता था। जिस हल्के से विपक्ष का विधायक उस समय होता था उसके हल्के मे विकास कार्य बिल्कुल ही नही होते थे। चौटाला साहब पहले ऐसे मुख्यमंत्री है। जिन्होने हर हल्के को बराबर समझकर सभी हल्को मे विकास कार्य करवाये है और नया आयाम स्थापित किया है।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, रामपाल माजरा जी ने बहुत अच्छा भाशण दिया है कि इनकी सरकार ने सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत इनते रूपये आदमपुर मे लगाये, इतने रूपये तो ाम मे लगाये, इनते रूपये बरवाला मे लगाये लेकिन मेरे हल्के आदमपुर मे सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत कोई भी दरबार नही लगा और न ही तो ाम मे लगा। उपाध्यक्ष महोदय, जो पैसा मौजूदा सरकार गांवो मे लगा रही है वह पैसा भारत सरकार की तरफ से आता है और चौटाला साहब

स्वय वाह वाह लूटना चाहते है। मंत्री जी सदन को यह बताये कि जो पैसा इन्होने विकास कार्यो मे लगाया है वह पैसा भारत सरकार का है या हरियाणा सरकार स्वय देती है। (ाोर एवम व्यवाधान)

श्री राम पाल माजराः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे माननीय साथी ने हरियाणा रूरल डवैल्पमैट फंड के बारे मे प्र ान किया था और विपक्ष के नेता को इतना भी नही मालूम कि हरियाणा रूरल डवैल्पमैंट फंड का पैसा भारत सरकार का होता है या हरियाणा सरकार का। डिप्टी स्पीकर साहब, मैने जितने पैसे का जिकर किया है वह हरियाणा रूरल डवैल्पमैट फंड का है। और हरियाणा के विकास के लिए। (ाोर एवम व्यवाधान) मै चौधरी भजन लाल जी को बताना चाहूगा कि मेरे पास पूरी लिस्ट है कि कितना काम आदमुपर हल्के मे हमारी सरकार ने करवाया है यदि ये जानना चाहे तो मै इनको बता सकता हू कि वहा पर कौन सी चौपाल बनवाई गई, कौन सी गली पक्की करवाई गई। (ाोर एवम व्यवाधान)

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, यह सारा पैसा भारत सरकार देती है और वाह वाही स्वय चौटाला साहब लूटना चाहते है।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप खडे होकर बोले, बैठकर नही।

श्री बलवन्त सिंह मायनाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के साथियो के पेट मे मरोडे इसलिए उठ रहे है कि इनके समय मे जनता और सरकार के बीच मे जो दूरी इन्होने बढाई गई थी उस दूरी को चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी ने 'सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम के तहत समाप्त करने का काम किया है। विपक्ष के भाईयो को यदि अपने हल्के मे कोई दिक्कत है तो ये ने 'सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम मे आते और वहा बताते। ये भाई वहा भी नही आये फिर भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने वहा पर भी विकास कार्यो के लिए पैसे भेजे।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, क्या मायना साहब सप्लीमैटरी पूछ रहे है या भाशण दे रहे है। (ाोर एवम व्यवाधान)

श्री रामफल कुण्डुः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी जानना चाहूगा कि एच0आर0डी0एफ0 के तहत गावो मे कौन कौन से कार्य किये जाते है? उसकी पूरी डिटेल बताये।

श्री रामपाल माजराः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी जानना चाहूगा कि ग्रामीण विाकस के तकरीबन सभी कार्य हरियाणा रूरल डवैल्पमैट फड के पैसे से ही किये जाते है इस स्कीम के तहत रिटेनिंग वाल बनाने के लिए, स्कूलो के कमरे बनाने के लिए, हरिजन चौपाल के निर्माण के लिए, पंचायत घर बनाने के लिए, गंदे पानी की निकासी करने के लिए, प ा

अस्पातल बनाने के लिए, आयुवैदिक अस्पताल बनाने के लिए, प ा धन के लिए, भाम ाान घाटो की बात दीवार बनाने के लिए, स्कूल की चार दीवारी करने के लिए, गाव मे हाल कमरा बनाने के लिए, साईस रूम बनाने के लिए और जोहड मे पानी भरने के लिए आदि के लिए पैसा दिया जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, इस स्कीम का इतना हाई एंड फास्ट रूल नही है कि जो कार्य मैने बताये उन्ही के लिए पैसा दिया जायेगा किसी दूसरे कार्य के लिए नही दिया जायेगा। यदि गांव मे कोई और समस्या हो तो उसके लिए भी इस स्कीम के तहत पैसे दिये जाते है और गावो का विकास किया जाता है।

Providing of Computer in schools/Colleges

767. Prof. Ram Bhagat: Will the Chief Minister of State Edcuation be pleased to state state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide computers in the Schools, colleges in the State, if so, the number thereof, togetherwith the expenditure to be incurred thereoon?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ0 बहादुर सिंह): हा, श्रीमानी जी। राज्य के 55 राजकीय महाविधालयो मे वैकल्पिक विशय के रूप मे कम्प्यूटर ि ाक्षा आरम्भ की जा चुकी है। सरकार का 2243 विधालयो मे निजी सेवा प्रदाता के माध्यम से स्वंय वित पोशण आधार पर कम्प्यूटर ि ाक्षा प्रदान करने का भी प्रस्ताव है। ऐसे उच्च तथा वरिश्ठ माध्यमिक विधालयो, जिनमे पर्याप्त भौतिक

मूलभूत सुविधाए तथा छठी से 12वी कक्षा तक पर्याप्त छात्र सख्या है, इस स्कीम के अन्तर्गत लाये जायेगे। इस परियोजना के कारण राजकोश पर कोई भार नही पडेगा।

प्रो0 राम भगतः उपाध्यक्ष महोदय, सरकार का 243 विधालयो मे निजी सेवा प्रदाता के माध्यम से स्वंय वित पोशण आधार पर कम्प्यूटर ि ाक्षा प्रदान का भी प्रस्ताव है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि क्या सैल्फ फाइनै ि ायल बेसिज पर स्कूल अपनी तरफ से पैसा जुटा पाएगे अगर नही जुटा पाएंगे तो मुझे भांक है कि स्कूलो के स्टूडैटस की फीस बढा करउन पर ज्यादा भार डाला जाएगा। अगर स्टूडैट्स की फीस बढाई जाएगी तो क्या गरीब स्टूडैट्स के मां बाप वह फीस दे पाएगे। सरकार ने स्कूलो मे स्टूडैटस को कम्प्यूटर की ि ाक्षा प्रदान करनी है तो क्या उस पर पैसा खर्च करने के लिए सरकार कोई विकल्प ढूंढ रही है।

चौधरी बहादुर सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपमे माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूगा कि कालेजो के स्टूडैटस की कम्प्यूटर ि ाक्षा प्रदान करने के लिए 140 रूपये पर स्टूडैट फीस रखी गई है और जिस स्कूल मे मिनिमम 200 बच्चे कम्प्यूटर ि ाक्षा प्राप्त कर रहे है उनकी 80 रूपये पर स्टूडैट फीस रखी है। कम्प्यूटर ि ाक्षा की फीस के अन्दर ि ाडयूल्ड कास्टस स्टूडैटस के लिए जो कन्सै ान है वह 50 परसैट है और टोटल स्टूडैटस के लिए 20 परसैट कन्सै ान है।

प्रो0 राम भगतः उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने 2243 स्कूलो मे और 55 कालेजो मे कम्प्यूटर ि ाक्षा भाुरू की है। मै आपमे माध्यम से मंत्री जी से जानाना चाहता हू कि क्या सरकार ने कोई ऐसी एजेसी लगाई है जो यह चैक करेगी कि उन स्कूलो और कालेजो मे कम्प्यूटर टैक्नीकली ठीक काम कर रहे है या नही और क्या वहां पर कम्प्यूटर के लिए एनवारमैंट ठीक है या नही ?

चौधरी बहादुर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूगा कि हम टाईम टू टाईम चैक करते रहते है। उनकी मंथली रिपोर्ट मंगवाई जाती है हम प्रोग्रेस देखते है कि कम्प्यूटर ठीक काम कर रहे है या नही ओर वहा पर वातावरण ठीक है या नही। मै इनको यह भी बताना चाहूगा कि 291 स्कूलो मे कम्प्यूटर ि ाक्षा भाुरू हो चुकी है और 105 स्कूलो मे 15 नवम्बर तक भाुरू हो जाएगी। इसी तरह से 55 कालेजो मे कम्प्यूटर ि ाक्षा भाुरू हो चुकी है और बादली और इसराना के दो कालेजो मे इन्फ्रास्ट्रक्चर की मांग के तहत कम्प्यूटर ि ाक्षास देने के केस डैफर कर दिए गए है।

तारकित प्र ान संख्या 772

(यह प्र ान पूछा नही गया क्योकि इस समय माननीय सदस्य श्री भागवान सहाय रावत सदन मे उपस्थित नही थे)

Consturction of New Grain Marker in Ramthali Samadha

714- Shri Amar Singh Dhandey: Will the Agriuclture Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to constuct a new grain Market in Ramthali Samaha (Guhla); and

(b) if so, the time by which the construction work on the above said grain market is likely to be started?

कृशि मंत्री (सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धु):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) मार्किट कमेटी चीका (गुहला) के नाम भूमि स्थानान्तरित हो जाने के तुरन्त प चात विकास कार्य प्रारम्भ करवा दिये जायेगे।

श्री अमर सिंह ढाडे: डिप्टी स्पीकर साहब, जो भूमि ट्रासफर करने की बात थी वह डेरे की जमीन है और वह 99 साल के पट्टे पर एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड के नाम कर दी गई है और उसके कागजात एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड के पास है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि वहा पर मडी के निर्माण का कार्य कब तक भुरू हो जाएगा?

सरदार जसविन्दर सिंह सन्धु: डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपमे माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हू कि दिनांक 23.4.1995 को मार्किट कमेटी चीका के तहत रामथली गांव मे परचेज सैटर था। उसको बस यार्ड घोशित किया है। ग्राम पचायत

रामथली ने 18 कनाल 12 मरले भूमि इस सब यार्ड की स्थापना के लिए चीका को उपलब्ध करवाई है। अब ग्राम ंपचायंत ने यह भूमि मार्किट कमेटी चीका को दान मे हेतू 24.2.1999 को प्रस्ताव पारित कर दिया था। 67 कनाल 9 मरले भूमि बाबा हरानन्दपुरी चेला सुरजनपुरी ने दिनांक 24.2.1999 को 10 रूपये प्रति वर्श की दर पर मार्किट कमेटी चीका को 99 साल के पट्टे पर दी है उपरोक्त भूभांग को मार्किट कमेटी के नाम स्थानान्तरण करवाने का प्रयास किए जा रहे है जब भी भूमि विभाग के नाम हो जाएगी नई अनाज मंडी के निर्माण की योजना बनाई जाएगी।

श्री धर्मबीर सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपमे माध्यम से कृशि मंत्री जी के नोटिस मे लाना चाहूगा कि हरियाणा का किसान बहुत मेहतनी है। सरकार हर साल किसानो से मार्किटिंग बोर्ड के माध्यम से अरबो रूपया वसूल करती है। जैसा कि सभी सदस्यो को मालूम है कि अब की बार किसानो की कपस की फसल काफी खराब हो गई है। कपास की फसल खराब होने से किसानो का करोडो रूपये का नुकसान हुआ है। मार्किट मे जो नकली दवाई आई है उनसे भी किसानो को पर एकड का 5 से 7 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूगा कि जो पैसा मार्किटिंग बोर्ड के माध्यम से किसानो से लेकर इकटठे किया हुआ है क्या उस पैसे से सरकार द्वारा किसानो की सहायता की जायेगी?

सरदार जसविन्दर सिंह सन्धुः डिप्टी स्पीकर साहब, वैसे तो इन सप्लीमेन्टरी का इस मूल सवाल से कोई सबंध नही है लेकिन फिर मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूगा कि कपास की फसल का जो नुकसान हुआ है उस बारे मे हमने केन्द्र सरकार को लिखा है कि हमारे किसानो की कपास की काफी फसल खराब हो चुकी है इसलिए केन्द्र सरकार हमारे किसानो की मदद करे। उपाध्यक्ष महोदय, केन्द्र सरकार की तरफ से सहायता आने पर ही हम अपने किसानो की मदद कर पायेगे।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः उपाध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि जो फसल बीमा योजना केन्द्र सरकार की सहायता से हरियाणा के किसानो के लिए भी लागू की हुई है क्या उस स्कीम के माध्यम से किसानो को कोई मुआवजा देने बारे सोचा गया है या नही?

सरदार जसविन्दर सिंह सन्धुः उपाध्यक्ष महोदय, केन्द्र सरकार ने जो कृशि बीमा योजना लागू की है उसको हर स्टेट मे एक जैसे तरीके से प्रीमियन देने के लिए लागू किया हुआ है जबकि हर प्रदे ा की स्थिति अलग अलग है। कही पर किसी वर्श बाढ आ जाती है, या सूखा पड जाता है या और कोई प्राकृतिक आपदा आ जाती है। हमने केन्द्र सरकार को लिखा है कि हमारी भौगोलिक स्थिति दूसरे प्रदे ाो से अलग है इसलिए हमारे प्रदे ा को इस केन्द्रीय कृशि फसल बीमा योजना अलग पैमाना रखते हुए हमे प्रीमियम दिया जाये। इस बारे मे मेरी केन्द्रीय कृशि मंत्री और

वित्त मंत्री से भी मिटिंग हुई है। हमने उनको बताया है कि हमारी स्टेट के किसानो के लिए अलग से बीमा पालिसी बनायी जाये और अलग प्रीमियन देने का मापदण्ड निर्धारित किया जाये क्योकि जो मौजूदा पोलिसी है उससे हमारे प्रदे ा के किसानो का कोई फायदा होने वाला नही है।

(ii) अति वि ाष्ट व्यक्तियो का स्वागत

श्री उपाध्यक्षः आदरणीय मैम्बर साहेबान, हमारे बीच मे कर्नाटक लैजिस्लेंटीव असेम्बली की आ वासन समिति के 8 सदस्य पधारे है अत मै इन सभी सदस्यो का यहा पर पधारने के लिए अपनी तरफ से व हाउस की तरफ से स्वागत करता हू।

ताराकित प्र ान एवम उतर (पुनरारम्भ)

Commissioning of Sub statyions in the State

726. Shri Balbir Singh: Will the Chief Minister be pleased to state the number of sub stations, if any, commissioned and augmented in the State during the period form July, 1999 to till date.

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): 1 जुलाई, 1999 से अक्तूबर, 2001 तक 18 नए उपकेन्द्र चालू किए गए है तथा 101 चालू उपकेन्द्रो की क्षमता मे वृद्धि की गई है।

श्री बलबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूगा कि महम कस्बे से जो 33 के0बी0

का सब स्टे ान है उसको माननीय मुख्यमंत्री जी ने 133 के0बी0 सब स्टे ान बनाया जाना मन्जूर किया था। मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि इस पर कब तक काम चालू हो जाएगा? **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)**

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो सवाल पूछा था वह सारे राज्य की डिवैल्पमेंट से सबधित था कि कितने सब स्टे ान बनाये गये है या चालू किए गए है। अतः मेरा माननीय सदस्य से अनुरोध है कि ये इसके लिए अलग से नोटिस दे दे, जवाब दे दिया जाएगा।

Accelerated Water Supply Programme

754. Shri Ramesh Kumar Khatak: Will the Chief Minister be pleased to state the number of schemes, if any, approved under Accelerated Urban Water Supply Progeamme during the last five years together with the amount released therefore, alongwith the names of the cities which have been covered under the said progamme?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): श्री मानी जी। हा विवरणी सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरणी

1993–94 से अब तक 22 भाहरो की स्कीमे स्वीकृत की गई जिनकी अनुमानित रा ि ा 35.64 करोड रूपये है। उनमे से पिछले 5 सालो मे 17 भाहरो की स्कीमो की जिनकी अनुमानित

राि ा 30.57 करोड रूपये स्वीकृत की गई। जिनमे से 5 स्कीम पूर्ण हो चुकी है और 3 स्कीमे मार्च, 2002 तक पूर्ण हो जायेगी तथा भोश स्कीमे मार्च, 2003 तक पूर्ण होने की सम्भावना है। जिनका ब्यौरा निम्नलिखित है:–

क्रम सख्या	स्कीम का नाम	अनुमनति राि ा रूपये लाखो मे	भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की तिथि	उपलब्ध राि ा	भाहर का नाम
1	2	3	4	5	6
1.	जल वितरण योजना सोहना की बढौतरी	77.30	3/1994	80.95	सोहना
2.	जल वितरण योजना पटौदी की बढौतरी	62.50	3/1994	62.69	पटौदी
3.	जल वितरण योजना	93.00	3/1994	92.95	नारनौंद

	नारनौंद की बढौतरी				
4.	जल वितरण योजना कनीना की बढौतरी	51.00	3 / 1994	51.16	कनीना
5.	जल वितरण योजना बवानी खेडा की बढौतरी	223.54	3 / 1994	223.54	बवानी खेडा
6.	जल वितरण योजना असन्ध की बढौतरी	122.91	2 / 1997	122.90	तावडू
7.	जल वितरण योजना असन्ध की बढौतरी	247.32	4 / 1999	247.32	असन्ध
8.	जल वितरण योजना	85.22	8 / 1998	87.61	रतिया

	रतिया की बढौतरी				
9.	जल वितरण योजना उचाना की बढौतरी	103.42	12 / 1998	103.42	उचाना
10.	जल वितरण योजना कलानौर की बढौतरी	112.93	3 / 1999	212.93	कलानौर
11.	जल वितरण योजना खरखौदा की बढौतरी	122.35	4 / 1998	121.53	खरखौदा
12.	जल वितरण योजना नारायणगढ की बढौतरी	97.50	11 / 1999	97.50	नारायणगढ
13.	जल वितरण योजना	80.00	11 / 1999'	88.00	सढौरा

	सढौरा की बढौतरी				
14.	जल वितरण योजना इन्द्री की बढौतरी	88.00	12/1999	88.00	इन्द्री
15.	जल वितरण योजना नूह की बढौतरी	165.00	11/2000	94.00	नूह
16.	जल वितरण योजना महम की बढौतरी	252.00	11/2000	105.00	महम
17.	जल वितरण योजना फिरोजपुर की बढौतरी0	92.66	12/2000	85.00	फिरोजपुर झिरका
18.	जल वितरण योजना महिन्द्रगढ की बढौतरी	232.87	1/2001	107.50	महिन्द्रगढ

19.	जल वितरण योजना हेली मण्डी की बढौतरी	123.82	1/2001	85.00	हेलीमण्डी
20.	जल वितरण योजना कलावली की बढौतरी	245.43	1/2001	110.0	कलांवली
21.	जल वितरण योजना बेरी की बढौतरी	348.30	1/2001	97.38	बेरी
22.	जल वितरण योजना पिजौर की बढौतरी	286.70	1/2001	87.72	पिंजौर
	कुल योग	3564.45		2444.10	

वर्श, 1993–94 से मास 8/1999 तक 11 स्कीमे जिनकी अनुमानित रा ि । 14.01 करोड रूपये है, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की गई। यह उल्लेखनीय है कि मास 8/1999 के बाद 11

स्कीमे जिनकी अनुमानित रा ि ा 21.63 करोड रूपये है भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की गई जो कि बहुत बडी उपलब्धि है।

16.00 बजे

श्री रमे ा कुमार खटकः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब मे द ार्या है कि पांच स्कीमे पूर्ण हो चुकी है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूगा कि जो स्कीमे पूर्ण हो चुकी है वे कौने कौने सी है और जो तीन योजनाए मार्च, 2002 तक पूर्ण होगी वे स्कीमे कौन कौन सी है तथा जो योजनाए 2003 तक पूर्ण होने वाली है वे कौन कौन सी है? क्या मंत्री महोदय इन स्कीमो के नाम बताने की कृपा करेगे ?

मुख्यमंत्री ंसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): स्पीकर साहब, जिस प्रकार से त्वरित जल आपूर्ति कार्यक्रम के बारे मे माननीय साथी ने जानना चाहा है कि वे कौन से कौन सी स्कीमे हे मै इनको बताना चाहूगा कि वे कुल 22 स्कीमे हैं जो स्वीकृत की गई है। जो पांच स्कीमे पूरी हो चुकी है वे इस प्रकार है। जल वितरण योजना, सोहना, जल वितरण योजना, पटौदी, जल वितरण योजना, नारनौद, जल वितरण योजना, कनीना, जल वितरण योजना, भवानी खेडा, मे योजनाए पूर्ण हो चुकी है। जल वितरण योजना तावडू की बढौतरी, जल वितरण योजना, असन्ध, जल वितरण योजना, रतिया, ये योजनाए सन् 2002 तक पूरी हो जाएगी। जो योजनाए सन् 2003 तक पूरी होगी उनका विवरण भी

मै इनको बता देता हू। जल वितरण योजना, उचाना, जल वितरण योजना, कलानौर, जल वितरण योजना, खरखौदा, जल वितरण योजना, नारायणगढ, जल वितरण योजना, सढौर, जल वितरण योजना, इन्द्री, सन् 2003 तक पूरी हो जाएगी। इसी प्रकार से महम, फिरोजपुर झिरका, महेन्द्रगढ, हेली मण्डी, कांलावाली, बेरी और पिजौर सन् 2003 तक पूरी हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, यह वस्तुस्थिति है।

Amount Released by HRDF

781. Shri Bishal Lal: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total amount sanctioned/released by H.R.D.F. Board for various development works into the State during the period form 1-4-1991 to 27-4-1999;

(b) the total amount sanctioned/released by H.R.D.F. Board for various development works into the State in first and second phase of Sarkar Apake Dwar programme during the period from 25-7-1999 to 30-6-2001; and 1-7-2001 to 20-8-2001 respectively; and

(c) the total amount sanctioned/released. for the Costruction of Streets under the H.R.D.F Board scheme in the first and second phase of 'Sarkar Apake Dwar' programme during the period from 25-7-1999 to 30-6-2001; and 1-7-2001 to 20-8-2001 respectively?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): श्रीमानी जी, सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

(क) 1.4.1991 से 24.7.1999 तक की अवधि के दौरान हरियाणा ग्रामीण विकास निधि प्र ाासन बोर्ड द्वारा राज्य मे विभिन्न विकास कार्यो के लिए 349.31 करोड रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई जिसमे से 319.78 करोड रूपये जारी की गई थी।

(ख) 'सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम के अन्तर्गत फेज 1 मे 25.7.1999 से 30.6.2001 तक की अवधि के दौरान राज्य मे विभिन्न विकास कार्यो के लिये 213.38 करोड रूपय की रा ि ा स्पीकृत की गई जिसमे से 197.61 करोड रूपये की रा ि ा जारी की गई तथा 'सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम के अर्न्तगत फेज II मे 1.7.2001 से 20.8.2001 तक की अवधि के दौरान राज्य मे विभिन्न विकास कार्यो के लिए 99.49 करोड रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई जिसमे से 92.84 करोड रूपये की रा ि ा जारी की गई।

(ग) 'सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम के अन्तर्गत फेज 1 मे 25.7.1999 से 30.6.2001 तक की अवधि के दौरान एच0आर0डी0एफ0 बोर्ड द्वारा गलियो के निर्माण के लिए 80.32 करोड रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई जिसमे से 71.58 करोड रूपये की रा ि ा जारी की गई तथा ' सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम के अर्न्तगत फेज II मे 1.7.2001 से 20.8.2001 तक की

अवधि के दौरान एच0आर0डी0एफ0 स्कीम के तहत गलियो के निर्माण के लिए 38.33 करोड रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई जिसमे से 33.58 करोड रूपये की रा ि ा जारी की गई।

श्री बि ान लाल सैनीः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय सी0पी0एस0 महोदय से वह जानना चाहता हू कि फेज–I तथा फेज–II मे जगाधरी विधान सभा के क्षेत्र के लिए इस बोर्ड मे कितनी रा ि ा दी गई है?

मुख्यमंत्री ंससदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): अध्यक्ष महोदय, मैने आपके माध्यम से विपक्ष के साथियो से पहले भी अर्ज किया था कि हरियाणा प्रदे ा मे मुख्यमंत्री जी 'सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम के तहत जहा जहा भी गये है वहा पर हम दूसरे फेज को भी कवर करने जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, मै इनको आपके माध्यम से बताना चाहूगा कि इनके वक्त मे जगाधरी मे कितना पैसा रिलीज हुआ और हमने कितना पैसा दिया है वह भी बता दूगा। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप सब बैठ जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहूगा कि मुख्यमंत्री श्री ओमप्रका ा चोटाला जी के नेतृत्व मे हरियाणा प्रदे ा मे विकास की आंधी आई तो जगाधरी भी अछूता नही रहां। इस आधंी के आते हुए जगाधरी मे पहले फेज मे 1

करोड 50 लाख 54 हजार रूपए दिए गए थे और दूसरे फेज मे 3 करोड 31 लाख रूपये दिए गए है। यह विकास की आंधी चलते चलते सारे हरियाणा मे एक तूफान बन गई जिसने इनके पेट मे मरोडे लग रहे है। (विघ्न)

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी पूछना चाहूगा कि हरियाणा प्रदे ा मे एच0आर0डी0एफ0 का जो पैसा है इनको ग्राम समितियो द्वारा खर्च किया जाएगा या इस पैसे को कोई और एजैसी खर्च करेगी?

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, माननी साथी ने बहुत ही अच्छा सवाल किया है कि हरियाणा प्रदे ा मे यह जो पैसा गांवो मे दिया गया है वह कौन खर्च करेगा। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को यह बताना चाहूगा कि हरियाणा के अन्दर हर गांव मे विकास समितियो बनी है। हरियाणा के अन्दर छः हजार विकास समितियो बनाई गई है। उन विकास समितियो के द्वारा हरियाणा प्रदे ा मे विकास किया जाएगा। हरियाणा प्रदे ा के सभी गावो मे लोगो ने इसमे वि वास व्यक्त किया। वे समितियो हर प्रोग्राम को ठीक तरह से देखेगी, मैटिरीयल को चैक करेगी, अच्छी तरह से नार्म्ज एडाप्ट करेगी। हरियाणा प्रदे ा के गावो के लोगो अपनी कमेटी बनाकर के गलियो मे खडे होकर एक एक ईट गिन गिन कर लगवाएगे।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब प्र न काल समाप्त होता है।

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेर पर रखे गए ताराकित प्र ानो के लिखित उतर

Construction of Retaining Wall

760 Shri Bhag Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total amount sanctioned/released by H.R.D.F. Board for the construction of relaining wall in the State during the period from 1-4-1991 to 24-7-1999;

(b) the total amount sanctioned/released by H.R.D.F. scheme for the construction of relaining wall in the State in first phase of 'Sarkar Apake Dwar' programme during the period from 25-7-1999 to 30-6-2001;

(c) the total amount sanctioned/released by H.R.D.F. scheme for the construction of School rooms the State in first phase and second phase of 'Sarkar Apake Dwar' programme during the period from 25-7-1999 to 30-6-2001; and 1-7-2001 to 20-8-2001 ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): श्रीमानी जी,

(क) 1.4.1991 से 24.7.1999 तक की अवधि के दौरान हरियाणा ग्रामीण विकास निधि प्र ाासन बोर्ड द्वारा गावो मे तलाब के साथ रिटेनगंवाल के विकास कार्यो के लिए 4.43 करोड

रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई जिसमे से 3.65 करोड रूपये जारी की गई थी।

(ख) 'सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम के अन्तर्गत फेज 1 मे 25.7.1999 से 30.6.2001 तक की अवधि के दौरान हरियाणा राज्य मे रिटैनिगवाल के निर्माण हेतै 28.73 करोड रूपय की रा ि ा स्पीकृत की गई जिसमे से 25.68 करोड रूपये की रा ि ा जारी

(ग) हरियाणा ग्रामीण विकास निधि प्र ाासन बोर्ड द्वारा 1.4.1991 से 24.7.1999 तक की अवधि के दौरान स्कूल कमरो के निर्माण के लिए 29.77 करोड रूपये की रा ि ा जारी की गई।

(घ) 'सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम के अन्तर्गत फेज 1 मे 25.7.1999 से 30.6.2001 तक की अवधि के दौरान स्कूल कमरो के निर्माण के लिए 17.70 करोड रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई तथा 'सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम के अर्न्तगत फेज II मे 1.7. 2001 से 20.8.2001 तक की अवधि के दौरान हरियाणा ग्रामीण विकास निधि प्र ाासन बोर्ड द्वारा 1.7.2001 से 20.8.2001 तक की अवधि के दौरान स्कूल कमरो के निर्माण के लिए 7.88 करोड रा ि ा स्वीकृत की गई जिसमे से 33.58 करोड रूपये की रा ि ा जारी की गई।

Sanction/Release of Fund Veterinary Hospital etc.

752. Shri Ram Kumar Saini: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total amount sanctioned/released for the consturction/repari of Veterinery Hospital/SMC/Veterinary Dispensaries in the State during the period from 11-5-1996 to 24-7-199; and

(b) the total amount sanctioned/released for the consturction/repari of Veterinery Hospital/SMC/Veterinary Dispensaries in the first and second phase of 'Sarkar Apake Dwar' programme during the period from 25-7-1999 to 30-6-2001; and 1-7-2001 to 20-8-2001 respectively ?

प ुपालन राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद इलियास):

(क) श्रीमान जी, 11.5.1996 से 24.7.1999 तक 140.61 लाख रूपयें की रा ि ा स्वीकृत की गई थी, जिसमे से 117.06 लाख रूपये की रा ि ा इस उद्दे ाय के लिये जारी की गई थी।

(ख) सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम के प्रथम चरण के अन्तर्गत 25.7.1999 से 30.6.2001 तक 885.15 लाख रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई थी जिसमे से 812.61 लाख रूपये की रा ि ा जारी की गई थी। द्वितीय चरण 1.7.2001 से 20.8.2001 की अवधि मे 203.26 लाख रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई जिसमे से 182.47 लाख रूपये जारी की गई थी।

Digging of Drain in Village Nigdu

731- Shri Dharam Pal: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Governmnet to dig out a drain in Village Nigdu?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): हां श्रीमानी जी, गांव निगदू के लिए पुण्डरी ड्रैन न0 1 बुर्जी न0 55000 से 89000 तक के निर्माण के लिए एक योजना सरकार एवम नाबार्ड द्वारा आर0आई0डी0 एफ0 6 परियोजना के अन्तर्गत स्वीकृत की जा चुकी है।

Augment the Water Supply

778. Shri Pawan Kumar Diwan: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any scheme under consideration of the Government to augment the watersupply in the State; if so, the details thereof and the name of cities/villages in which the said scheme in being implemented?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): श्रीमानी जी, विवरण का अनुबंध (क एवम ख) सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

अनुबंध ख

राज्य के भाहरी क्षेत्रो मे जिलावार/ ाहरवार जल वितरण योजनाओ मे बढौतरी की स्थिति

भाहर	योजना का नाम	अनुमानित रा ि ा रूपए लाखो मे।
1	2	3

जिला अम्बाला		
अम्बाला भाहर	1. अम्बाला भाहर मे जल वितरण योजना की बढौतरी	750.00
	2. बलेदव नगर, अम्बाला भाहर मे जल वितरण योजना की बढौतरी	113.00
	3. अम्बाला भाहर की भाालीमार कालोनी मे अतिरिक्त ट्यूबवैल लगाना	15.00
	4. अम्बाला भाहर के बलेदव नगर कैम्प मे एक गहरा नलकूप लगाना	14.40
अम्बाला छावनी	1. अम्बाला छावनी मे जल वितरण योजना की बढौतरी	1500.00
	2. सुभाश नगर, एम0सी0 कालोनी अम्बाला छावनी मे दो गहरे ्यूबवैल लगाना	24.41
	3. अनाज मडी व द ाहरा	34.32

	ग्राउंड अम्बाला छावनी मे दो गहरे ्यूबवैल लगाना	
नारायणगढ	1. नारायणगढ भाहर मे जल वितरण योजना की बढौतरी	97.50
जिला भिवानी		
भिवानी	1. भिवानी जल वितरण योजना की बढौतरी	2000.00
	2. भिवानी भाहर मे जल वितरण योजना की बढौतरी व मजबूती	445.00
चरखी दादरी	1. चरखी दादरी मे जल वितरण योजना की बढौतरी	427.00
जिला फरीदाबाद		
होडल	1. होडल भाहर मे जल वितरण योजना की बढौतरी	447.00
	2. होडल भाहर की जल वितरण योजना की बढौतरी के	18.66

	लिए 4 भौलो नलकूप लगाना	
पलवल	पलवल भाहर की जल वितरण योजना की बढौतरी	285.00
जिला फतेहबाद		
फतेहबाद	फतेहबाद मे जल वितरण योजना की बढौतरी	170.00
टोहाना	टोहाना मे जल वितरण योजना की बढौतरी	92.20
रतिया	रतिया मे जल वितरण योजना की बढौतरी	85.22
जिला गुडगांव		
गुडगांव	1. गुडगांव मे जल वितरण योजना की बढौतरी	340.00
	2. अतिरिक्त वितरण प्रणाली मे सुधार करने के लिए गुडगांव भाहर वितरण योजना	144.60

	की बढौतरी	
	3. अवधपुरी, राजेन्द्र पार्क गुडगांव मे जल वितरण योजना की बढौतरी	12.00
सोहना	1. सोहना भाहर की जल वितरण योजना की बढौतरी व मजबूती	44.07
	2. सोहना भाहर दो नलकूप	14.00
	3. सोहना भाहर जल वितरण योजना की बढौतरी	77.30
नूंह	1. नूह भाहर मे जल वितरण योजना की बढौतरी	165.00
	2. नूंह भाहर मे जल वितरण योजना की सुधार	7.85
	3. नूंह भाहर जल वितरण योजना की बढौतरी	40.82
	4. नूंह भाहर मे जल वितरण योजना की बढौतरी	94.00

फिरोजपुर झिरका	1. फिरोजपुर झिरका भाहर मे जल वितरण योजना की बढौतरी	23.14
	2. फिरोजपुर झिरका भाहर मे जल वितरण योजना की बढौतरी	92.66
जिला हिसार		
हिसार	1. हिसार मे जल वितरण योजना मे बढौतरी	2824.00
हांसी	1. हांसी मे जल वितरण योजना की बढौतरी	705.13
	2. हांसी मे जल वितरण योजना की बढौतरी	18.00
जिला जीन्द		
जीन्द	1. पुराना भाहर जींद मे जल वितरण योजना की बढौतरी	66.00
	2. जोगेन्द्र नगर व ओम नगर जींद जल वितरण योजना की	14.00

	बढौतरी	
नरवाना	1. नरवाना मे जल वितरण योजना की बढौतरी	385.00
	2. बरवाला लिंक नहर जल वितरण योजना	
	1. बरवाला से आर0सी0सी0 ईनलैट चैनल लगाना	
सफीदो	1. राजीव चौक, सफीदो 399 मे नलकूप प्रदान करना	6.00
जिला झज्जर		
झज्जर	1. झज्जर मे जल वितरण योजना की बढौतरी	230.00
बहादुरगढ	1. बहादुरगढ जल वितरण योजना की बढौतरी	561.00
जिला कैथल		
कैथल	1. कैथल मे जल वितरण	1470.00

	योजना की बढौतरी	
	2. राजेन्द्रा व चरणजीव कालोनी कैथल मे जल वितरण योजना की बढौतरी	15.25
	3. महोदव कालोनी कैथल की जल वितरण योजना की बढौतरी	27.80
	4. राधा स्वामी कालोनी कैथल मे जल वितरण सुविधाए प्रदान करना	12.50
	5. अग्रसेन कालोनी कैथल मे जल वितरण सुविधाए प्रदान करना	2.62
चीका	1. चीका मे जल वितरण योजना प्रदान करना	48.00
जिला करनाल		
करनाल	1. मास्टर जल वितरण योजना करनाल	1518.20

	2. करना जल वितरण योजना के लिए चार नलकूप लगाना	14.24
	3. करण विहार कालोन करनाल मे जल वितरण योजना प्रदान करना	24.00
घरोंडा	घरोडा जल वितरण योजना मे नलकूप लगाना	5.70
असन्ध	असन्ध मे जल योजना की बढौतरी	247.32
जिला कुरूक्षेत्र		
कुरूक्षेत्र	टी0पी0 स्कीम न0 7 ए0,बी0,सी0 पांच और छ कुरूक्षेत्र मे जल वितरण सुविधा प्रदान करना	130.55
	2. वि श्ट कालोनी करूक्षेत्र मे जल वितरण सुविधा प्रदान करना	30.23
	3. कुरूक्षेत्र जल वितरण	6.50

	योजना के लिए एक नलकूप लगाना	
थानेसर	1. टी0पी0 स्कीम न0 6 भाग सी प्रोफेसर कालोनी थानेसर मे जल वितरण सुविधा प्रदान करना	101.15
	2. पुराने भाहर के लिए अतिरिक्त नलकूप लगाना	7.54
	3. कैला ा नगर थानेसर जल वितरण सुविधा प्रदान करना	14.31
	4. थानेसर के अर्बन एरिया न0 6 भाग बी मे जल वितरण सुविधा प्रदान करना	95.20
भााहाबाद	1. भााहाबाद की स्वीकृत कालोनियो मे जल वितरण सुविधा प्रदान करना	21.95
पिहोवा	1. पिहोवा जल वितरण की बूस्टिंग स्टे ान के साथ बढोतरी	33.57

	2. पिहोवा जल वितरण के लिए एक अतिरिक्त नलकूप लगाने हेतू	5.10
	3. पिहोवा जल वितरण के लिए एक अतिरिक्त नलकूप लगाने हेतू	5.00
लाडवा	1. लाडवा की बकाया गलियो मे पानी की पाईप बिछाना	21.62
जिला महेन्द्रगढ		
महेन्द्रगढ	1. महेन्द्रगढ जल वितरण योजना की बढौतरी	332.87
	2. महेन्द्रगढ जल वितरण योजना मे सुधार	24.19
नारनौल	1. नारनौल जल वितरण योजना मे सुधार	250.00
	2. मोदी नगर नारनौल मे बूस्टिंग स्टे ान का निर्माण	15.00

	3.नारनौल जल वितरण योजना मे पोजिदा के पास तीन नलकूप लगाना	19.72
	4. नारनौल जल वितरण योजना के लिए कृश्णावती नदी, रिवाडी रोड वा भााहपुर मण्डी के नजदीक 5 नलकूप लगाना	36.00
जिला पंचकुला		
कालका	1. कालका मे जल वितरण योजना की बढौतरी	103.00
पिजौर	1. पिजौर मे जल वितरण योजना की बढौतरी	286.70
जिला पानीपत		
पानीपत	1. पानीपत जल वितरण योजना की बढौतरी	816.37
समालखंा	2. समालखा मे जल वितरण	39.59

	योजना की बढौतरी	
जिला रिवाडी		
रिवाडी	1. रिवाडी मे जल वितरण योजना की बढौतरी	320.00
	2. कुतबपुर रिवाडी की विभन्न गलियो मे जल वितरण योजना प्रदान करना	41.16
	3. साधु साहा नगर, अरजन नगर, रिवाडी मे जल सुविधा प्रदान करना	18.66
	4. राम सिंह कुरा, ि ाव कालोनी रिवाडी मे जल	27.40
	5. कंपनी बाग रिवाडी मे जल सुविधा की बढौतरी	3.70
	6. रिवाडी भाहर की जल वितरण योजना की बढौतरी	250.00
जिला		

रोहतक		
रोहतक	1. रोहतक मे जल वितरण योजना की बढौतरी	410.00
	2. इदिरा कालोनी रोहतक मे जल सुविधा प्रदान करना	22.46
	3. रोहतक की विभिन्न कालोनियो मे पाईप लाईन बिछान बारे	50.00
	4. विजय नगर मे रोहतक मे जल सुविधा प्रदान करना	39.05
	5. रोहतक की पि चम दि ाा के विभिन्न स्थानो पर पाईप लाईन बिछाना मे	94.32
	6. रोहतक मे हनुमान कालोनी मे पाइप लाइन बिछाना	33.26
	7. माडल टाउन रोहतक मे पाईप लाइन बिछाना	18.87
	8. सीनियर सैकेण्डरी स्कूल रोहतक के बूस्टिंग स्टे ान के	14.24

	लिए पाइप लाईन बिछाना	
	9. रोहतक के दूसरे जल घर पर 3.00 एम0जी0रोड का पानी सयन्त्र लगाना	115.00
महम	1. महम मे जल वितरण योजना की बढौतरी	252.50
जिला सोनीपत		
सोनीपत	1. सोनीपत मे रेलवे लाइन की पि चम की तरफ से जल सूविधाप प्रदान करना	410.00
	2. सोनीपत की जल वितरण प्रणाली के लिए छः नलकूप लगाना	47.00
	3. सोनीपत की अस्वीकृत कालोनियो मे जल वितरण सुविधा प्रदान	63.22
गन्नोर	1. गन्नोर मे जल वितरण योजना की बढौतरी	160.00

	2. गांधीनगर गन्नोर मे अतिरिक्त ट्यूबवैल लगाना	7.00
गोहाना	1. गोहाना मे नहर पर आधारित जल जल वितरण योजना जल सुविधा प्रदान करना	885.00
	2. गोहना मे जल वितरण योजना की बढौतरी	45.47
	3. गोहना मे जल वितरण योजना की बढौतरी एवम सुधार	40.00
	4. गोहाना मे विभिन्न मोहल्लो मे जल वितरण सुविधा प्रदान करना	20.00
जिला सिरसा		
सिरसा	1. मिनी सचिवालय, द्वितीय जलघर सिरसा मे जल वितरण योजना की बढौतरी	193.39

	2. सिरसा के आसपास के इलाके मे जल वितरण योजना की बढौतरी	83.37
	3. रामनगरिया सिरसा मे जल वितरण योजना की बढौतरी	20.60
	4. सिरसा मे पांच जलघर बनाना	27.50
	5. कीर्तिनगर सिरसा मे एक ओ0एच0एस0आर0 बनाना	17.50
	6. सिरसा मे जल वितरण योजना की बढौतरी	270.00
	7. खानपुर फ्रैडस कालोनी सिरसा मे एक ट्यूबवैल लगाना	20.00
डबवाली	1. मडी डबवाली मे जल वितरण योजना की बढौतरी	301.00
कालांवाली	1. कांलावाली मे जल वितरण योजना की बढौतरी	40.69

	2. कांलीवाली मे जल वितरण योजना की बढौतरी	245.43
	3. कालांवाली मे जल वितरण प्रणाली व चारदीवारी बनाना	158.00
रानिया	1. रानियां मे जल वितरण योजना की बढौतरी	70.00
ऐलनाबाद	1. ऐलनाबाद मे जल वितरण योजना की बढौतरी	90.00
जिला यमुनानगर		
यमुनानगर	1. यमुनानगर की विभिन्न कालोनियो मे जल वितरण योजना की बढौतरी	473.00
जगाधरी	1. जगाधरी मे जल वितरण योजना की बढौतरी	101.36
	2. जगाधरी मे सरस्वतीए बुरीया चौंक मे जल वितरण योजना की बढौतरी	35.71

Electricity Provided to Farmers

750. Shri Tejvir Singh: Will the Chief Minister be pleased to state the total quantum of electricity in units was supplied to the farmers for agriuclture purpose in the State during the year 1997 to 2001 separately?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): वर्श 1997 से 2001 तक राज्य के ग्रामीण क्षेत्रो को प्रदान की गई बिजली जो कि मूलतः कृशि उद्दे य के लिए उपयोग की गई, उसकी कुल मात्रा के आकडे वर्शानुसार निम्न प्रकार से है:–

वर्श	यूनिट (लाखो मे)	औसत/प्रतिदिन (लाखो मे)
1	2	3
1997–98	63454	174
1998–99	67179	184
1999–2000	80475	220
2000–2001	85516	234
2001–02 अक्तूबर, 2001 तक	54107	253

Construction of raod from Datrath to Kharakgadian

805. Shri Ram Kumar Katwal: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any prposal

under consideration to the Government of construct a road form village Dartath to Kharakgadian in Rajaund Constituency; if so, the details thereof?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): नही, श्रीमानी जी,

Amount released for Rural Development

728. Shri Sita Ram: Will the Chief Minister be pleased to state the tota amount sanctionced/released by the H.R.D.F Board various rural development works in Dabwali Constituency during the period from 11-5-1996 to 27-7-199?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): श्री मानी जी, एच0आर0डी0 स्कीम के तहत ग्रामीण विकास कार्यो के लिए डबवाली हल्का जिला सिरसा मे 11–5–1996 से 24–7–1999 तक की अवधि के दौरान कोई भी रा ि ा स्वीकृत /जारी नही की गई।

Losses in power utilities

755. Shri Puran Singh Dabra: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact the power utilities in the State are incurring commercial losses;

(b) if so, the details of the aforesaid losses during the year 200-2001; and

(c) whether the losses referred to part 'a' above have increased as compared to the year 1999-2000?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला):

(क एवम ख) वर्श 2001–01 के लिए तदर्थ आडिट न किए गए लेखा के अनुसार हरियाणा विधुत इकाइयो को 226.90 करोड रूपए का वाणिज्यिक घाटा हुआ है जिसमे आन्तरिक यूटीलिटी मीटरो की संस्थापना लम्बित होने से वितरण इकाइयो को बेची गई बिजली की यूनिटो के समंजन न होने के कारण 61. 22 करोड रूपए की धनरा ि ा भी भाामिल है।

(ग) नही श्रीमानी, वाणिज्यक घाटा 64.17 प्रति ात कम है अर्थात 1999–2000 के दौरान 633.34 करोड रूपये घाटा था जबकि 2000–01 के दौरान 226.90 करोड रूपए है।

Amount sanctioned for Development Works

720. Shri Dina Ram: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the details of the amount sanctioned/released by H.R.D.F Board in the Dabwali Constituency in Sirsa District and in Badli Contituencyn in Jhajjar District in the First phase of 'Sarkar Apke Dawar Programme' during the period from 5-7-199 to 30-6-2001; and

(b) the details of the amount sanctioned/released by H.R.D.F Schem for the rural development works in Badli Contituency during the period from 11-5-1996 to 24-7-1999?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): श्रीमानी जी, एच0आर0डी0 बोर्ड द्वारा ''सरकार आपके द्वारा'' कार्यक्रम के

अर्न्तगत फेज–1 के दौरान 25.7.1999 से 30.6.2001 तक की अवधि के दौरान निम्न ब्यौरा अनुसार रा ि ा स्वीकृत व जारी की गईः–

(क)			(रा ि ा लाखो मे)
जिला	हल्का	स्वीकृत रा ि ा	जारी रा ि ा
सिरसा	डबवाली	448.15	365.48
झज्जर	बादली	274.83	272.57

(ख) एच0आर0डी0एफ0 स्कीम के तहत ग्रामीण विकास कार्यो के लिए बादली हल्का जिला झज्जर मे 11.5.1996 से 24.7. 1999 तक की अवधि के दौरान 23.30 लाख रूपये की रा ि ा स्वीकृत व जारी की गई।

अतारांकित प्र ान एवम उत्तर

Mid Day Meal

57. Shri Jai Parkash: Will the Chief Minister of State for Education be pleased to state-

(a) the name of schools in which Mid-Day-Meal facility is being provided in the State; and

(b) whether any financial assistance is being provided by the Union Government to the Schools referred to in part (a) above; if so, the details thereof?

ि ाक्षा मंत्री (चौ0 बहादुर सिंह):

(क) मध्याहन पोशाहार की सुविध सभी (8677) राजकीय प्राथमिक स्कूलो तथा 163 राजकीय मान्यता प्राप्त (एडिट) स्कूलो मे दी जा रही है।

(ख) केन्द्रीय सरकार की ओर से प्रत्यक्ष रूप से वितीय सहायता नही दी जा रही है लेकिन मुफत खाधान्न (गेहू/चावल) जो बच्चो मे बांटा जाता है, के साथ परिवहन प्रभार भी भारत सरकार द्वारा दिया जाता है।

Grants for Construction of Stadium

45. Shri Jagjit Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether any request has been received from Dadri Education Society for providing of grant for the construction of Netaji Stadium at Charkhi Dadri; and

(b) if so, the action taken thereon?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला):

(अ) नहीं, श्रीमानी जी।

(ब) उक्त, (अ) के बारे मे प्र ान ही नही उठता।

Encroachment on Government Land In Charkhi Dadri

46. Shri Jagjit Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that ther is an encroachment in large scale on the Government land in Charhi Dadri; and

(b) if so, steps so far taken or proposed to be taken to check the said encrachments?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश गोयल):

(क) नही, श्री मान जी।

नगरपालिका, चरखीदादी मे हरियाणा सरकार या केन्द्रीय सरकार की भूमि पर कोई अतिक्रमण नही है।

(ख) उपरोक्त (क) पर वर्णित स्थिति को मध्यनजर रखते हुए कोई कार्यवाही वांछित नही है।

Repair of Streets

47. Shri Jagjit Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that streets in the Villages of Imlota, Nimri, Bhagwi, Samaspur, Mori, Charkhi, Paintawas-Kalan, Chhapar, Birhi, Mehra, and Kheri Bura are in very bad condition; and

(b) if so, time by which these are likely to be repaired or reconsturcted?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): नही, श्रीमानी जी।

(क) गांव इमलोटा, नीमडी, भागवी, समसपुर, मोडी, चरखी, पैतावास कला, छपपार, बिरही, मेहरा तथा खेडी बूरा मे गलियो की स्थिति संतोशजनक है। इन गावो मे गलियो के निर्माण के लिए उपलब्ध करवाई गई रा ि ा का वितरण सदन पटल पर रखा जाता है

(ख) उक्तानुसार।

विवरण

25–7–1999 से 28–10–2001 तक की अवधि के दौरान की गई रा ि ा

			स्कीम का नाम		रा ि ा (लाखो मे)
1	2	3	4	5	6
इमलोटा	5.0000	.	.	0.328	5.328
नीमडी	3.982	0.250	.	0.120	4.352
भागवी	5.000	.	.	0.315	5.315
समसपुर	5.000	.	.	0.520	5.520

मोडी	.	.	0.400	0.230	0.630
चरखी	10.000	.	1.100	0.448	11.548
पैतावास कलां	.	.	.	0.260	0.260
छप्पार	.	.	.	0.300	0.300
बिरही	1.310	2.500	0.450	0.300	4.560
मेहर	2.00	.	0.850	0.176	3.026
खेडी बूरा	.	.	1.550	0.200	1.750
कुल योग	32.292	2.750	4.350	3.197	42.589

Shortage of Drinking Water

48. Shri Jagjit Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is fact that water supply scheme of the Village Misri, Imlata and Bhageswari is not functioning properly; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to mark it functional properly ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला):

(क) नही, श्रीमानी जी। परन्तु गांव मिसरी, इमलोटा और भागे वरी मे नहरी पानी कम उपलब्ध होने के कारण पीने का पानी की कुछ कमी है।

(ख) पीने के पानी मे बढोतरी करने के लिए अस्थाई तौर पर कम गहराई वाले नलकूप लगाए गए है।

Amont Spent on Sewerae System

55. Capt Ajay Singh Yadav: Will the Chief Minister be pleased to state the details of the amont spent on account of laying of Sewerage lines in various colonies of Rewari City during the year 1998-99, 1999-2000 and 2000-2001 till to date?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): खर्च की गई रा ि ा ब्यौरा

वर्श	रूपये लाखो मे
1998—1999	9.64
1999—2000	12.40
2000—2001	15.04
2001—अब तक	2.28

Modernisation of Police Force

56. Shri Karan Singh Dalal: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total amount earmarked for the modernisation of Police Force during the year 1988;

(b) the detail of the amount spent out of the amount referred to in part (a) above; and

(c) the details of the amount spent on each item during the aforesaid period togetherwith the said items are working in order?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला):

(क) वर्श 1988 मे पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिये 30 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है।

(ख) सूचि सदन पटल के समक्ष रखी गई है।

(ग) सूचि मे द ार्यी गई सभी वस्तुए सुचारू रूप से कार्य कर रही है सिवाय मैटल–डिटैक्टर के जो रूपये 77,896/– के खरीदे गये थे उसे वर्श 2001 मे बाई बैक स्कीम के तहत नये खरीदे किये गये है।

सूचि

राज्य अपराध अन्वे ान ब्यूरो

रूपये 1621100

क्रमसख्या	वस्तु	रा ि ा
1	2	3
1.	7 न0 डाटा एन्ट्री डिवाईस	400000
2.	10 न0 पी0सी0 छिपाई यन्त्र के साथ	600000
3.	अप ग्रेडे ान डाटा एन्ट्री डिवाईस	350000
4.	4 न0 एस0एल0आ0 कैमरे के साथ सम्बन्धित वस्तुए	140000
5.	छपाई यन्त्र की सम्बन्धित वस्तुए के साथ	120000
6.	एक्सपोजर मापदण्ड यन्त्र	11100
	कुल योग	**1621100**

दूर सचार **रूपये 2884772/–**

क्रमसख्या	वस्तु	रा ि ा
1	2	3
1.	40 न0 वाकी टाकी यन्त्र	282000

2.	10 न0 एस0एस0बी0 यन्त्र	900000
3.	6 न0 बैस्ट के साथ वी0डी0 यू+छापाई यन्त्र एल0एच0पी0 219 यन्त्र	1555772
4.	10 प्रति ात 4 न0 बैस्ट यन्त्र की बकाया रा ि ा	147000
	कुल योग	**2884772**

पुलिस परिक्षण केन्द्र **रूपये**

14999/–

क्रमसख्या	वस्तु	रा ि ा
1	2	3
1.	प्र ि ाक्षण की किताबो की खरीद	14999
	कुल योग	**14999**

न्याय वैदिक प्रयोग ाला **रूपये**

408699/–

क्रमसख्या	वस्तु	रा ि ा
1	2	3

1.	डिजिटल ईमेज प्रोसैसिंग सिस्टम	258699
2.	पोरटेबल एक्स रे यूनिट	150000
	कुल योग	**408699**

पुलिस महानिदे ाक (मुख्यालय) मैटल–डिटैक्टर रूपये 77896/–

क्रमसख्या	वस्तु	रा ि ा
1	2	3
1.	राज्य अपराध अन्वे ान ब्यूरो	1621000
2.	दूर संचार	2884772
3.	पुलिस प्र ि ाक्षण केन्द्र	0014999
4.	पुलिस महानिदे ाक (मुख्यालय)	0077896
	कुल योग	**5006466**

Up-Gradation of Primary Schools

58. Shri Krishan Lal: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the following Primary Schools to High School of District Panipat:-

(i)	GGP.S Bhaupur
(ii)	G.P.S Pathri;
(iii)	GGP.S Mandi:
(iv)	GGP.S Sheenkh;
(v)	G.P.S Urlana Khurd; and
(vi)	G.P.S Mohmedpur; and

(b) if so, the time by which the aforesaid propoal is likely to be materialized?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ0 बहादुर सिंह):

(क) सामान्यतः प्राथमि विधालयो को केवल माध्यमिक स्तर तक ही स्तरोत्रत किया जाता है न कि सीधे ही उच्च स्तर तक। निम्नलिखित विधालयो को माध्यमिक स्तर तक स्तरोत्रत करने के प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है।

(i) राजकीय प्राथमिक पाठ ाला पथेडी

(ii) राजकीय कन्या प्राथमिक पाठ ाला मण्डी

(iii) राजकीय कन्या प्राथमिक पाठ ाला सीक

(ख) विधिवत औपचारिकताये पूर्ण करने तथा वितीय स्वीकृति प्राप्त होते ही विधालयो का स्तरोत्रत कर दिया जायेगा।

Opening of New Schools

59. Shri Krishan Lal: Will the Chief Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open New Primary School in the following Village of Distirct Panipat:

(i) GP.S. Dera Urlana;

(ii) G.GP.S Dhar;

(iii) GGP.S Kabri

(iv) GP.S Nain;

(v) G.P.S Vikas Nagar (Panipat); and

(vi) G.P.S Ram Nagar Jeetgarh (Garhi Sikanderpur); and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ0 बहादुर सिंह):

(क) जी, नही।

(ख) ऊपर (क) के दृश्टिगत प्र ान ही नही उठता।

Upgradation of Middle Schools

60. Shri Krishan Lal: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the following Middle Schools to High Shools of District Panipat:

(i) GM.S Chandoli;

(ii) GM.S Balana;

(iii) G.M.S Nauhra;

(iv) G.M.S Brahman Majra;

(v) G.M.S Ahar;

(vi) G.M.S Baandh; and

(viii) G.M.S Diwana; and

(b) if so, the time by which the aforeasid proposal is likely to be materaized?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ0 बहादुर सिंह):

(क) जी हां, श्रीमानी जी। राजकीय माध्यमिक विधालय चण्दोली, अहर, बलाना, नोहरा, बान्ध तथा दिवान को स्तरोत्रत करने का प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है।

(ख) विधिवत औपचारिकाये पूर्ण करने तथा वितीय स्वीकृति प्राप्त होने ही इन विधालयो का स्तरोत्रत कर दिया जायेगा।

Upgradation of High Schools

61. Shri Krishan Lal: Will the Chief Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the following High Schools to Senior Secondary Shools of District Panipat:

(i) GH.S Bhandari;

(ii) GH.S Dhar;

(iii) GH.S Naultha;

(iv) GH.S Bhodod;

(v) GH.S Seenkh;

(vi) GH.S Pardhana;

(vii) GH.S Buana Lakhu;

(viii) GH.S Shahpur,

(ix) GH.S Kalkha; and

(x) GH.S Urlana Kalan; and

(b) if so, the time by which these are likely to be upgraded?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ0 बहादुर सिंह):

(क) जी हां, श्रीमानी जी। राजकीय उच्च विधालय नौलथा, सींक तथा भााहपुर का स्तरोत्रत करने का मामला सरकार के विचारधीन है।

(ख) विधिवत औपचारिकताये पूर्ण करने तथा वितीय स्वीकृति प्राप्त होते ही इन विधालयो को स्तरोत्रत कर दिया जायेगा।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

हरियाणा राज्य मे गृहो करो के सबध मे नई नीति बनाने सबंधी

Mr. Speaker: Hob'ble membrs, I have reveived a Calling Attention Notice from Shri Nafe Singh Rathi and Shri Anil Vij, MLA regarding the making of new policy in regard to the House Taxes in the Station of Haryana. I admit it. Shri Nafe Singh Rathi may read his notice.

श्री धर्मबीर सिंहः सर, हमारी भी सिवानी फीडर के बारे के काल अटै ान मो ान थी उसका क्या हुआ है।

श्री अध्यक्षः इस बारे मे मैटर अन्डर कंसीड्रैसन है। (ाोर एवम व्यवाधन)

श्री नफे सिंह राठीः मै इस सरकार सदन का ध्यान हरियाणा राज्य मे गृह करो के सम्बन्ध मे नई नीति बनाने, जिसे राज्य सरकार द्वारा हाल ही मे बनाया गया था जो एक लोकप्रिय नीति है, के सम्बन्ध मे एक आव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हू। पंरतु जनहित मे ऐसा प्रतीत होता है कि हरियाणा राज्य मे बनाई गई इस नई गृह कर नीति को ज्यादा

लोकप्रिय तथा पारद र्ी बनाने के लिए उक्त नीति मे कुछ सं ाोधनो/सुधारो की आव यकता है।

अतः मै सरकार को इस सम्बन्ध मे सदन मे एक वक्तव्य देने के लिए निवेदन करना चाहता हू। (ाोर एवम व्यवाधन)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जांए। जिन्होने इस बारे मे लिख कर दिया हुआ है उन सबको एक एक सप्लीमैटरी अलाऊ कर देगे। (ाोर एवम व्यवाधन) आप सब बैठ जाएं। (विघ्न)

श्री नफे सिह राठीः इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, मै यह भी कहना चाहता हू कि हरियाणा सरकार स्व0 ताऊ देवी लाल के उस नारे को चरितार्थ करती है कि लोकराज लोकराज से चलता है। अध्यक्ष महोदय, हाऊस टैक्स की जो पेालिसी बनी है वह बहुत अच्छी पोलिसी है। स्पीकर साहब, इस पालिसी के बनने से पहले गृह कर की कोई भी पोलिसी हरियाणा मे नही थी। स्पीकर साहब, जो एप्रोच वाले लोग होते थे वे अपनी मन मर्जी से अपनी बिल्डिंग का हाउस टैक्स लगवा लिया करते थे। उस समय हालत यह थी कि अपनी मन मर्जी से अपनी बिल्डिंग का हाउस टैक्स लगावा लिया करते थे। उस समय हालात यह थी कि जिस बिल्डिंग पर करोडो रूपये लगे होते थे उसका हाउस टैक्स 100 रूपये जाक करवा देते थे। वह बहुत ही अच्छी पोलिसी बनी है, मै इसके लिए सरकार को बधाई देता हू और माननीय मंत्री जी को धन्यवाद देता हू। अध्यक्ष महोदय, कुछ लोगो को टैक्स न देने की

आदत पडी हुई थी इसलिए कांग्रेस के लोगो ने 2 नवम्बर को हरियाणा बंद की काल दे दी। अध्यक्ष महोदय, 2 नवम्बर का बंद कांग्रेस के लोगो को लेकर बैठ गया। बहादुरगढ मे माननीय हुड्डा जी गए थे और वहा पर इन्होने माहौल खराब करने की भरपूर कोि ा ा की थी लेकिन हालात यह रहे है कि किसी भी दुकानदार ने इनकी बात बात नही मानी और 10 बजे हीये अपनी पूछड उठाकर भाग लिए। स्पीकर साहब, ऐसे ही इनके साथ सांपला मे हुआ और पूरा हरियाणा खुला रहा। इनके लाख कोि ा ा करने के बाद भी लोगो ने इनकी नही सुनी।

अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने चुकि पिछले सत्र मे यह स्पश्ट कहा था कि हाउस टैक्स की जो नीति बनने जा रही है इसमे अगर कोई स ाोधन की आव यकता होगी तो हम जनहित के लिए उसमे स ाोधन करेगे। अध्यक्ष महोदय, हमारे ये कांग्रेस के साथी जनहित के किसी भी मामले मे बैठना पसन्द नही करते। अध्यक्ष महोदय, गरीब तथा मध्यम क्षेत्र मे लोगो को इसमे राहत देने की ओर आव यकता है। मै सरकार से निवेदन करूगा कि इसमे थोडा सं ाोधन करने की जरूरत है ताकि लोगो को इसमे और राहत मिल सके। यह पोलिसी अच्छी है। अब से पहले इस तरह की की कोई पोलिसी नही थी। अध्यक्ष महोदय, कुछ खाली पडे प्लाट्स पर भी हाउस टैक्स लगाने की बात हुई है। मै निवेदन करूगा कि खाली पडे प्लाट्स पर टैक्स न लगाया जाए और साथ ही टैक्सो की दरो को भी कम किया

जाए। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बधाई देता हू कि हरियाणा भाहरो मे विकास कार्यो को करवाने के लिए उन्होने दो सौ करोड रूपये से ज्यादा मजूंर किए है और इसकी पहली कि त जारी कर दी हैं। बहादुरगढ के लिए भी साढे अढीतस लाख रूपये दिए गए है।

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र ान है। कांलिग अटै ान मो ान के अलावा उन्होने जों बाते पढी है क्या वह ठीक है? (व्यवधान एवम भाोर)

वक्तव्य

उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी नगर विकास राज्य मंत्री द्वारा

नगर विकास राज्य मंत्री(श्री सुभाश गोयल): सरकार ने अनुभव किया कि भूमि तथ भवनो पर कल निर्धारण की पूर्व नीति, जैसा कि हरियाणा नगरपालिका अधिनियम 1973 की धारा 69 मे प्रदत है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 2 की परिभाशा के साथ पढा जाना है, न तो पारद र्ी थी औरन ही निश्पक्ष थी। यह अनुभव किया गया थ कि इस कर का निर्धारण मनमाने ढंग से किया जाता था और किसी समय तो यह व्यक्ति वि ोश की इच्छा पर निर्भर करता था। यह महसूस किया गया है कि जन साधारण को कर उसके वास्तविक अं ादान से अधिक देना पडता है। दूसरी और, साधन सम्पन्न और प्रभाव ाली व्यक्ति अपनी सम्पति

का कर निर्धारण कम दर पर करवा लेते थे। ऐसे भी मामलो सामने आये जहा साधन सम्पन्न व प्रभाव ाली व्यक्तियो द्वारा दिया जा रहा है, कुछ निहित कारणो से अगले ंपचवर्शीय कर निर्धारण मे बढने की बजाया घटता चलाग गया।

2. यहा तक कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सिविल रिट पैटी ान नम्बर 888 आफ 1996 अलमित्रा एच पटेल बनाम भारत सरकार तथा अन्य से उस द्वारा गठित समीति की सिफारिे ो स्वीकार की जो कि इस प्रकार से है:—

'' सम्पति कर स्थानीय निकायो की आय का एक प्रमुख स्त्रोत है। यह एक विडम्बना है कि सम्पति करो को काफी कम दरो पर लागू किया जाता है तथा यह मुख्यत किराए पर आश्रित है एवम वर्शो से इनका पुननिर्धारिण नही हुआ है। अतः सम्पति स्वामियो को बडे पैमाने पर छुट मिल जाती है। सम्पति कर के आकंलन के तरीके से भी कमियां है। आंकलन समान, क्षेत्रवार सम्पति कर के तरीके को अपनाना चाहिए जिससे कि आंालन सामान, पारद र्ी तथा कम से कम छुट के साथ हो। पटना तथ गुजरात राज्य के सम्पति कर लगाने के तरीके का अध्ययन करके वैसी व्यवस्था अपनाई जा सकी है।''

यह माननीय सुप्रीम कोर्ट के अपने आदे ा थे।

3. कर निर्धारण की प्रक्रिया को तर्कसंगत बनाने और उसमे पारद र्ीत, समानता तथ निश्पक्षता लाने के लिए सरकार ने

एक साधारण अंकगणितीय फार्मूले पर आधारित एक नई प्रणाली आरम्भ की है। नई प्रणाली मे पारदर्िता की झलक इस तथ्य से भी मिलती है कि हरियाणा के इतिहास मे प्रथम बार करदाताओ द्वारा स्वय कर निर्धारण की पे ाके ा की गई है। कर निर्धारण की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए फील्ड स्टाफ को स्पश्ट दि ाा निर्दे ा जारी किये गये थे। प्रथम बार कर निर्धारण के विवरण को कम्प्यूटराईज किया गया ताकि साधन सम्पन्न व प्रभाव ााली व्यक्तियो के लिए आकडो मे किसी भी प्रकार के रद्दोबदल व अनुचित कार्य की सम्भावनाओ को नकारा जा सके। यह आ ाा की जाती है कि इस कर वसूली मे धीरे धीरे सुधार होगा क्योकि यह सारी प्रक्रिया निशपक्ष, पारद र्ी व कम्प्यूटरीकृत है।

4. कर निर्धारण की प्रक्रिया की व्याख्या करने एवम जन साधारण के सहयोग की अपेक्षा के दृश्टिगत मैने स्वय जुलाई माह मे जिला मुख्यालयो का दौरा किया तथा सदन के सम्मानित सदस्यो, पालिकाओ के प्रधानो, उप प्रधानो तथा अन्य चुने हुए सदस्यो व अन्य गणमान्य व्यक्तियो के साथ विचार विम र् किया। मैने पालिकाओ के चुने हुए प्रतिनिधियो को समूची प्रक्रिया का विवरण देते हुए पत्र भी लिखे थे।

5. नगरपालिका कानून के अनुसार प्रत्येक करदाता को कर निर्धारण पर आपति दर्ज करवाने के लिए एक माह का समय दिया जाना होता है। इस परिस्थिति मे जबकि करदाताओ को उनके एतराज आमत्रित करने हेतू नोटिस दिये जा रहे थे सदन के

नेता द्वारा सतापक्ष के विधायको की बुलाई गई एक बैठक मे कुछ वर्गो को राहत देने हेतू सं ाोधन किये जाने बात उठाई गई वहां मौजूदा माननीय सदस्यो ने कर निर्धारण की प्रक्रिया को तर्कसगंत व पारद र्ी बनाने के सरकार के पग की प्र ांसा भी की थी। अतः मैने स्वय सदन के उन सभी सदस्यो जिनके विधानसभा क्षेत्रो मे नगरपालिकाए आती है, (सिवाय फरीदाबाद नगर निगम के जो कि एक अलग विधान द्वारा भाासित है और जहा उक्त तर्कसंगत प्रक्रिया तीन वर्श से भी अधिक समय पूर्व आरम्भ की जा चुकी है) कि बैठके बुलाई। उक्त बुलाई गई दोनो बैठको मे उपस्थित हुए माननीय सदस्यो के विचारो पर ध्यान देते हुए, सरकार पालिका स्तर के चुने हुए प्रतिनिधियो व अन्य वर्गो के प्रतिनिधियो से विचार विर्म ा करके जनहित मे मामले पर पुन विचार करेगी।

6. मै यह बात दोहराना चाहता हू कि हरियाणा वासियो, चाहे वे भाहरी क्षेत्रो मे निवास करते है या ग्रामीण क्षेत्रो मे, के हित चौधरी ओमप्रका ा चौटाला के नेतृत्व मे सरकार के हाथो सुरक्षित है। सरकार का कर अकारण बढाने का कोई इरादा नही है। सरकार की म ांा केवल यह है कि यह प्रक्रिया तर्कसंगत, निश्पक्ष तथा पारद र्ी हो तथा सरकार खुले मन से प्राप्त सभी सुझावो पर गौर करेगी।

क्योकि पीछे के वक्त मे विपक्ष के माननीय सदस्यो ने इसमे काफी अनियमितताए की। जो आज भाोर मचा रहे है उन्होने अनियमितताए की और अपनी मर्जी के अनुसार किसी पर ज्यादा

टैक्स लगा दिया, किसी पर कम लगा दिया। अब हमने माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्दे ाानुसार इसमे ऐसा प्रवाधान कर दिया है कि हम लोग और ये लोग भी इसमे किसी प्रकार से अनियमितताए नह कर सकते। हमने ऐसी पालिसी अमैड करके बनाई है। मै उम्मीद करता हू कि सभी सदस्य इसके बारे मे अपनी सहमति देगे।

श्री अध्यक्षः मागे राम गुप्ता जी, आप बैठ जाए। आपने इस प्रस्ताव के बारे मे कुछ लिखकर नही दिया इसलिए आप इस पर नही बोल सकते है। यह प्रस्ताव श्री अनिल विज का है और इस पर वे सप्लीमैटरी कर सकते है। (विघ्न) आपका प्रस्ताव कांटन क्राप के बारे मे है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, काग्रेस पार्टी की तरफ से एक कालिंग अटै ान मो ान दिया गया है उस पर डिसक ान होनी चाहिये।

श्री अध्यक्षः आपने कालिंग अटै ान मो ान समय पर नही दिया है इसलिए आप बैठ जाइये।

चौ0 जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी की तरफ से एक कालिंस अटै ान मो ान दिया गया है। उस पर डिसक ान होनी चाहिये। सरकार को हमारी पार्टी का बोलने का समय देना चाहिये।

श्री अध्यक्षः आपने कालिंग अटै ान मो ान समय पर नही दिया है। इसलिए आप बैठ जाईये। अब श्री अनिल विज जी सप्लीमैटरी करेगे।

श्री अनिल विजः स्पीकर साहब, अभी हाउस टैक्स के मामले पर मंत्री महोदय ने बहुत विस्तार ने अपना उतर दियां। वह बहुत ठीक है कि हाउस टैक्स के पहले ऐसी कोई पोलिसी ने होने की वजह से एक लम्बे अर्से से इसमे काफी भेदभाव हो रहा था। सरकार ने आखिरकार एक अच्छा कदम उठाया और एक यूनिफार्म हाउस टैक्स पोलिसी बनाई। लेकिन मै पहले भी इस बात को कह चुका हू और इस बात को मैने पिछले सदन मे भी कहा था कि इस हाउस टैक्स पोलिसी मे काफी डिस्क्रिपैसिज है उनको दूरे किया जाना चाहिये। जब पिछले सदन मे हाउस टैक्स के बारे मे बिल विस्तृत किया गया तक माननीय मुख्यमंत्री जी ने यह कहा था कि जिस भी माननीय सदस्य के अच्छे सुझााव आयेगे उनको इसमे भाामिल किया जायेगा और इस पोलिसी को ठीक किया जायेगा। मै इस बात की सराहना करता हू। इस बारे मे सरकार ने सभी विधायको की बैठक भी बुलाई थी उस बैठक मे कुछ विधायक भाामिल नही हुये और जो विधायक भाामिल हुये उन्होन उस बैठक मे अपने कुछ सुझाव रखे जो डिस्क्रिपैसिज है उनके बारे मे सरकार को अवगत कराया। (ाोर एवम व्यवधान) स्पीकर साहब, यह जो नीति बनाई गई है उसके तहत जो हाउस टैक्स लगाया

गया है इससे 60 प्रति ात लोगो को टैक्स पहले से डबल हो गया है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, डबल नही बल्कि दस गुणा टैक्स बढ गया है।

श्री अनिल विजः स्पीकर साहब, मेरे पास सारे आकडे है कुछ लोगो का दस गुणा हो गया होगा जो पहले चोरी करते थे। (हंसी) दस गुणा तो पहले बढा करता था। हम तो इस बारे सकारत्मक डिसक ान कर रहे है। हमने जो अपने सुझाव दिये थे उसका उतर जानना चाहते है। इस हाउस टैक्स से जो डिस्क्रिपैसिज है, वह यह है कि जो कामि ियल बिल्डिग्ज है उनको इस हाउस टैक्स पोलिसी मे 50 प्रति ात स्पे ाल रिबेट नही दिया गया क्योकि जो कामाि ियल बिल्डिंग्ज है वे पहले ही कलैक्टर रेट दे रही है जो रेजीडैि ायल से कई गुणा ज्यादा है और वह भी अब डबल हो गया है। क्योकि उनको इस पर रिबेट नही मिला है इससे यह ज्यादा हो गया है और इसमे जो ओपन लैण्ड रह गई है वह भी टैक्सेबल हो गई है। because land component has been added to it. इस डिस्क्रिपैसिज को बन्द किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हाउस टैक्स की जो नोटिफिके ान भेजी गई है उसम जो टैक्स है वह पहली अप्रैल 2000 से मार्च 2001 तक का है तो अध्यक्ष महोदय, मै आपको माध्यम से पूछना चाहूगा कि क्या यह विद रिट्रोसपैक्टिव इफैक्ट लगाया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से एक अन्य बात

कहना चाहता हू कि जो छोटे मकान है यानि जो 50 गज, 60 गज, या 70 गज जमीन बने हुए है और जिन्होने मु ि काल से मकान बनाए है, उनको यह सरकार क्या रिलीफ देना चाहती है, विडोज को, एक्स सर्विसमैन और हैडीकैप्ट को यह सरकार क्या रिलीफ देना चाहती है। अध्यक्ष महोदय, मै आपको माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हू कि इन्होने जो कहा है कि हम इन सुझावो पर गौर करेगे तो यह प्रक्रिया कब तक पूरी होगी।

श्री अध्यक्षः गोयल साहब, आप इकट्ठा जवाब दे देना अभी और सप्लीमैट्री पूछने दे।

श्री कृश्णपाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, मैने भी हाउस टैक्स के बारे मे अपना कालिंग अटै ान दिया था। मै भी सभी सदस्यो को ध्यान मे लाना चाहता हू कि पिछले सै ान मे जब हाउस टैक्स बिल आया था तक भी हमे इस बारे मे आपितया उठाई थी। जो काम कांग्रेस को करना चाहिए था वह मजबूरन हमे करना पडा था। मै कांग्रेस के मित्रो को कहना चाहूगा कि अगर वे हाउस टैक्स के बारे मे इतने गम्भीर थे और चाहते थे कि इससे हरियाणा की जनता को राहत मिले तो जब हाउस टैक्स बिल पिछले सत्र मे आया था उस समय इन को इस पर चर्चा करनी चाहिए थी क्योकि बिल आने से एक दो दिन पहले बिल की कापिया सबको दे दी जाती है। उस समय इनको वाक आउट करके नही जाना चाहिए था। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मै काग्रेंस के साथियो की गम्भीरता इस हाउस को बताना

चाहता हू। हरियाणा के लोगो ने हमो यहा इसलिए भेजा है कि हाउस के अन्दर उनके हितो की रक्षा हम कर सके। जब भी कोई बिल ऐस आप जो जन विरोधी हो तो हमे जनता की बात यहा कहनी चाहिए।

चौधरी भजन लालः लेकिन ये सुनते कहा है।

श्री कृश्णपाल गुर्जरः ये सुन या न सुने लेकिन जनता की बात यहा कहने का हमार फर्ज बनता है। हम दो जगहो पर जनता की बात कह सकता है एक तो विधान सभा मे और दूसरो जब सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए या न जाए यह अलग बात है। लेकिन जब सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और उसमे कोई जनहित का मामला हो तो जनता की बात कहने के लिए हम सबको उस बैठक मे जाना चाहिए न कि उससे बचना चाहिए। एक बात और काग्रेस के मित्रो ने 2 तारीख को बन्द का आहवान किया (ाोर एवम व्यवधान) मै इस महान सदन को बताना चाहूगा कि हाउस टैक्स के बारे मे मेरे कांग्रेस के मित्र कितने गम्भीर है और इनमे कितनी एकता है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः हम आपसे ज्यादा गम्भीर है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब आप बैठ।

श्री कृश्णपाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस ने बंद का आहवहान किया लेकिन कांग्रेस के भाईयो का बंद सफल नही

हुआ क्योकि इन्होने बंद के बारे मे व्यापारियो से पहले बात नही की।

चौधरी जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, कृश्ण पाल जी कैसे कह रहे है कि हमारा बंद सफल नही हुआ। हमने जो बंद किया था वह सफल हुआ है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी प्लीज आप अपनी सीट पर बैठे।

चौधरी जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी जो कुछ कह रहे है वह रिकार्ड न किया जाये। जय प्रका ा जी प्लीज आप बैठे।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के भाई कह रहे थे कि इना बंद सफल इसलिए नही हुआ है कि बी0जे0पी0 वालो ने इनका साथ नही दिया और भाहरो के अंदर बी0जे0पी0 का होल्ड है यह कैप्टन साहब की स्टेटमैट है। इसका मतलब यह हुआ कि भाहर मे रहने वाले लोगो कांग्रैस वाले अपना समर्थक नही मानते।

चौधरी जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, कृश्ण पाल जी को किसने कहा कि हमार बंद असफल रहा।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, मैने दैनिक भास्कर और दैनिक जागरण अखबार मे पढा कि इनका बंद असफल रहा। (ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः .अध्यक्ष महोदय, ...(ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब प्लीज आप बैठे, (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेसी भाई बाहर तो भाोर मचाते रहते है लेकिन इनको जहा बोलना चाहिए वहा ये नही बोलते। इनकी विपक्ष की भूमिका हमे निभानी पड रही है। अध्यक्ष महोदय, बंद विफल होने का तीसरा कारण यह था कि इनके अपने घर मे ही लडाई हो रही थी। एक पक्ष बंद करवा रहा था तो दूसरा पक्ष बंद खुलवा रहा था। (ाोर एवम व्यवधान) मै तो इतना कह रहा हू कि इनकी आपसी लडाई से हरियाणा की जनता का कितना हित हुआ है। हरियाणा की जनता इस मुद्दे पर भारी गंभीर है। इन्होने आपसी गुटबाजी के कारण अपनी पार्टी का तो बेडा गर्क किया ही साथ मे हरियाणा की जनता का भी बेडा गर्क किया है। हरियाणा जनता इनकी बातो मे आने वाली नही है। जो हरकत इन्होने की उससे हरियाणा की जनता को भी काफी परे ाानी हुई। (ाोर एवम व्यवधान)

राव नरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, गुर्जर साहब ऐसे ही अनाप ानाप बात कर रहे है।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः राव साहब मै मौजूदा हाउस टैक्स नीति का समर्थन नही कर रहा। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गुर्जर साहब आप चेयर के माध्यम से अपनी बात कहे। सीधे ने बोले।

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस ने बी0जे0पी0 के विरोध के बावजूद भी बंद सफल करके दिखाय है अगर बी0जे0पी0 मे हिम्मत है तो ये भी बंद करके दिखाये।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, मैने हमे ाा ही मौजूदा हाउस टैक्स नीति का विरोध किया है और आज भी मै उसी बात पर आ रहा हू। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गुर्जर साहब आप सप्लीमैटरी करे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, मुझे यह बात बडे दुख के साथ कहनी पड रही है कि काग्रेसी भाईयो ने बंद को गंभीरता से नही लिया और इनका बंद अंसफल रहा। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता मे नई हाउस टैक्स नीति को लेकर बडा आक्रो ा है। नगर निगामो को इससे अगल छोड दिया है। मै सदन के नेता से पूछना चाहता हू कि क्या

फरीदाबाद के अंदर अमीर लोग नही रहते, पंचकुला के अंदर अमीर लोग नही रहते। गुडगांव हरियाणा का ऐ क्लास सीटी है क्या वहा अमीर आदमी नही रहते। मौजूदा सरकार नई हाउस टैक्स नीति से नगर निगमो को बाहर रखना चाहती है इस बारे मे मै कहना चाहूगा कि एक प्रदे ा मे दो तरह के नियम कैसे चलेगे? (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी मौजूदा हाउस टैक्स नीति के खिलाफ भाुरू से ही आवाज उठती आ रही है। हरियाणा के अंदर जितना हाउस टैक्स बढाया गया है यदि उस सारे के बारे मे मै बोलूगा तो काफी सयम लग जायेगा। मै उसका पूरा रिकार्ड लेकर आया हू। अभी मेरे साथी अनिल विज कह रहे थे कि इस हाउस टैक्स की नीति से टैक्स जस्ट डबाल हुआ है लेकिन यह डबल नही मै कहना चाहता हू कि 1976–77, 1981–82, 1982–83, 1983–84, 1984–85, 1989–90 और 1994–95 मे जो हाउस टैक्स का रेट था उनको बताने लगू तो बहुत समय लगेगा। 1999–2000, 2000–2001 मे हाउस टैक्स की जो पांलिसी लागू की गई है जो आर0सी0सी0 का कोस्ट कंस्ट्रक ान है वह 200 रूपये हो गया है जो पहले 60 रूपये होता था इस तहर से हाउस टैक्स डबल नही बल्कि 10 गुणा से 20 गुण बढा है। उसका कारण यह है कि जो खाली जमीन है जिस पर पहले 60 रूपये से लेकर 100 रूपये प्रति यार्ड के हिसाब से टैक्स लेते थे यदि अब उस जमीन की मार्किट वैल्यू 15000 रूपये है तो अब उस पर 7500 रूपये टैक्स लिया जा रहा है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गुर्जर साहब आप प्र ान पूछे।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, मै हाउस टैक्स नीति पर पहले भी काफी बोल चुका हू यदि अब दोबारा बोलूगा तो काफी समय लगेगा। मै यह मानता हू कि मौजूदा हाउस टैक्स पालिसी ट्रांसपेरैट है लेकिन इसको लागू करने मे हरियाणा की जनता मे काफी आक्रो ा है इससे हरियाणा की जनता की कमर टूट गई है हरियाणा की जनता हाउस टैक्स भरने के काबिल नही है इसलिए इस पर दोबारा से विचार होना चाहिए। कांमि र्यल बिल्डिग्ज पर भी 10 गुणा से 20 गुणा हाउस टैक्स बढा दिया गया है। मौजूदा सरकार ने मार्किट वैल्यू 5000 रूपये से लेकर 15000 रूपये प्रति स्कवेयर यार्ड लगा दी है इस तरह हाउस टैक्स कई गुणा बढ गया है। रैटल पर पहले एक महीने का किराया मल्टीपलाई 12 महीने का किराया और उस पर साढे बारह प्रति ात मेटीनैस चार्जिज डिस्काउंट देकर 10 प्रति ात टैक्स चार्जिज लेते थे और अब उस पर भी कामार्ि यल रेट लिया जायेगां वैसी ही हरियाणा प्रदे ा मे आज मदे की मार है और मैने माननीय मुख्यमंत्री जी का ब्यान पढा था उन्होने कहा था कि हरियाणा मे जमीनो की कीमते बढ रही है लेकिन वारतय मे आज हरियाणा मे जमीनो की कीमत कम हो रही है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गुर्जर साहब प्लीज आप बैठे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, पिछले दो साल से फरीदाबाद मे हुड्डा की एक भी कामर्ियल बिल्डिंग नही बिकी है, कोई भी उन बिल्डिगो की बोली लगाने नही आया। मेरा सवाल यह है कि यह सब इसलिए हो रहा है कि पहले हाउस टैक्स 60 रूपये फीट के हिसाब से लगता था उसको इस सरकार ने बढाकर 200 रूपये फीट कर दिया है। इसी तरह पुरानी बिल्डिंग पर पहले हाउस टैक्स 40 रूपये फीट के हिसाब से लगता था वह अब 100 रूपये फीट कर दिया गया है पहले हर पांच साल बाद हाउस टैक्स मे 25 प्रति ात की वृद्धि होती थी। (ाोर एवम व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, गुर्जर साहब कांलिग अटै ान मो ान पर स्टेटमैट दे रहे है य प्र ान पूछ रहे है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गुर्जर साहब प्लीज आप बैठे।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः स्पीकर साहब, मै एक बात कर अपनी बात समाप्त करूगा। भाहरो के अन्दर जो डोरे के अन्दर मकान थे उन पर प्रति कमरा 20 रूपये से लेकर 40 रूपये तक हाउस टैक्स लगता था लेकिन जो सैक्टरो मे मकान थे उन पर 55 पैसे से लेकर 1 रूपये तक प्रति स्कवेयर फीट के हिसाब से टैक्स लगता था।

श्री अध्यक्षः आप अपनी सबमि ान करे। इस बारे मे स्पश्टीकरण तो सरकार देगी। केवल आप अपनी सप्लीमैटरी पूछे। जरूरी नही कि आप जो कह रहे है वह आथेन्टिक ही हो। आप ठीक कह रहे है या गलत कह रहे है इस बारे मे तो गवर्नमैट ही स्पश्टीकरण दे सकती है।

श्री कृश्णपाल गुर्जरः स्पीकर साहब, मै यह कह रहा हू कि ओपन लैण्ड होने से जो कोस्ट आफ कन्स्ट्रक ान है और जो जमीन की कीमत है उस बारे मे पहले पोलिसी कुछ और थी और अब कुछ और पोलिसी लागू कर दी गई जिससे कई गुना टैक्स बढ गया है। मै मंत्री जी से यह पूछना चाहता हू कि ये जो भारी बढौतरी करने जा रहे है और यह जो जन विरोधी बिल पिछले विधान सभा सै ान मे लेकर आये थे वह ठीक नही है। इन्होने यहा पर कहा है कि उस बिल के सम्बन्ध मे सभी को अपने विचार देने के लिए बुलाया गया था।

श्री अध्यक्षः कृश्ण पाल जी आप भाशण न दे, आप केवल अपनी सप्लीमैटरी पूछे।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः स्पीकर साहब, सभी सदस्यो को बुलाये जाने के बारे मे मेरा यह कहना है कि इन्होने मुझ इस मीटिंग मे बुलाने के काबिल नही समझा। जो विधायक भाहर क्षेत्र से ताल्लुक रखता है उसको भी मीटिंग मे बुलाया जाना इन्होने ठीक नही समझा। इन्होने मुझे हाउस टैक्स सबधित जो मीटिग की

उनमे किसी मीटिंग मे नही बुलाया। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना है कि इस टैक्स की बढौतरी से सारे हरियाणा की जनता दुखी और पीडित है क्योकि हरियाणा की जनता इस टैक्स को जमा कराने मे असमर्थ है। मै अनुरोध करना चाहूगा कि जो टैक्स बढाने जा रहे है क्या सरकार उस पर पुनर्विचार करेगी ताकि हरियाणा की जनता को राहत मिल सके।

श्री अध्यक्षः अब आप बैठ जाए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी की तरफ से यह फेसला लिय गया है कि इस हाउस टैक्स के मामले मे हमारी पार्टी के सदस्य श्री मागेराम गुप्ता जी बोलेगे। आप हमारी तरफ से इस संबध मे गुप्ता जी को बोलने का समय दे दे।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी रूलिग चाहूगा कि क्या कालिग अटै ान मो ान पर कोई मैम्बर सवाल पूछ सकता है या उस पर स्टैटमैट दे सकता है। इस बारे मे कृपया आप अपनी रूलिंग देने का कश्ट करे।

श्री अध्यक्षः केवल प्र ान पूछे जा सकते है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, फिर इस बारे मे कोई भी सदस्य केवल प्र ान के हिसाब से ही प्र ान पूछे न कि यहां

पर स्टेटमैट दे। इनको हाउस की गरिमा बनाये रखते हुए केवल सप्लीमैटरी पूछनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः रूल्ज के हिसाब से तो एक सप्लीमैटरी पूछी जा सकती है।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, इस पर बहुत देर से डिस्क ान हो रही है। अगर हम इस पर 2 मिनट बोल लेगे तो क्या तकलीफ हो जाएगी।

श्री अध्यक्षः बोलने मे किसी को कोई तकलीफ नही है चाहे आप 5 मिनट बोले लेकिन सवाल पूछे।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरी पहली बात तो यह है कि मंत्री महोदय ने इस बात मे जो ब्यान दिया था मै समझता हू कि उसमे जो बेसिक बात थी वह गलत थी। ये प्रोपर्टी हाउस टैक्स का जिकर कर रहे थे। इस बारे मे सरकार दोबार से भाहरो मे जो प्रोपर्टी है उस पर टैक्स लगाए, उस बारे मे जो ये पोलिसी बनाएगे उसका हम विरोध करेगे या समर्थन करेगे यह बाद की बात है। दरअसल यह बात हाउस टैक्स की थी। House Tax is not a prpoerty Tax. It is not an Icome Tax. यह हाउस टैक्स केवल इसी बात पर था कि म्यूनिसिपल कमेटी बन हुए मकानो पर जो फेसेलिटीज देती है उस पर कुछ चार्जिज लिए जाते है। (विघ्न) स्पीकर साहब, अगर आप इस पर मुझे बोलने के लिए दो मिनट का समय दे तो मै अपनी बात स्पश्ट करना चाहता

हू। स्पीकर साहब, क्या भाहर मे मकान बनाना गुनाह हो गया। गुर्जर साहब तो कह रहे थे कि 10 परसैट टैक्स बढ गया।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी आप केवल सप्लीमैटरी पूछे। (ाोर एवम व्यवधान)

परिवहन मंत्री (श्री अ ाोक कुमार): जब आप से सुझाव मागे गए थे उस वक्त तो आप सुझाव देने के लिए आए नही।

श्री मागे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, अरोडा साहब, ठीक कर रहे है कि मंत्री जी हम बुलाया था। हम लोग उस मीटिंग मे क्यो नही आये उस बारे मे भी मै आपको बताना चाहता हू कि हम उस मीटिंग मे इसलिए नही आए कि मंत्री जी को .... नही थी। मंत्री जी ने दो बार इस संबध मे मीटिंग बुलाई और दोनो बार केस मुख्यमंत्री जी को रैफर कर दिया।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी के बारे मे जो भाब्द कहे है रिकार्ड न किया जाये।

श्री मागे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, यह तो रिकार्ड की बात है। (ाोर एवम व्यवधान) मै क्या गलत कह रहा हू। स्पीकर साहब, वट इन रोंग इन माई लैग्वेज। मै यह कह रहा हू कि मंत्री जी ने दो, बार सुझाव देने के लिए मीटिंग बुलाई। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः क्या इन्होने आपको उस मीटिंग मे बुलाया था या नही बुलाया था।

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, आप मेरा जवाब भी तो सुन ले, आप मुझे पहले ही बीच मे रोक रहे है। मै यह कह रहा था कि हम लोग इसलिए नही आए क्योकि मंत्री जी कह रहे है कि मै आपके सुझाव मुख्यमंत्री जी के सामन रखूगा और फेसला मुख्यमंत्री जी ने लेना है। आप यह बताईये कि हम इनके पास पहले जाए या मुख्यमंत्री जी के पास जाए। आज हमे ये आफर कर रहे है। अगर मुख्यमंत्री जी बैठक बुलाते तो हम लोग आते। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मांगे राम गुप्ता जी बार बार कह रहे है कि मंत्री जी को पावर नही थी, इसमे कोई दो राय नही है कि मंत्री जी इसको मंत्री मण्डल मे पास करवा के हाउस मे ले कर आते। क्योकि हाउस मे पहले यह ऐक्ट पास हुआ था। मंत्री मण्डल के जो मंत्री है वे सुझाव लेते है। क्योकि सुझाव लेने के बाद कैबिनेट मे ले जाते है। और with the approval of the Chief Minister यह हो जाता है। पहले यह कैबिनेट मे जाता है और कैबिनेट से approve हो कर बाद मे ordinace होगा या इसको असैम्बली मे पास करवाना पडेगा। लेकिन यह तो सही है कि सुझाव तो पहले मंत्री ही सुनेगा और वह मंत्री हो उसको मुव करेगा। स्पीकर साहब, मांगे राम गुप्ता जी तो खुद मंत्री रहे है इसलिए इनको पता ही है कि कन्सर्न्ड डिपार्टमैंट के द्वारा मंत्री ही

इसको मूव करेगा। मंत्री सुझाव लेते है और जो इनके अच्छे सुझाव होते है उनको डिपार्टमैट वैरीफाई कर के और जांच करके मान लेता है और उसके बाद वह कैबिनेट मे आता है और उसके बाद आर्डिनैस होता है या फिर असैम्बली मे आता है, यह सारी प्रक्रिया है और इसके बारे मे मांगे राम जी खुद जानते है क्योकि इस सारी प्रक्रिया से ये खुद निकले हुए है। यह कहना कि मंत्री जी पावर नही है, यह ठीक नही है । अपने डिपार्टमैट के बारे मे मंत्री को पूरी पावर्ज है इसलिए उन्होने सुझाव मागे, उनको पूरी तरह से authorise किया हुआ था। यह अखबारो मे भी पब्लि ा किया गया था कि अर्बन डिवैल्पमैट मिनिस्टर को एथोराईज किया गया है कि वे पूरे सुझाव सुने और उसके बाद मुख्यमंत्री को सुझाव भैजेगे और मुख्यमंत्री जी उन सुझावो को मानेगे। इस बारे मे मुख्यमंत्री जी की खुद की स्अेटमैट आई थी। अध्यक्ष महोदय, इससे भी फालतू और क्या पावर होगी? खुद मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि वे उनके सुझाव मानेगे। इसके बावजूद भी ये ऐसी बात कर रहे है। स्पीकर साहब, आप इनसे यह कहे कि वे सीधे प्र ान पूछ ले।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप अपनी सीट पर बैठे। (विघ्न) इनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न)चौधरी भजन लाल जी, आप अपनी सीट पर बैठे। श्री मांगे राम गुप्ता जी आप सप्लीमैट्री पूछे।

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मै मंत्री जी से पूछना चाहूगा कि भाहरो मे जो लोग मकान बना रहे है उन पर म्यूनिसिपिल कमेटी हाउस टैक्स की पांलिसी लागू कर रही है क्या लोग टैक्स नही दे रहे थे? यह टैक्स आपकी म्यूनिसिपिल कमेटी ले रही है या नही इस बारे मे मंत्री जी नोट कर ले और आप अपने जवाब मे बता दे। अध्यक्ष महोदय, भाहर मे मकान बनाने के लिए उन्होने प्लांट खरीदा। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप सवाल पूछ भाशण न दे।

श्री मागे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै सवाल ही पूछ रहा हू इसमे क्या दिक्कत आ रही है? आपने भी पानीपत मे कोठी बना रखी है, जब आपको इस पांलिसी के तहत हाउस टैक्स आएगा तो आपको भी पता लग जाएगा। (विघ्न) कोई ऐसी बात नही है वह आप पर भी बराबर लागू होगा। स्पीकर साहब, मै कोई अनुचित बात नही कह रहा हू।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): अध्यक्ष महोदय, मै एक बात कहना चाहूगा। आप इनको यह कहे कि वे कांलिग अटै ान मो ान पर सवाल पूछे भाशण न दे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जो प्लांट हमने या आपने खरीदा उस पर गवर्नमैंट रैवेन्यू और खर्चा आप 12 प्रति ात या 13 प्रति ात देते है उसके बाद 3 प्रति ात

म्यूनिसिपिल चार्जिज अलग से लगते है। 13 प्रति ात रैवैन्यू जमीन पर हर जगह लगता है और 3 प्रति ात चार्जिज म्यूनिसिपिल अलग से चार्ज करती है। उसके बाद जो नक ाा पास करवाते है। 60 रूपये प्रति वर्ग गज के हिसाब से डिवैल्पमैट चार्जिज वसूल करते है। (विघ्न) यह मेरे तेरे का सवाल नही है। अध्यक्ष महोदय, फिर जब उस प्लाट पर मकान बनाएगे तो मैटीरियल वगैरह का और मलबा टैक्स लेते है। स्पीकर साहब, जब हाउस कम्पलीट हो गया तो उस पर बिजली का कनैक ान लेगे। उस कनैक ान पर 25 रूपये प्रति वर्ग गज के हिसाब से उस मकान पर और चार्ज करेगे। (विघ्न) मैने हाउस बनाया है इसीलिए हाउस टैक्स मुझे पर लगा है। अगर मै हाउस नही बनता तो फिर मुझ पर किसी चीज का टैक्स लगाएगे (विघ्न) जो कुछ चार्ज किया जा रहा है मै उसके बारे मे ही बता रहा हू।

श्री अध्यक्षः पानी की टूटी खरीदोगे तो भी सेल टैक्स लगेगा।

श्री मागे राम गुप्ताः सर, मै हाउस टैक्स की बात कर रहा हू। मुझे ऐसे ही मत बहकाओ। मै गुमराह नह हो सकता।

श्री अध्यक्षः मागे राम गुप्ता, जी आप सेठ लोग भी तो टैक्स लेते हो।

श्री मांगे राम गुप्ताः सर, वह सेठाई के नाम का तो थमने ठेका उठा रखा है मैने पता है थारी सेठाई का। ऐसी बात

नही है थम भी भाहरो मे आ गए हो। थम सबसे जो भाानदार कोठिया बना रखी है जब टैक्स लगेगा तक पता चलेगा। स्पीकर साहब, आज किसी का ईट का फ र्ा हो तो उस पर 150 रूपये स्कवेयर यार्ड और मार्वल का फ र्ा हो तो 300 रूपये स्कवेयर यार्ड के हिसाब से टैक्स लगेगा। आपने तो सारे बढिया मार्बल के फ र्ा बना रखे है। हम यह नही चलने देगे कि कही थम उसके 150 रूपये का रेट लगवा कर टैक्स जमा करवा दे।

श्री अध्यक्षः मागे राम जी आप यह बताए कि चुगी खत्म करने के बाद स्टेट मे कुछ डिवैल्पमैट करनी है की नही करनी है।

श्री मागे राम गुप्ताः हम तों कहते है कि आप चुगी नही चगे लगा दो। (हंसी) लेकिन इसको विदड्रा कर लो। अगर हरियाणा के हित की बात है तो कई चुंगे लगा दो सभी लोग चाहते है। आप चुगी की आड मे हाउस टैक्स लगाकर लोगो का सत्याना ा न करा। आज भाहरो मे लोगो को मकान बनाना गुनाह हो गया है।

श्री अध्यक्षः आप भाशण न दे, आप प्र ान पूछे। (ाोर) गुप्ता जी आप बैठे, आपकी बात खत्म हो गई है। (ाोंर एव व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, अगर कोई बिजली का कनैक ान लेता है तो उसके उसके लिए 25 रूपए गज के हिसाब से चार्ज किए जाते है। अगर कोई सीवेरज का कनैक ान

लेगा तो उसकी सिक्योरिटी अलग होगी और मथली चार्जिज अलग होगे। अगर कोई वाटर सप्लाई का कनैक ान लेगा तो उस पर सिक्योरिटी अलग होगी और वाटर चार्जिज अलग होगे। अध्यक्ष महोदय, अगर ये गली मे रो ानी देते है तो उसके लिए भी ये पांच पैसे पर यूनिट के हिसाब से अलग से चार्ज करते है। म्यूनिसिपैलिटी ने भाहरो मे मकान बनाने वालो को ऐसी कौन सी फेसिलिटी दे दी जिसके कारण आपको इतना बडा टैक्स लगाना पड गया।

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश गोयल): मागे राम जी आप प्र ान पर आ जाए तो ज्यादा बैटर रहेगा। आप भाशण देना छोड दे प्र ान पर आ जाए और आप हमारे से उसका जवाब ले लेना। (विघ्न) हम आपको पूरी अच्छी तरह से जवाब दे देगे। आप अपना प्र ान पूछे। (विघ्न) आप किसी तरह की चिन्ता न करे।

श्री मांगे राम गुप्ता: मैने तो भाशण दे दे कर छोड दिए इस भाशण छोड दिए थारे जिम्मे। थमने तो तक पता लगेगा जब जनता के बीच मे जाओगे। मै आपको एक बात बता दू कि अगर यह हाउस टैक्स नही हटाया तो.....

श्री अध्यक्ष: मांगे राम जी आप बैठ जाएं, मुख्यमंत्री जी बोलना चाहते है।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मुझे हैरानी है कि श्री मांगे राम गुप्ता इतने जिम्मेवार आदमी है और ये इस तरह की बात कर रहे है। मै इनको कहना चाहूगा कि यह कोई भाशण देने का मच नही है। ये अपनी सप्लीमैटरी पूछे। इस तरह से हाउस का समय बर्बाद कर रहे है। मांगे राम जी आपके पास कोई सुझाव नही, कोई बात नही, कोई प्रोग्राम नही, कोई नीति नही है। आपको काल अटै ान मो ान पर पता नही कि कौन प्र ान पूछ सकते है? काल अटै ान मो ान पर वे ही प्र ान पूछ सकते है जो सिगनेटरी होती है। आप सिगनेटरी भी नही है फिर भी आपको प्र ान पूछने की छूट दे दी, क्या यह थोडी बात है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूगा कि काल अटै ान मो ान पर दो हम प्र ान पूछे जा सकते है और ये भाशण ही दिए जा रहे है। इस समय पांच बज गए है, यह क्या बात हुई। ये हमे कह रहे है कि जनता के बीच मे जाओगे तो पता चलेगा। क्या जनता का पता नही हमे, जनता ने ही तो आपको साफ करके उधर बिठा दिया। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: गुप्ता जी, एक सप्लीमैटरी की बजाए आपकी अनेक सप्लीमैटरीज हो गई है। (विघ्न) गुप्ता जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाए। आप यू न करे। यह कोई भाशण का समय नही है आप बैठ जाए। आपने जो सुझाव देने थे वे दे दिए अब आप बैठ जाए। (विघ्न) नही, नही आप अपनी सीट पर बैठ जाए। आपके

सुझाव हो गएं। (विघ्न) अब आप कोई सुझाव नही दे सकते है। आप सवाल पूछ सकते है आपकी एक सप्लीमैटरी हो गई है। आप बैठ जाए।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, ये सुझाव नही दे सकते है ये केवल प्र ान ही पूछ सकते है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मागे राम जी आप बैठ जाए। कर्ण सिंह दलाल जी आप अपना प्र ान पूछ ले लेकिन कोई सुझाव नही दे सकते है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जिस विशय के बारे मे सदन मे चर्चा चल रही है यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसमे कोई दो राय नही है कि इस हाउस टैक्स को लेकर प्रदे ा के लोगो मे बहुत भारी बेचैनी है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी एक सवाल भी है और मै उनको एक सुझाव भी देना चाहूगा। अध्यक्ष महोदय, सरकार की अगर हिम्मत है और ये जो विधायको को मीटिंग मे बुलाते है कि सुझाव दो तो उस बारे मे मेरा इनको यह कहना है कि उन सारे सुझावो को लेकर, उनकी सारी समस्याओ को लेकर उन पर विचार करे। आज इन्होने यहा पर गुजरता और पटना राज्य के सम्पति लगाने के तरीके के बारे मे सुप्रीम कोर्ट ने कोई आदे ा दिया है उस का जिकर किया है। अध्यक्ष महोदय, कांस्टीच्यु ान मे 72 वा और 73 वा सं ाोधन करके भारत की पार्लियामैट ने यह कोि ा ा की

कि गावो को और म्यूनिसिपल कमेटीज को पूरा अधिकार दिया जाए कि वे अपने तरीके से वहा भाासन चला सके। अध्यक्ष महोदय, क्या माननीय मंत्री जी हमारे सविधांन की मान्यताओ को देखते हुए, प्रदे ा के लोगो की जरूरतो को देखते हुए और विधायको की सिफारि ाो को देखते हुए क्या सदन की एक कमेटी बनाने के ऊपर विचार करेगे। सदन की एक कमेटी बने और उसमे सभी दलो के सदस्य लिए जाए। इसके अलावा हरियाणा के बडे जो नगर है वहा के पार्शदो को भी उस कमेटी मे भाामिल किया जाना चाहिए। वह कमेटी हरियाणा ही नही बल्कि पूरे हिन्दुस्तान के दूसरे प्रदे ाो मे इस बारे मे जाकर देखे। (विघ्न) स्पीकर साहब, इस सरकार को यह बताना चाहता हू कि वह इस बारे मे अव य सोचे।

श्री अध्यक्षः यह अनपर्लियामैटरी भाब्द कार्यवाही मे रिकार्ड न किया जाए। दलाल साहब, अब आप बैठे।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, आप मेरा सवाल तो पूरा हो जाने दे। आप बताए कि क्या मेरा सवाल पूरा हो गया?

श्री अध्यक्षः हां, आपका सवाल पूरा हो गया। अब आप बैठे।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, एक अहम विशय था जिस पर था तो कांलिंग अटें ान मो ान

लेकिन इस पर बहुत लम्बे चौडे भाशण भी दिये गये। एक घंटे से ऊपर समय पर इस पर लगाया गया। अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार ने जब सत्ता संभाली थी तो उससे पहले म्यूनिसिपल कमेटीज मे हाउस टैक्स की कोई पोलिसी नही थी और कई राजनीतिक दलो की तरफ से चुनाव घोशणा पत्र मे यह मांग की गयी थी कि चुगी समाप्त कर दी जाए। उन दलो की साढे तीन साल सरकार भी रही लेकिन उस मुद्दे के चुनाव घोशणा पत्र मे दर्ज होने के बावजूद भी उन्होन चुगी समाप्त नही की। पहले चुंगी की आड लेकर जो भाहरियो को अपमानित किया जाता था, हमारी सरकार सत्ता मे आते ही हमने उस चुंगी को समाप्त किया। चुनाव भी हुए। आज जो दावा करते है और जो हरियाणा बदं की काल देकर पूर्ण रूप से विफल हो गये, उन्ही को भाहरी मतदाता ने पूर्ण रूप से धनरा ाी कर दिया था और सही सही कसन म्यूनिसिपल चुनाव मे उन मतदाताओ ने पूरी कर दी थी। 95 प्रति ात म्यूनिसिपल कमैटीज के चुने हुए प्रतिनिधियो की मीटिग बुला कर उनसे खुालकर विचार विम र्ा किया कि म्यूनिसिपल निजाम को आप कैसे चलाएगे। भाहरो मे सफाई की, लाईट की, सीवरेज की, पीने के पानी की और दूसरी व्यवस्थाए कैसे कायम की जाए। अध्यक्ष महोदय, जो लोग यह कहने वाले थे कि हम चुंगी समाप्त कर दैगे वे भी अब यही कहते है कि चुंगी फिर लगा दी जाए। गुप्ता जीने इसी सदन मे अभी कहा था कि यह फिर लगा दी जाए। लेकिन हमने लोगो से कहा कि इसका निर्णय भी जनता ही करेगी हमने नही करना। हमने यह मामला उन लोगो पर

छोड दिया कि अगर म्यूनिसिपल कमेटीज चुगी लगाना चाहती है तो वे इस बारे मे रैजोल्यू ान पास करे। आखिर म्यूनिसिपल निजाम को चलाने के लिए म्यूनिसिपल कमेटी को नि चत रूप से अपने टैक्स लगाने की पडेगे। चूकि हम इंग्लैड के कांस्टीच्यू ान को फालो करते है तो वहां पर बजट प्रस्तुत करने से पहले एक वर्श तक वहा की जनता से उस बारे मे पूछा जाता है खुली डिसक ान होती है कि क्या उससे कोई दिक्कत है क्या ज्यादा टैक्स लग गये।

श्री कर्ण सिंह दलालः आप इंग्लैड के किस कांस्टीच्यू ान की बात कर रहे है। वहां पर कौन सा कांस्टीच्यू ान है?

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप बैठे। सी0एम0 साहब बोल रहे हैं वहा का सविधान अलिखित है आप बैठ जाए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इन्हे भाायद ध्यान नही कि भारतवर्श भी इंग्लैड के सविधान को ही फालो करता है।

17.00 बजे

श्री अध्यक्षः रघुबीर सिह कादयान साहब, आप बैठ जाइए। (ाोर एवम विघ्न) कर्ण सिंह दलाल, आप बैठ जाये। लीडर आफ दि हाउस बोल रहे है आप बैठ जाइए। (ाोर एवम विघ्न)

श्री रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, अंडर रूल 73 मेरा प्वाइट आफ आर्डर है और मै इस विशय पर आपकी रूंलिग चाहता हू। (ाोर एवम विघ्न) आप इस बारे मे रूंलिग दीजिए। (ाोर एवम विघ्न) हम अपने दम पर चुनकर आए है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। आपसे निवेदन है कि हाउस टैक्स का मैटर बडा ही सीरियस मैटर है। सारे प्रदे ा मे लोगो मे इससे बडा रोश है।(ाोर)

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी जो कुछ कर रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। भजन लाल जी, आप बैठ जाइए। आपकी बात रिकार्ड नही हो रही है। (ाोर एवम विघ्न)

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश गोयल): आपको सुझाव के लिए आमत्रित किया था, आप नही आए अब कम से कम हाउस मे तो अपने सुझाव दे दे। पहले तो आपने बनिस्बत कटाक्ष करने के और सुझाव नही दिए। आपने दुकाने बंद कराने का प्रतिश्ठान खोलकर लोगो की दुकाने बंद कराने के अलावा और कोई सुझाव नही दिये। (ाोर)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, हमारे जिन एम0एल0एज0 को हाउस टैक्स के बारे मे सुझाव के लिए बुलाया गया था उसमे उन्हे यह लिखा गया थ कि उनसे फउामैटल प्राईस पर सजे ान नही लेगे। (ाोर एवम विघ्न) जो आज आपक

अखबारो मे बयान आया था वह यह था कि गृह कर के बारे मे सुझाव देने के लिए जो एम0एल0 भाहरो के बुलाए थे उसमे यह लिखा था कि हम कोई सजै ान फंडामैटल प्राईस पर नही लेगे। (ाोर एवम विघ्न)

श्री सुभाश गोयलः ऐसी कोई बात नही थी। (ाोर एवम विघ्न) ऐसी कोई बात बिल्कुल नही थी। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, हमने इतिहास पढा, हम वि ववविधालय मे पढे है और ला ग्रेजुए ान की लेकिन हमे आज तक यह पता नही लगा कि इंग्लैड ने सविधान कब बना लिया। मुख्यमंत्री जी ने वहा सविधान की बात बताई है। इंग्लैड मे सविधान कब बना इसके बारे मे आप रूलिंग दे। मुख्यमंत्री जी तो मैट्रिक पास है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह दलाल, आप बैठ जाइए। आपको ये बात पूछने की अनुमति किसने दी है बिना अनुमति के आप यहा नही बोल सकते हैं आप बैठ जाएं। (ाोर एवम विघ्न) वहा अनरिटन कांस्टीच्यू ान है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरे सामने एक बडी दुविधा है कि एक बार चौधरी भजन लाल जी का सदस्य खडा हो जाता है और दूसरी बार चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी

का सदस्य खडा हो जाता है हम इनको कैसे बैठाये। इनको आप समझाओ।

श्री रघबुरी सिंह कादयानः स्पीकर साहब, हमारी पार्टी ने काम रोको प्रस्ताव का नोटिस दिया था आप हमे इस बारे मे रूलिंग दे कि उस प्रस्ताव पर इस सदन मे डिबेट करवायी जा सकती है या नही। हम इस बारे मे रूंलिग चाहते है।

श्री अध्यक्षः आपके उस प्रस्ताव पर कोई डिबेड नही करवाई जा सकती है। मैने चौधरी भजन लाल जी को कहा था कि आप उस प्रस्ताव के बारे मे सप्लीमैटरी प्र ान पूछ सकते है। परन्तु चौधरी भजनलाल जी ने कहा कि हमारी पार्टी की तरफ से श्री मांगे राम गुप्ता जी बोलेगे। आपको तो इस बारे मे चौधरी भजन लाल जी ने अथोराईज ही नही किया फिर आप क्यो बोल रहे है इसलिए आप बैठ जाईये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, आप इस बारे मे रूलिंग दीजिये।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठ जाइये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, काम रोको प्रस्ताव के बारे मे अण्डर रूल 60 हाउस टैक्स के बारे मे डिबेट करवाई जा सकती है या नही आप रूलिंग दे।

श्री अध्यक्षः आपके उस प्रस्ताव पर कोई डिबेट नही करवाई जा सकती। मैने चौधरी भजन लाल जी को कहा था कि आप उस प्रस्ताव के बारे मे सप्लीमैटरी प्र ान पूछ सकते है। परन्तु चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि हमारी पार्टी की तरफ से श्री मांगे राम गुप्ता जी बोलेगे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः मोहम्मद तुगलक भी स्नातक था (ाोर एवम व्यवधान) लेकिन उससे कोई सलाह नही लेता था। (ाोर एवम व्यवधान)

घोशणाए

(क) अध्यक्ष द्वारा

(i) चेयर पर्सनन के नामो की सूचि

Mr. Speaker: Hon'ble Members, undr Rule 13 (1) of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the panel of Chariperson-

1. Shri Bhagwan Sahai Rawat. MLA

2. Shri Rajinder Singh Bisla, M.L.A

3. Shri Ajay Singh, M.L.A

4. Smt. Sarita Narain, M.L.A

(ii) याचिका समिति

Mr. Speaker: Hon'ble Members, undr Rule 303 (1) of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the Committee of Petiton:-

1.	Shri Gopi Chand Gahlot, Deputy Speaker	Ex Officio Chariperson
2.	Shri Bhagwan Sahai Rawat. MLA	Member
3.	Smt. Veena Chhibbar, M.L.A	do
4.	Shri Abhay Singh Chautala, M.L.A	do
5.	Shri Zakir Hussain, M.L.A	do

(iii)श्री चन्द्र सिह भाटिया, एम0एल0ए0 की रिहाई

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received the following communication from the Superintendent, Central Jail, Ambala-

"It is intimated that Shri Chander Bhatia, M.L.A, Faridabad who was confined in this Jail has been released on 3-11-2001 on interim bail for a week by the order of Special Judge, Ambala (.) He has been directed to surrender in this jail on 11-11-2000 (.)"

(iv) याचिका समिति

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a letter from Shri Chander Bhatia, M.L.A which is as under:-

"With regrd I want to convey that I am under arrest in case FIR No. 6/98 u/s 395/450/506/I.P.S, P.S C.B.I New Delhi. At present I am on bail on medical ground and is under treatment in Escort Hospital Faridabad, I may kindly be exempted from attending the Vidhan Sabha Session."

Is it pleasure of the House that leave of absence be granted to Shri Chander Bhan, M.L.A to remani for the current Session of the Haryana Vidhan Sabha.

Voices: Yes

The leave is ground

(ख) सचिव द्वारा

(I) राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गऐ बिलो संबधी।

Mr. Speaker: Now, the Secretary Will make annoucement.

श्री सचिवः महोदय, मै उन विधेयको को द र्ाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने मार्च, 2001 तथा जून, 2001 मे हुए सत्रो मे पारित किए थे तथा जि पर राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दे दी। मै सादर सदन की मेज पर रखता हू।

March Session 2001

1. The Societice Registration (Haryana Amendement) Bill, 2001

June Session, 2001

1. The Haryana Municipal Corporation (Amendement) Bill, 2001.

2. The Good Conduct Prisoners Probational Relaeas (Repeal) Bill, 2001.

3. The Haryana Local Area Development Tax (Amendement) Bill, 2001.

4. The Haryana General Sales Taxes (Amendement) Bill, 2001.

5. The Hayana Appropriation (No. 3) Bill, 2001.

6. The Punjab New Capital (Periphery) Control (Haryana Amendement) Bill, 2001.

(II) संविधान (इक्यानेवा सं ोधन) विधेयक, 2000 के अनुसमर्थन के संबंध मे राज्य सभा से प्राप्त दस्तावेज।

Mr. Secretary: Sir, I also beg to lay on the Table of the House a copy each of the following document received from the Council of States regarding the ratification of the Constitution (Ninety-First Amendment) Bill, 2000:-

1. Letter dated 11th September, 2001, received from the Joind Secretary, Rajya Sabha, New Delhi;

2. The Constitution (Ninety-First Amendment) Bill, 2000 (English and Hindi versions) as introduced in the House of People;

3. The Constitution (Ninety-First Amendment) Bill, 2000 (English and Hindi versions) as passed by the House of parliament;

4. Lok Sabha Debate on the Constitution (Ninety-First Amendment) Bill, 2000 and

5. Rajiva Sabha Debate on the Constitution (Ninety-First Amendment) Bill, 2000 and

नियम 30 के निलम्बन के लिए नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will move motion under Rule 121 for suspesion of Rule 30.

Finance Minister (Prof Sampat Singh) : Sir, I beg to move-

That rule 30 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government business on Thursday, the 8th November, 2001.

Sir, I also beg to move

That rule 30 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in Government business be transaced on Thursday, the 8th November, 2001.

Mr. Speaker: Motion moved-

That rule 30 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government business on Thursday, the 8th November, 2001.

and

That rule 30 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in Government business be transaced on Thursday, the 8th November, 2001.

श्री मागे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मैने ब्रीज आफ प्रिवीलेज का नोटिस दे रखा है उसके बारे मे क्या फेसला हुआ, मुझे बताए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आज बी0ए0सी0 की मीटिंग थी उसमे मैटर आया कि आज के दो दिन को ओफि ियल डे मे तबदील किया जाएगा। इससे ज्यादती और इसस बुरी बात और क्या हो सकती है कि जिस दिन नांन ओफि ियल डे हो उसको ओफि ियल डे मे कन्वर्ट कर दिया गया हो। हरियाणा के इतिहास मे भाायद यह पहला मौका है। मै भी 12 साल तक हरियाणा प्रदे ा का मुख्यमंत्री रहा हू। ऐसी एक भी मिसाल बता दे कि मेरे मुख्यमंत्री के दौरान नान आफिसीयल डे को सै ान असैम्बल किया हो और नांन आफि ियल डे को आफि ियल डे मे बदला गया हो। अगर ऐसी मिसाल मेरे मुख्यमंत्री काल के दौरान मिल जाये तो मै सदन से अभी त्यागपत्र

दे दूगा और अपने घर चला जाऊगां। अध्यक्ष महोदय, नान आफि ायल डे को आफि ायल डे मे बदला जाये और उस दिन हाउस असैम्बल किया जाये इससे बुरी और क्या बात हो सकती है। यह मैबरो के साथ अन्याय है इससे पहले चौटाला साहब के कार्यकाल मे भी ऐसा नही हुआ इसलिए मेहरबानी करके इसको तबदील न करो।

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता ने अभी कहा कि इससे पहले नांन आफि ायल डे को सै ान असैम्बल नही हुआ और इस तरह नांन आफि ायल डे को सरकारी दिवस के रूप मे नही बदला गया, पहले ऐसा हुआ हो तो विपक्ष के नेता अपनी सदस्यता से त्याग पत्र दे देगे और अपने घर चले जायेगे।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मैने यह नही कहा कि कभी भी ऐसा नही हुआ मैने यह कहा था कि यदि मेरे मुख्यमंत्री काल मे ऐसा हुआ हो तो मै त्यागपत्र दे दूंगा। (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, विपक्ष के नेता अपनी बात से मुकर रहे है। इन्होने जो कुछ कहा है वह रिकार्ड की बात है। जो कुछ इन्होने कहा उसकी रिकार्डिग भी हुई है और उसको लिखा भी गया है। उसको पढवाकर देख लो। इन्होने यही कहा था कि अब से पहले ऐसा कभी नही हुआ कि नांन आफि ायल डे

को हाउस असैम्बल हुआ हो और उस दिन को आफिि ायल डे मे बदला गया हो। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने अपने मुख्यमंत्री काल के समय के बारे मे कहा था। (ाोर एवम व्यवधान) कि मैने सै ान का पहला दिन कभी भी नांन आफिि ायल डे के दिन नही बुलाया।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल प्लीज आप बैठे। (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, 28–1–1999 को चौधरी बसी लाल जी के मुख्यमंत्री काल के दौरान आफिि ायल डे को सै ान बुलाया गया था और कर्ण सिंह दलाल उस समय पार्लियामैटरी अर्फयर्ज मंत्री थे। उन्होने ही उस समय स्पीकर साहब, को नांन आफिि ायल डे को आफिि ायल डे मे बदलने के लिए रिक्वैस्ट की थी और उस समय नांन आफिि ायल डे को आफिि ायल डे मे कन्वर्ट किया गया था यह रिकार्ड की बात है। यह रिकार्ड 28 जनवरी, 1999 से 10 फरवरी 1999 के वि ोशाक मे है। स्पीकर साहब, यदि विपक्ष के नेता अपनी बात कहकहर मुकरे तेा अलग बात है वरना इनको अपनी कही हुई बात पर कायम रहना चाहिए और त्यागपत्र देकर अपने घर चले जाना चाहिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने अपने मुख्यमंत्री काल के समय के बारे मे कहा था। (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता यदि अपनी बात पर कायम रहते है तो इनका त्यागपत्र बनता है यदि ये अपनी बात पर कायम नही रहते तो अलग बात है। हम इनसे त्यागपत्र नही मांग रहे ये स्वय ही कह रहे थे इसलिए हम कह रहे है।

Mr. Speaker: Question is:-

That rule 30 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government business on Thursday, the 8th November, 2001.

and

That rule 30 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in Government business be transaced on Thursday, the 8th November, 2001.

The motion was carried

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय मै आपकी इजाजत से एक बात कहना चाहता हू कि चौधरी भजन लाल जी ने इसमे भी कमाई की है क्याकि वे व्यापारी है। (ाोर)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

श्री कर्ण सिंह दलाल, एम0एल0ए0 द्वारा

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, प्रो0 सम्पत सिंह जी ने मेरा नाम लिया है इसलिए मै अपनी पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हू। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आपकी पर्सनल एक्सप्लेने ान क्या है।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, पिछली सरकारो ने चाहे वह हमारी सरकार थी और चाहे वह चौधरी भजन लाल जी की सरकार थी वह गलती यह सरकार करेगी। स्पीकर साहब, नान आफि ियल डे विधायको के बोलने के लिए एक बहुत अच्छा मौका होता है और उस दिन ि ाक्षा के बारे मे और नहरो की व्यवस्था पर बहुत अच्छी चर्चा हो सकती है। स्पीकर साहब, मै आपमे माध्यम से यह कहना चाहूगा कि अगर प्रदे ा की जनता की भलाई के लिए सरकारी पक्ष के किसी मैम्बर की तरफ से आज कोई रैजोल्यू ान आता है तो हम प्रदे ा के लोगो की भलाई के बारे मे अपने सुझाव देगे लेकिन यह सरकार हमारे से डरती है लेकिन मुझे यह पता नही है कि यह सरकार हमारे से क्यो डरती है। (ाोर)

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मै तो यही कहना चाहता था कि चौधरी भजन लाल जीने इसमे भी कमाई की है क्योकि वे खुद व्यापारी है। किसी बनिये से कोई गलती होगी तो उससे अदालत ने सजा के लिए पूछा कि आपने

फांसी पर चढना है या सूली पर चढना है। तो उसने कहा कि जिसमे मुझे फायदा है वही सजा आप मुझे दे दे। वही बात चौधरी भजन लाल जी कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, आप असैम्बली का पिछला रिकार्ड निकलवा कर देखे ले कभी इन्होन इस्तीफा देने की बात कही है और कभी इन्होने सूसाइड करने की बात कही है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने अपनी जिन्दगी मे कभी कोई गलत काम नही किया। (ाोर)

बिजैनस कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I report the time table of various business fixed by the Busniss Advisory Committee, as under-

The Committee met at 11.00 A.M on Thrusday, the 8th November, 2001 in the Chamer of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs the Assembly, whilst in Session, shall meet on Thrusday, the 8th November, 2001 at 2.00 A.M and ajjourn at 6.30 P.M without quesiton being put. On Friday , 9th the November, 2001 the Assembly shall meet at 9-30 A.M and adjourn after the conclusion of the Business entered in the List of Business for the day.

The committee after some discussion also recommends that the business on 8th & 9th November, 2001, be transacted by the Sabha as follows:-

Tuesday, The 8th November, 2001	1. Obituary References
	2. Question Hour
	3. Motion under Rule 121 for suspension of the Rule
2.00 P.M	4. Presentation, and adoption of First Report of the Business Advisory Committee.
	5. Paper to be laid/re-laid on the Table of the House.
Friday, the 9th November, 2001	1. Question Hour
	2. Motion under Rule 15 regarding Non Stop sitting
	3. Motion under Rule 16 regarding adjournment of the Sabha Sine die
9.30. A.M	4. Paper to be laid
	5. Official Resolution
	6. Legislative Business
	7. Any Other Business."

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion regarding the adoption of First Report of the Business Advisory Committee.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move-

That this House agrees with the recommedations contained in the First Report of Business Adviosry Committee.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House agrees with the recommedations contained in the First Report of Business Adviosry Committee.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की मीटिग मे ऐसा कोई फेसला नही हुआ था जो इन्होने अब यहा पर रख दिया है।

श्री अध्यक्षः वहा पर जो फेसला हुआ था वह रिकार्ड पर है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, वहा पर धीरपाल जी व सम्पत सिंह जी भी बैठे थे।ये तो बेचारे उस तरह है जैसे गऊ का बछिया है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इनका कोई कहना नही मानता, इसलिए ये इस तरह की बात कर रहे है।

चौधरी भजन लालः इनकी हालत बहुत खराब है।

श्री अध्यक्षः वहा पर राम भक्त जी भी बैठे थे। ये किसी पार्टी से ताल्लुक नही रखते। ये बता देगे कि बी0ए0सी0 की मीटिंग मे क्या फेसला हुआ था।

चौधरी भजन लालः मैने बी0ए0सी0 की मीटिंग मे कहा था कि हाउस कम से कम 15 दिन तक चलना चाहिए और दूसरे यह कहा था जो नोन ओफि ियल डे है इसको ओफि ियल डे मे कन्वर्ट नही करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, जब बिजनैस ही न हो तो हाउस नही चला करता। आप केवल विरोध करने के लिए विरोध न करे।

चौधरी भजन लालः आप सही बात को सही नही मान रहे, इसलिए हम विरोध कर रहे है आज की मीटिंग मे क्या फेसला था इस बारे मे कृश्लपाल गुर्जर जी से भी पूछ ले। ये भी उस मीटिंग मे मौजूद थे। ये तो आपकी पार्टी को सपोर्ट कर रहे है, ये बात देगे कि क्या फेसला हुआ था।

Mr. Speaker: Question is-

That this House agrees with the recommedations contained in the First Report of Business Adviosry Committee.

The motion was carried

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज पत्र

Mr. Speaker: Now, a Minister will lay/re-lay the papers on the Table of the House.

Finance Minister (Prof Smapat Singh): Sir, I beg to lay on the Table-

The Haryana Local Area Development Tax (Amendment) Ordinance, 2001 (Haryana Ordiance No. 2 of 2001)

The Power Depatment Notification No. S.O 156/H.A 10/98/Ss 23,24 and 55/99, dated the 1st July, 1999 as required under Section 55(3) of the Haryana Electircity Reform Act, 1997.

The Power Depatment Notification No. S.O 186/H.A 10/98/Ss 23,24 and 25/99, dated the 13th August, 1999 as required under Section 55(3) of the Haryana Electircity Reform Act, 1997.

The Power Depatment Notification No. S.O 213/H.A 10/98/Ss 23,24 and 55/99, dated the 15th October, 1999 as required under Section 55(3) of the Haryana Electircity Reform Act, 1997.

The Power Depatment Notification No. S.O 235/H.A 10/98/Ss 23,24 and 55/99, dated the 15 November, 1999 as required under Section 55(3) of the Haryana Electircity Reform Act, 1997.

The Power Depatment Notification No. S.O 244/H.A 10/98/Ss 23,24 and 55/99, dated the 30 November, 1999 as required under Section 55(3) of the Haryana Electircity Reform Act, 1997.

The Power Depatment Notification No. S.O 73/H.A 10/98/Ss 23,24 and 55/99, dated the 14th June, 2000 as required under Section 55(3) of the Haryana Electircity Reform Act, 1997.

The Prohibition, Excise and Taxatin Department Notificationa No. G.S.R 78/H.A 20/73/S. 64/2000, dated the 141 December, 2000 regarding the Haryana General Sales Tax (Amendment) Rules, 2000, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act., 1973.

The General Administiration Department (General Services) Notification No. G.S.R 4/Const./Art. 320/Armd. (1) 2001, dated the 27 the March, 2000, regarding the Haryana Pubilc Sercics Commission (Limitation of Functions) Amendment Regulation, 2000, as required under Article 320(5) of Construction of India.

The Prohibition, Excise and Taxatin Department Notificationa No. G.S.R 13/H.A 20/73/S. 64/2000, dated the 22, May, 2000 regarding the Haryana General Sales Tax (Amendment) Rules, 2000, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act., 1973.

Finance Minister (Prof Smapat Singh): Sir, I beg to lay on the Table-

The Prohibition, Excise and Taxatin Department Notificationa No. G.S.R 10/H.A 20/73/S. 64/2001, dated the 4th April, 2001 regarding the Haryana General Sales Tax (Amendment) Rules, 2000, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act., 1973.

The Prohibition, Excise and Taxatin Department Notificationa No. G.S.R 71/H.A 20/73/S. 64/2000, dated the 19 October, 2000 regarding the Haryana General Sales Tax (Third Amendment) Rules, 2000, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act., 1973.

The Prohibition, Excise and Taxatin Department Notificationa No. G.S.R 64/H.A 20/73/S. 64/2001, dated the 14th June, 2001, regarding the Haryana General Sales Tax (Second Amendment) Rules, 2001, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act., 1973.

The Prohibition, Excise and Taxatin Department Notificationa No. G.S.R 20/H.A 20/73/S. 64/2001, dated the 1 October, 2001, regarding the Haryana General Sales Tax (Sixth Amendment) Rules, 2000, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act., 1973.

The Prohibition, Excise and Taxatin Department Notificationa No. G.S.R 158/H.A 20/73/S. 64/2001, dated the 15 October, 2001, regarding the Haryana General Sales Tax (Fourth Amendment) Rules, 2001, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act., 1973.

The Prohibition, Excise and Taxatin Department Notificationa No. G.S.R 161/H.A 20/73/S. 64/2001, dated the 15 October, 2001, regarding the Haryana General Sales Tax (Fourth Amendment) Rules, 2001, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act., 1973.

The General Administiration Department (General Services) Notification No. G.S.R 16/H.A 9/79/S.8/2001 dated the 28th June, 2001, regarding the Haryana Legislative

Asseembly (Facilities to Members) Amendment Regulation, 2001, as required under Section 8(3) of the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Act, 1979

The 26th Annual Report and Accouts of Haryana Agro Industries Corporation Limited for the Year 1999-2000 as required under section 619-A (3) (b) of the Companies Act, 1956.

The Finance Accounts of the Government of Haryana for the year 2000-2001 in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Appropriation Acconts of the Govenment of Haryana for the year 2000-2001 in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned till 9.30 P.M tomorrow, the 9th November, 2001

17-28 hrs.

(The Sabhan then adjourned till 9.30 a.m on Friday, the 9th November, 2001).